ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीसीबी ने नकदी समेत 6.80 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ किए जब्त @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 16 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-104

पाकिस्तान की शह पर बांग्लादेश कर रहा हनी-ट्रैप का साजिशी इस्तेमाल

खूबसूरत मेघना के जरिए साधा सऊदी अरब पर निशाना

सऊदी अरब को पाकिस्तान पसंद नहीं कर रहा तो पाकिस्तान का नया-नया पिट्ठू बना बांग्लादेश भी सऊदी अरब के प्रति घृणा पाल रहा है। पाकिस्तान के इशारे पर बांग्लादेश सऊदी अरब के खिलाफ नई-नई साजिशें करने में लगा है। बांग्लादेश के विभाजन काल से ही बांग्लादेश की कट्टरपंथी पाकिस्तान परस्त जमातें सऊदी अरब को नापसंद करती रही हैं और सऊदी अरब के कूटनीतिकों के खिलाफ साजिशें करती रही हैं। ताजा मामले में बांग्लादेश सरकार ने सऊदी अरब के बांग्लादेश में राजदूत इस्सा बिन यूसुफ अल-दुहैलन को बांग्लादेश की अभिनेत्री मेघना आलम के जरिए हनी-ट्रैप में फंसाया और उसे बांग्लादेश के हित के लिए काम करने के लिए दबाव डाला। इसके लिए हनी-ट्रैप की तस्वीरों

सऊदी अरब के विरोधियों के साथ खेल रहा खतरनाक खेल

और वीडियो के जरिए राजदूत को ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई, यहां तक कि राजदूत को बांग्लादेशी अभिनेत्री मेघना आलम से विवाह रचाने को कहा गया। आखिरकार सऊदी अरब की सरकार ने राजदूत इस्सा बिन यूसुफ अल दुहैलन को वापस बुला लिया। फिल्म अभिनेत्री मेघना आलम ने सऊदी अरब के राजदूत से मना कर दिया, इसलिए बांग्लादेश सरकार के अंतरिम मुखिया मुहम्मद यूनुस के निर्देश पर मेघना को गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया गया। बांग्लादेश के लोगों को अब यह उम्मीद नहीं कि वे मेघना आलम को कभी दोबारा देख पाएंगे।

अभिनेत्री मेघन आलम से गलती यह हो गई कि उसने मुहम्मद यूनुस की पोल खोल देने की धमकी दी थी। इस वजह से यूनुस मेघना के पीछे पड़ गए। मेघना का बांग्लादेश के स्पेशल पावर एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है, यानि अब वह अनिश्चित काल के लिए जेल में ही रहेगी। मेघना आलम वर्ष 2020 में मिस अर्थ बांग्लादेश बनी थी। पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद तालेबुर रहमान ने कहा कि मेघना ने बांग्लादेश और विदेश की मानिंद हस्तियों पर गंभीर आरोप लगाए, इसलिए उसे गिरफ्तार किया गया है। मेघना ने क्या आरोप लगाए? इसका खुलासा नहीं किया गया। 30 वर्षीय अभिनेत्री एवं मॉडल मेघना आलम के पिता ने कहा कि उनकी बेटी पर सऊदी अरब के राजदूत के ▶10 पर

वक्फ कानून के खिलाफ बंगाल में हुई हिंसा के अहम सुराग मिले

हिंसा फैलाने में बांग्लादेशी उपद्रवियों का इस्तेमाल

नई दिल्ली/कोलकाता, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून को लेकर हुई हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों को जरिया बनाया गया। बांग्लादेशी उपद्रवियों को सामने रख कर पश्चिम बंगाल को सांप्रदायिक हिंसा की आग में झोंकने की साजिश की गई। खुफिया एजेंसियों को प्राथमिक जांच में ही कई महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। बंगाल पुलिस ने अब तक 210 लोगों को गिरफ्तार किया है। वक्फ कानून के विरोध में शुरू हुई हिंसा में कम से कम तीन लोग मारे गए। हजारों परिवार को पलायन के लिए विवश होना पड़ा। हिंदुओं की लाखों की सम्पत्ति का नुकसान हुआ है और उनके घर और दुकानें आग के हवाले कर दी गईं।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में नए वक्फ कानून को लेकर लेकर भड़की हिंसा के मामले में गृह मंत्रालय को शुरुआती जांच की जानकारी दी गई है। हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों के शामिल रहने के बाद में गृह मंत्रालय को बताया गया है। हिंसा के बाद जंगीपुर, धुलियान, सुती और शमशेरगंज जैसे संवेदनशील इलाकों में बीएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य सशस्त्र पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। तनाव के बीच बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी रवि गांधी ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया और राज्य पुलिस के साथ मिलकर इलाके में गश्त बढ़ाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की।

सैकड़ों हिंदू परिवार बंगाल से भाग कर झारखंड पहुंचे

दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर इलाके में भी वक्फ अधिनियम को लेकर हिंसा हुई। इंडियन सेकुलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों ने पुलिस के साथ झड़प की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। कुछ पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और सार्वजनिक सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने आईएसएफ समर्थकों को उनके नेता और विधायक नौशाद सिद्दीकी की रैली में शामिल होने से रोकने की कोशिश की, जिसके चलते हिंसक झड़प हुई। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट द्वारा फैलाई गई विधायी अराजकता तमिलनाडु पर हावी

अब तमिलनाडु को और चाहिए स्वायत्तता

चेन्नई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा फैलाई गई विधायी अराजकता का सबसे अधिक असर तमिलनाडु पर दिख रहा है। तमिलनाडु सरकार ने पहले तो राज्यपाल का अनुमोदन लिए बगैर 10 विधेयक पारित कर दिए। अब सुप्रीम कोर्ट की शह पाकर बौराए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य को अधिक स्वायत्तता दिए जाने की मांग कर डाली है। विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा, जिसका भाजपा ने विरोध किया। भाजपा ने सीएम पर दोहरी बात करने का आरोप लगाते हुए विधानसभा से वॉकआउट कर लिया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने राज्य को अपने फैसले लेने के लिए अधिक स्वायत्तता देने की जोरदार वकालत की। उन्होंने विधानसभा में एक उच्च स्तरीय समिति नियुक्त करने का प्रस्ताव पेश किया। स्टालिन के प्रस्ताव पर तीन सदस्यीय

मदमाए मुख्यमंत्री स्टालिन ने समिति भी गठित कर दी

समिति गठित की गई है, जो राज्य की स्वायत्तता की सिफारिश के साथ ही अधिकारों को पुन: प्राप्त करने का प्रयास करेगी। सीएम स्टालिन ने राज्य को अधिक स्वायत्तता दिए जाने की बात ऐसे समय में की है, जब राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य विधानसभा में पारित विभिन्न विधेयकों को मंजूरी देने से मना कर दिया। इसके चलते डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार और राज्यपाल के बीच टकराव भी हुआ। सिफारिश के लिए गठित की गई समिति की अध्यक्षता रिटायर्ड जज कुरियन जोसेफ करेंगे। इस समिति में अन्य दो सदस्य रिटायर्ड आईएएस अशोक वर्धन शेट्टी और एमयू नागराजन होंगे। समिति जनवरी 2026 के अंत तक राज्य को एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपेगी और दो साल के भीतर एक पूरी रिपोर्ट पेश करेगी। समिति राज्य और केंद्र सरकार के बीच संबंधों को मजबूत करने पर भी सिफारिशें देगी।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, नीट परीक्षा की वजह से हमने कई छात्रों को खो दिया है। ▶10 पर

वक्फ कानून बनने के बाद भी वक्फ बोर्ड की गुंडागर्दी जारी

150 परिवारों को गांव खाली करने का नोटिस

15 सौ साल पुराने चंद्रशेखर स्वामी मंदिर पर भी वक्फ का दावा

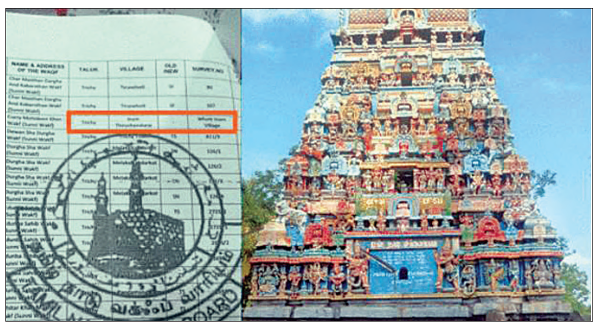

चेन्नई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक के दोनों सदनों से पारित होकर और राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षर के बाद कानून बनने के बाद भी तमिलनाडु में वक्फ बोर्ड की गुंडागर्दी जारी है। तमिलनाडु के एक गांव में 150 परिवारों को अपनी जमीनें खाली करने के लिए वक्फ बोर्ड ने नोटिस जारी किया है। ये कृषि वाली भूमि है, जिसके सहारे इन परिवारों का पेट पलता है। मामला वेल्लोर जिले के अनईकट्टु तालुका के कट्टुकोलै गांव का है। वक्फ बोर्ड के इस नोटिस के खिलाफ लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार इस मसले पर चुप्पी साधे हुई है।

वक्फ बोर्ड ने इन 150 परिवारों की जमीनों को वक्फ की सम्पत्ति घोषित कर दी है। वक्फ की यह घोषणा देश में वक्फ कानून बनने के बाद हुई है। पीड़ितों ने वेल्लोर के डीएम को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। वक्फ बोर्ड के सैयद अली सुल्तान शाह के नाम से ये नोटिस जारी किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि गांव की जमीनें दरगाह की हैं। ग्रामीण या तो जमीन खाली कर दें या फिर दरगाह को टैक्स देना शुरू कर दें। पिछली चार पीढ़ियों से वहां रह रहे ग्रामीणों की आजीविका पूरी तरह कृषि पर ही आधारित है। उनके पास काम का कोई दूसरा जरिया नहीं है। इन ग्रामीणों में से अधिकतर के पास सरकार द्वारा जारी किया गया दस्तावेज है। इन्होंने डीएम से संरक्षण और स्पष्टता की मांग की है। ▶10 पर

वक्फ कानून के खिलाफ हिंसा का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

बंगाल हिंसा की अदालत की निगरानी में हो जांच

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के खिलाफ हिंसा का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़ी दो याचिकाएं दाखिल की गई हैं। इनमें नए लागू किए गए वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा की अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर इलाके में वक्फ कानून से जुड़ी हिंसा की ताजा घटनाएं 14 अप्रैल को हुईं। ▶10 पर

हरियाणा जमीन घोटाले से जुड़ा मनी लॉन्ड्रिंग मामला

रॉबर्ट वाड्रा से ईडी ने की सघन पूछताछ

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने व्यवसायी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाड्रा को भूमि सौदे से जुड़े धन शोधन मामले में मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया। 56 साल के रॉबर्ट वाड्रा को इस मामले में पहली बार 8 अप्रैल को बुलाया गया था। वाड्रा के खिलाफ जांच हरियाणा के शिकोहपुर में एक भूमि सौदे से जुड़ी है।

प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कारोबारी और वायनाड से कांग्रेस प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की। वाड्रा ने एजेंसी के समन को राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। 56 साल के रॉबर्ट वाड्रा मध्य दिल्ली के सुजान सिंह पार्क स्थित अपने आवास से एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर स्थित ईडी मुख्यालय तक दो किलोमीटर पैदल गए।

इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा को जमीन सौदा मामले में दूसरी बार तलब किया था। समन के तहत वे मंगलवार सुबह ईडी दफ्तर पहुंचे थे। पहले ईडी ने उन्हें समन कर 8 अप्रैल को पेश होने को कहा था। हालांकि, तब वे पेश नहीं हो पाए थे। जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वाड्रा का बयान दर्ज किया। इससे पहले संघीय जांच एजेंसी ने एक अन्य धन शोधन मामले में वाड्रा से पूछताछ की थी। ईडी ने मंगलवार को हरियाणा के शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में रॉबर्ट वाड्रा को समन भेजा। वाड्रा पहले समन पर उपस्थित नहीं हुए थे, जो 8 अप्रैल को जारी किया गया था। उन्हें पूछताछ के लिए ईडी के सामने उपस्थित होने के लिए कहा गया, क्योंकि केंद्रीय जांच एजेंसी उनकी फर्म स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है। ▶10 पर

शेयर मार्केट

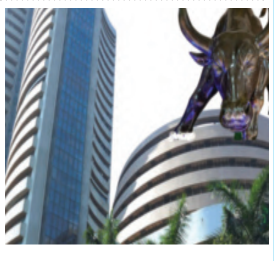

बीएसई : 76,734.89
+1577.63 +2.10% ↑
एनएसई :23,328.55
500.00 (2.19%) ↑

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 37°
न्यूनतम : 27°

हनी-ट्रैप से अपराधियों को पकड़ने में मिल रही भारत को कामयाबी

कोई काम नहीं आई चोकसी की चौकसी

एक तरफ हनी-ट्रैप का इस्तेमाल षडयंत्रों में किया जा रहा है तो दूसरी तरफ भारत हनी-ट्रैप का इस्तेमाल कुख्यात फरार अपराधियों को पकड़ने में कर रहा है। 13,500 करोड़ रुपए के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में भारत में वांछित भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को पिछले दिनों बेल्जियम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी को भी हनी-ट्रैप का ही अंजाम बताया जा रहा है। हालांकि हनी-ट्रैप को लेकर भारत सरकार की कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। कोई भी सरकार इस बारे में कुछ नहीं करेगी, चाहे वह इसका सकारात्मक इस्तेमाल करे या नकारात्मक। गीतांजलि समूह के मालिक मेहुल चोकसी को भारत और बेल्जियम के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से उस समय गिरफ्तार किया जब वह इलाज के बहाने स्विट्जरलैंड भागने की तैयारी कर रहा था। यह गिरफ्तारी तीन देशों में भारतीय अधिकारियों द्वारा सात साल की अथक खोज में एक सफलता है। हालांकि, कुख्यात मेहुल चोकसी गाथा में, सबसे उल्लेखनीय मोड़ में से एक वह था जिसे वह बारबरा जबारिका नामक एक हंगरी की महिला से जुड़ा एक विस्तृत हनी-ट्रैप और अपहरण की साजिश बता रहा है। मेहुल चोकसी 2018 में भारत से भाग गया और एंटीगुआ और बारबुडा में फिर से दिखाई पड़ा, जहां उसने निवेश के जरिए नागरिकता हासिल की थी। कई साल तक वह रडार से दूर रहा, जब तक कि वह मई 2021 में डोमिनिका में दिखाई नहीं दिया और उसे अवैध प्रवेश के लिए गिरफ्तार नहीं कर लिया गया। तभी बारबरा जबारिका का प्रकरण सामने आया। चोकसी का कहना है कि उसे अगवा किया गया, प्रताड़ित किया गया और एक नाव पर बिठाया गया जो उसे एंटीगुआ से डोमिनिका ले गई। मेहुल ने दावा किया कि बारबरा इस साजिश का हिस्सा थी। ▶10 पर

बारबरा जबारिका ने मेहुल चोकसी को हनी-ट्रैप में फंसाया

कार्टून कॉर्नर

मारवाड़ी युवा मंच स्टार्स शाखा का 13वां शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के जयनगर स्थित महाराज अग्रसेन भवन में शनिवार शाम को मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स शाखा की 13वीं कार्यकारिणी (वर्ष 2025-26) समिति ने शपथ ली। इस शपथ ग्रहण समारोह में शाखा के संस्थापक अध्यक्ष मनोज पोद्दार एवं पूर्व अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, सुशील बंसल, आनंद अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, नितेश टिबरेवाल, ऋषभ सराफ, संदीप चनानी मौजूद थे। समारोह में शाखा के जनक और प्रमुख सलाहकार रवि राम सिंघानिया, प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जोन-5 साकेत रिटोलिआ, प्रांतीय उपाध्यक्ष-मंडल-1 जयप्रकाश अग्रवाल, अन्य मायुंम शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, रोशन सुल्तानिया, मायुंम सेंट्रल शाखा के सचिव आयुष भीमसरिआ सहित अन्य समाजसेवी भी मौजूद थे। समारोह की शुरुआत में निवर्तमान सचिव पंकज जैन ने सभी हितैषी, समाजसेवी और मंच पदाधिकारियों का स्वागत किया और हनुमान जयंती के पावन अवसर पर सभी ने साथ मिलकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष राहुल गोयनका ने अपने कार्यकारिणी के वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन करते हुए वर्ष 2024-25 में हुए उत्कृष्ट कार्यों का विवरण दिया। विवरण के बाद पधारे हुए गणमान्य अतिथि एवं पूर्व अध्यक्षों द्वारा शाखा की 12वीं कार्यकारिणी के सदस्यों को अध्यक्षीय अवार्ड्स के साथ सम्मानित किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों के अलावा शाखा के अन्य सदस्यों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने शाखा के कार्यक्रमों में अपना विशिष्ट योगदान दिया। शाखा पूर्वअध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल (वर्ष 2014-15) ने नवनिर्वाचित 13वीं कार्यकारिणी को विधिवत और एकाग्रता के साथ शपथ पथ पढ़वाया एवं मंच, राष्ट्र और समाजहित के प्रति कर्तव्यों के बारे में अवगत कराया। नयी कार्यकारिणी समिति में अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला, निवर्तमान अध्यक्ष राहुल गोयनका, उपाध्यक्ष-1 प्रांजल सरावगी और उपाध्यक्ष -2 मनीष अग्रवाल, सचिव अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निपुण सुंदरका सहित पुनीत कंदोई, दीपक जैन, सौरभ रूंगटा, कुणाल जालान, अंकित रूंगटा, धीरज अग्रवाल, अभिनव डोकनिआ, प्रदीप अग्रवाल, अमन शर्मा, नितेश अग्रवाल भी शामिल हैं। 2025-26 की कार्यसमिति में वरिष्ठ सदस्यों और नए सदस्यों का सुंदर समागम है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने सभी पूर्वअध्यक्षों और सभी वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग प्राप्ति की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा सबका साथ सबका विश्वास और समाज का विकास। अपने पहले अध्यक्षीय घोषणा में नारी शक्ति का आह्वान करते हुए और संविधान के दायरे में रहते हुए, अध्यक्ष आशीष ने दीपा चौधरी और प्रियंका सरावगी को 13वीं कार्यकारिणी में शामिल किया और उनका भी शपथ पाठ हुआ। उन्होंने समाज, मंच और राष्ट्रहित के प्रति कार्यों को करने का आश्वासन दिया।

साध्वी पुण्ययशा जी का बेंगलूरु शहर की सीमा में भव्य प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशा जी का राजराजेश्वरी नगर के चातुर्मास हेतु बेंगलूरु महानगर की सीमा में सोमवार प्रातः 9:31 बजे मंगल प्रवेश हुआ। बेंगलूरु के समस्त सभा संस्था, युवक परिषद, महिला मण्डल के पदाधिकारीगण एवं श्रावक-श्राविकाओं की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही। वहाँ से विहार करते हुए साध्वीवृन्द श्रावकसमाज के साथ टी दासरहल्ली स्थित तेरापंथ भवन पधारें जहाँ स्वागत अभिनन्दन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ साध्वी श्री मुखारविंद से मंगल मंत्रोच्चार से हुई। तेरापंथी सभा की उपाध्यक्ष सरोज आर बैद ने विहार की सुखसाता की पृच्छा करते हुए साध्वीवृन्द का भावभीना स्वागत किया।

तेयुप के अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ तथा तेमम की अध्यक्षा सुमन पटावरी ने स्वागत वक्तव्य दिया। सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया तथा महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। साध्वी विनीत यशाजी, साध्वी वर्धमानयशा जी एवं साध्वी बोधिप्रभाजी ने भावाभिव्यक्ति दी। साध्वी पुण्ययशा जी ने फरमाया कि गुरुकृपा से ही हम इतना लंबा विहार करके प्रथम बार दक्षिण भारत की यात्रा पर आए हैं। अब बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों की सार संभाल करते हुए चातुर्मासार्थ राजराजेश्वरी नगर पधारेंगे। गुरु इंगित की आराधना करते हुए श्रावकों में धार्मिक भावना का विकास करना ही हमारी प्राथमिकता रहेगी। मुंबई भयंदर से रास्ते की सेवा में पधारे धर्मेन्द्र बोथरा का जैन पट्ट एवं साहित्य द्वारा सम्मान किया गया। तत्पश्चात धर्मेन्द्र ने भी भावाभिव्यक्ति सम्प्रेषित की। दासरहल्ली महिला मंडल ने मंगलाचरण एवं सभा अध्यक्ष भगवतीलाल और तेयुप अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी ने भी स्वागत वक्तव्य दिया। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ के कुशल नेतृत्व में मंत्री गुलाब बाँठिया ने कार्यक्रम की संयोजना की।

दपरे ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर जयंती मनाई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को हुब्बल्ली स्थित दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्यालय रेल सौधा में अंबेडकर की जयंती मनाई गई। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

अपने संबोधन में माथुर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान और दुनिया के सबसे व्यापक संविधानों में से एक के मुख्य वास्तुकार के रूप में भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने मौलिक अधिकारों, संघीय ढांचे और आरक्षण जैसे सामाजिक न्याय के प्रावधानों की शुरुआत की, जिससे केंद्र और राज्यों के बीच और न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच संतुलित संबंध सुनिश्चित हुए। डॉ. अंबेडकर ने देश के पहले आम चुनावों से पहले ही चुनाव आयोग, यूपीएससी और राष्ट्रपति और राज्यपाल के कार्यालयों जैसे स्वतंत्र संवैधानिक निकायों के महत्व पर जोर दिया था। उनके कानूनी योगदान से परे, डॉ. अंबेडकर का जीवन इस बात का एक शक्तिशाली उदाहरण है कि शिक्षा और दृढ़ संकल्प किसी भी पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को कैसे सशक्त बना सकते हैं। समानता, सम्मान और जिम्मेदारी के उनके स्थायी मूल्य पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे और नागरिकों के रूप में हमें अपने दैनिक जीवन में इन आदर्शों को बनाए रखना चाहिए। इस अवसर पर के.एस. जैन, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एसडब्ल्यूआर, प्रमुख विभागाध्यक्ष, अन्य अधिकारी, मान्यता प्राप्त यूनियनों और संघों के प्रतिनिधि और कर्मचारी उपस्थित थे।

रेदासानी बॉक्स क्रिकेट कप सीजन 3 के खिलाड़ियों की निलामी सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा बेंगलूरु द्वारा बीएसपीएल तीसरे सीजन के रेदासनी बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता के खिलाड़ियों का ऑक्शन सम्पन्न हुआ। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी 12 टीमों के प्रयोजकों और टीम ओनर्स और एक सौ बीस खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि संघ समाज के नई पीढ़ी के बच्चों को समाज से जोड़ने और उनको संगठित करने में खेलों का बहुत बड़ा योगदान रहता है। खेलों से ही हमारा शरीर मजबूत होता है और निरोगी रहने में मदद मिलती है तथा हमारे आत्मविश्वास में वृद्धि होने के साथ टीम भावना से कार्य करने का जज्बा उत्पन्न होता है। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने कहा कि जीतना तो सिर्फ एक टीम को है लेकिन सभी खिलाड़ियों को अपने हौसले बुलंद रखते हुए खेल भावना से खेलना है। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, महामंत्री अरविंद कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, महिला विंग की संयोजिका कंचन छाजेड, जिया हिंगड़ और युवा शाखा के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। नितेश बोहरा और सुशील बाफना ने नवकार महामंत्र से मंगलाचरण किया। उपाध्यक्ष विकास खटोड़, सज्जनराज कोठारी, महिला विंग के चन्द्रकला डाकलिया, संगीता पारख ने विनर और रनर अप ट्रॉफी का अनावरण किया। सहमंत्री नरेश बोहरा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के मुख्य कप प्रायोजक संतोष देवी, चेतन कुमार, रश्मि रेदासानी हैं और भोजन प्रायोजक जयप्रकाश प्रभावती मकाना हैं। सभी खिलाड़ियों के लिए टी-शर्ट प्रायोजक सज्जनराज अमित कुमार शीतल कुमार कोठारी हैं। इसके साथ ही कैप प्रायोजक गुमानमल पदम चंद बोहरा, किट प्रायोजक इंद्रादेवी सुरेंद्र कुमार गोलेच्छा, टॉस का बॉस सुनील कुमार शुभम् कुमार छाजेड़, एनर्जी ड्रिंक प्रायोजक नोरत मल, धीरज नाहर, बुल्स आई प्रायोजक राकेश रिंकू बाफना हैं। इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें उतरेंगी जिसमें पंजाबी तड़का, रांका, बॉलर ऑन स्ट्राइक, कुमट वारियर्स, तनिष्का तूफान, मणिधारी स्टोन्स, कोठारी एलजीसी चैलेंजर्स, एक्यूरेट चैलेंजर्स, माँ क्रिएशन्स, दिनेश एसोसिएट्स वॉरियर्स, तातेड़-11, अपोलो-11, मयूर कम्प्यूटर मार्वल्स नंबर वन बनने की होड़ करेंगी। खेल समिति के यश रांका, अंजन मेहता और रोशन लोढ़ा ने कार्यक्रम को मूर्त रूप प्रदान किया।

तकनीकी समिति के महावीर गुगलिया, कुणाल मरलेचा, भरत कोठारी, सुनील भण्डारी ने कोषाध्यक्ष नमित कोठारी के साथ मिलकर ऑक्शन का पूरा हिसाब किताब रखा। अल्केश हिंगड़, मनीष बाफना, लकी बोहरा ने भोजन समिति का कार्यभार संहाला। कार्यक्रम का संचालन आशीष भन्साली और विधि बैद ने किया।

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ बेंगलूरु के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को अध्यक्ष डा.भीकमचंद सकलेचा के नेतृत्व में कम्मनहल्ली स्थानक में विराजमान साध्वी आगम श्री जी एवं साध्वी धैर्य श्री जी के दर्शन कर स्वास्थ्य की सुख साता पूछी। महासंघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने धैर्य जी के जैन यूनिवर्सिटी से जैनलॉजी में पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त की। धैर्य जी जैनलॉजी में एम ए कर रहे हैं और यह इनका अंतिम सेमेस्टर है। पांडुलिपि और अन्य धर्म पर शोध विषय के अलावा आप भक्तामर स्तोत्र की महिमा पर भी निबंध लिख रहे हैं। महासंघ के कोषाध्यक्ष हस्तीमल बाफना ने बताया कि साध्वी द्वय उदयनगर में ओली संपन्न करा कर कम्मनहल्ली पधारे हैं और आगामी जून 8 से 18 तक साध्वी जी की परीक्षा है। अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा ने परीक्षा के लिए अग्रिम शुभकामनाएं व्यक्त की। कम्मनहल्ली संघ अध्यक्ष विजयराज चुतर एवं कोषाध्यक्ष सुधीर सिंघवी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में केपी अग्रहारा यूथ संगठन द्वारा मागड़ी रोड सरकारी स्कूल खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा जय भीम ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में 16 टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव रामजी अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

मानव कल्याणार्थ धन्वंतरि एवं महामृत्युंजय यज्ञ आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु द्वारा सर्वजन हिताय सुख, समृद्धि एवं स्वास्थ्य जीवन तथा मानवमात्र के कल्याण की कामना को लेकर सोमवार को शहर के पैलेस ग्राउंड के रॉयल सीनेट में समाज अध्यक्ष सुनील शर्मा एवं आयुष टीवी के संयुक्त तत्वावधान में विद्वान पंडित कृष्णमूर्ति के आचार्यत्व में धन्वंतरि एवं महामृत्युंजय यज्ञ का शानदार आयोजन हुआ।

जिसमें प्रातः संकल्पम पश्चात मुख्य यजमान सुनील शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी संतोष शर्मा द्वारा मानवमात्र के कल्याणार्थ यज्ञ में आहुतियां दी गयी। यज्ञ की पूर्णाहुति में बतौर मुख्य अतिथि मल्लेश्वरम विधायक एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. अश्वत्थ नारायण एवं पद्म श्री गौरीशंकर भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजन को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में भी दर्ज किया गया। कार्यक्रम में सुनील शर्मा को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र भी दिया गया। इस अवसर पर किशोर शर्मा चेन्नई, राकेश शर्मा, अरुण शर्मा, विकास शर्मा, राजेश शर्मा, चेतन शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, बी.एल. पांचेटिया, महेंद्र शर्मा, भूपेश कश्यप, बी.एल.शर्मा, जयंतिलाल, श्रीनिवास, अशोक शर्मा, संतोष शर्मा, चंद्रप्रकाश सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

शिवमोग्गा में किसानों ने किसानों को नोटिस जारी करने का विरोध किया

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य रायता संघ के बैनर तले किसानों ने मंगलवार को शिवमोग्गा में विरोध मार्च निकाला और सरकार द्वारा बगैर-हुकुम किसानों और शरावती परियोजना से विस्थापित हुए लोगों को नोटिस जारी करने का विरोध किया।

प्रदर्शनकारियों ने साइंस फील्ड से मार्च शुरू किया और डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय के सामने एकत्र हुए। सभा को संबोधित करते हुए शिवमोग्गा ग्रामीण विधायक शारदा पुरयानाइक ने राजस्व विभाग और वन विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को दिए गए नोटिस पर आपत्ति जताई। उन्होंने सरकार से मांग की कि दशकों से खेती कर रहे किसानों को जमीन दी जाए।

जैन मुनियों पर हुए बर्बर हमले की निंदा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मध्यप्रदेश और राजस्थान सीमा पर स्थित नीमच के पास रविवार रात को हनुमान मंदिर में विश्राम कर रहे तीन जैन मुनियों पर हुए बर्बर हमले की श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ बेंगलूरु कड़ी निंदा करता है। संघ के अध्यक्ष डॉ. भीकमचंद सकलेचा एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कुछ असामाजिक तत्वों ने बेवजह मुनियों को परेशान किया और बर्बरता पूर्वक प्रहारों से लहूलुहान कर दिया।

तीनों मुनियों को पीड़ाकारी चोट पहुंची है और कई जगह घाव हो गए हैं।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ, बेंगलूरु ऐसे असामाजिक तत्वों पर सरकारी अंकुश की अपेक्षा करता है और मुनि के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता है। त्वरित कार्यवाही के लिए स्थानीय प्रशासन को धन्यवाद देते हुए स्थानीय संघ द्वारा मुनि त्रय को सहायता व साता पहुंचाने के लिए अनुमोदना करता है।

एमपीएल 2025 विजेता टीम का सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री हनुमान मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष रमेश बाफना ने कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा बेलगावी में आयोजित राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता टीम ऑर्बिटएप्लाई यंगस्टार्स हुब्बली के खिलाड़ियों का सम्मान किया। इस दौरान हुब्बली टीम के मेंटोर सुभाषचंद्रा डंक, टीम के मालिक अंकुश इन्दर संकलेचा, टीम के कप्तान राहुल संघवी, खिलाडी दिनेश सोलंकी, योगेश जैन, ओम गेहलोत, जैनम कानुंगा, निखिलेश भंडारी, आकाश चोपड़ा, प्रफुल्ल जैन, डिवेन चोपड़ा, ध्रुव बागरेचा, नेहल बागरेचा सहित अन्य उपस्थित थे। इस दौरान रमेश बाफना ने कहा की हुब्बल्ली के हमारे युवा खिलाड़ियों ने खेल को खेल की भावना के साथ खेलते हुए स्टेट लेवल की प्रतियोगिता में जीत हासिल की। जो हुब्बली निवासियों के लिए गर्व का विषय है। साथ ही कहा की हुब्बल्ली में भी इस प्रकार के आयोजन किये जाने चाहिए जिससे हुब्बली में युवा खिलाड़ियों को इसमें भाग लेने का मौका मिलता है। इस सम्मान के लिए मारवाड़ी युवा मंच हुब्बल्ली शाखा के पूर्व अध्यक्ष व टीम के मेंटर सुभाषचंद्रा डंक ने रमेश बाफना का आभार जताया।

सीसीबी ने नकदी समेत 6.80 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ किए जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सीसीबी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो पुलिस ने एक विदेशी नागरिक और केरल के 9 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 6.80 करोड़ रुपये की नकदी और नशीले पदार्थ, एक बाइक, दो कार, एक लैपटॉप और 12 मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक सिटी फेज 2 स्थित डी-मार्ट के पीछे गांजा बेचे जाने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीसीबी पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर मौके पर छापा मारा, केरल के एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और एक किलो हाइड्रोफोनिक गांजा जब्त किया।

बाद में उनके घर पर छापा मारा गया और 2 किलो 554 ग्राम हाइड्रोफोनिक मारिजुआना, 26 लाख रुपये नकद और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया, जिसकी कुल कीमत 4,52,54,500 रुपये आंकी गई है।

आरोपी बेंगलूरु में सिविल इंजीनियर के रूप में काम करता था और बोम्मासंद्रा में किराए के अपार्टमेंट में रहता था। आगे की जांच से पता चला कि उसने केरल से कम कीमत पर हाइड्रोफोनिक मारिजुआना खरीदा था और अपने एक दोस्त के साथ मिलकर इलेक्ट्रॉनिक सिटी और बोम्मासंद्रा में नशीली दवाओं की तस्करी में शामिल था, जहां ज्यादातर आईटी कर्मचारी रहते हैं।

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी के रूप में ड्रग तस्करी में लिप्त था, वह 100 ग्राम के छोटे पैकेटों को डबल-लेयर एयरटाइट प्लास्टिक कवर में पैक करके एक बैग में रखता था, ताकि किसी को उस पर ड्रग तस्करी का संदेह न हो। उसका एक अन्य साथी फरार है और उसकी तलाश जारी है। मादक पदार्थ तस्करी में शामिल एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 2 करोड़ रुपये मूल्य का 1 किलोग्राम एमडीएमए क्रिस्टल, एक मोबाइल फोन, एक दोपहिया वाहन और अन्य सामान जब्त किया गया। एक विदेशी ड्रग डीलर द्वारा बेगुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में मादक पदार्थ बेचने और परिवहन करने की गुप्त सूचना मिलने पर सीसीबी पुलिस ने छापा मारा, उसे गिरफ्तार किया और उससे पूछताछ की। पता चला कि उसके पास पासपोर्ट नहीं था। पता चला है कि आरोपी वर्ष 2012 में बिजनेस वीजा पर भारत आया था और मौज-मस्ती की जिंदगी जीने तथा कम समय में अधिक धन कमाने की नीयत से शहर में रहने वाले एक परिचित से कम कीमत पर एमडीएमए क्रिस्टल खरीदकर कॉलेज के छात्रों और आईटी-बीटी कर्मचारियों को ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध धन कमाने में संलिप्त था। इसके अतिरिक्त, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी ने फर्जी दस्तावेज बनाए और अवैध रूप से भारत में रह रहा था। इसी बीच सीसीबी पुलिस ने केरल से 8 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है जो एक लॉज में रह रहे थे और उनके पास से 27 लाख रुपये मूल्य के 110 ग्राम एमडीएमए क्रिस्टल, 10 मोबाइल फोन, 1 टैब और अपराध में इस्तेमाल की गई 2 बंदूकें जब्त की हैं। येलहंका न्यू टाउन पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अट्टूर लेआउट में एक लॉज में केरल के आठ ड्रग तस्करों द्वारा नशीले पदार्थ बेचने की गुप्त सूचना मिलने पर सीसीबी पुलिस ने छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जब ड्रग तस्करों से पूछताछ की गई तो पता चला कि वे काम के लिए बेंगलूरु आए थे और मौज-मस्ती भरी जिंदगी जीने तथा कम समय में ढेर सारा पैसा कमाने के लिए वे शहर में स्थित विदेशी ड्रग तस्करों से कम दामों पर ड्रग्स खरीदकर कॉलेज के छात्रों और आईटी-बीटी कर्मचारियों को ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध रूप से पैसा कमाने में लगे हुए थे। यह ऑपरेशन सीसीबी इकाई की नारकोटिक्स कंट्रोल यूनिट के अधिकारियों और कर्मियों की एक टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

बिजली की खपत बढ़ने से गृह ज्योति लाभार्थी सूची में हो सकता है संशोधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गर्मी की शुरुआत के साथ ही कर्नाटक में बिजली की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। नतीजतन, राज्य का ऊर्जा विभाग स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है, जिससे सरकार की गृह ज्योति मुफ्त बिजली योजना के तहत लाभार्थियों की सूची में संशोधन की संभावना बढ़ गई है। कर्नाटक ऊर्जा विभाग के अधिकारी उपभोक्ताओं के बिजली उपयोग पैटर्न का सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर रहे हैं। इस समीक्षा से गृह ज्योति योजना का लाभ उठा रहे लाभार्थियों की सूची में संशोधन हो सकता है। राज्य सरकार की नीति के तहत, उपभोक्ता 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्राप्त करने के पात्र हैं, बशर्ते उनका उपयोग उनकी औसत खपत से 10 प्रतिशत विचलन के भीतर रहे। हालाँकि, बढ़ते तापमान के कारण बिजली का उपयोग बढ़ रहा है, इसलिए गृह ज्योति लाभार्थी सूची का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया हमने बिजली की मांग और खपत में वृद्धि देखी है। नतीजतन, गृह ज्योति योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या में कमी आई है। हम मार्च 2024 से मार्च 2025 तक लाभार्थियों की संख्या में सटीक कमी का पता लगाने की प्रक्रिया में हैं। यह डेटा उपयोग के रुझानों की एक स्पष्ट तस्वीर प्रदान करेगा और योजना के भविष्य के कार्यान्वयन की योजना बनाने में मदद करेगा। हाल ही में राज्य के बजट में, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि गृह ज्योति के तहत पंजीकृत उपभोक्ताओं की कुल संख्या 1.62 करोड़ है। जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में इस योजना के लिए 9,657 करोड़ रुपये के आवंटन की आवश्यकता थी, सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के लिए 10,100 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं, जिन्हें ऊर्जा आपूर्ति निगमों (एस्कॉम) को वितरित किया जाएगा। ऊर्जा विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, जनवरी 2025 तक इस योजना के तहत पंजीकृत उपभोक्ताओं की कुल संख्या 1,72,79,199 थी, जिसमें 1,63,20,725 लाभार्थी थे। वहीं, दिसंबर 2024 तक पंजीकृत उपभोक्ताओं की संख्या 1,72,31,251 थी, जिसमें 1,63,05,498 लाभार्थी थे। दिसंबर 2024 में इस योजना के लिए सरकार का सब्सिडी आवंटन 779.032 करोड़ रुपये था, जो जनवरी 2025 में बढ़कर 785.54 करोड़ रुपये हो गया। इस बीच, दिसंबर 2024 तक योजना से डिस्कनेक्ट किए गए उपभोक्ताओं की संख्या 2,19,886 बताई गई, जो 17 मार्च 2025 तक बढ़कर 2,28,111 हो गई। गृह ज्योति योजना के तहत पात्र उपभोक्ताओं की कुल संख्या 1,95,35,846 है, जिसमें एलटी-1 और एलटी-2 श्रेणी के उपभोक्ता शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि लाभार्थियों की संख्या में उतार-चढ़ाव होता रहता है और कनेक्शन कटने के बाद बचे उपभोक्ताओं के आधार पर अंतिम संख्या निर्धारित की जाती है। इसके अलावा, फरवरी से गर्मी बढ़ने के साथ ही अधिकारी फरवरी और मार्च 2024 की तुलना में फरवरी और मार्च 2025 के लिए उपभोक्ता संख्या का मूल्यांकन कर रहे हैं। इस विश्लेषण का उद्देश्य योजना के कार्यान्वयन पर मौसमी बिजली मांग के वास्तविक प्रभाव का आकलन करना है।

अगले कुछ दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले तीन सप्ताह से राज्य में छिटपुट प्री-मानसून बारिश हो रही है और अगले तीन दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। राज्य के अंदरूनी हिस्सों में एक द्रोणिका बन गई है, जिससे आंशिक बादल छाए रहेंगे तथा शाम या रात में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है। सोमवार को राजधानी बेंगलूरु और रामनगर सहित दक्षिणी आंतरिक भागों के कई हिस्सों में छिटपुट बारिश हुई। कुछ स्थानों पर मध्यम से हल्की बारिश हुई, जबकि अन्य स्थानों पर भारी बारिश, बिजली चमकने और गरज के साथ बारिश हुई। दक्षिणी आंतरिक और तटीय क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना है, जबकि उत्तरी आंतरिक इलाकों में ठंड का दौर जारी रहेगा। हालाँकि, फिलहाल राज्य में भारी बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है। ग्रीष्मकालीन मानसून के कारण, बेंगलूरु के आसपास आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ ही शाम या रात में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ बारिश होने की संभावना बढ़ गई है। पिछले तीन-चार दिनों से बेंगलूरु में बादल छाए हुए हैं तथा हल्की बारिश हो रही है। सोमवार को भी बनशंकरी, जेपी नगर और मैजेस्टिक समेत कई जगहों पर बारिश हुई। दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़, हावेरी, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु सिटी, चामराजनगर, चिक्कबल्लापुर, चिक्कमगलूरु, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, हासन, कोडागु, कोलार, मांड्या, मैसूरु, रामनगर, शिवमोग्गा, तुमकुरु, विजयनगर में बारिश होगी। यादगीर, विजयपुरा, रायचूर, गदग, धारवाड़, बीरधा, बेलगावी और बागलकोट में शुष्क मौसम जारी रहेगा। कलबुर्गी में अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अशोक ने सीएम पर जाति जनगणना का राजनीतिकरण करने का लगाया आरोप

तीखे सवाल उठाए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर अशोक ने जाति जनगणना विवाद को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर तीखा हमला किया है। उन्होंने उन पर पार्टी के अंदरूनी मुद्दों और व्यक्तिगत झटकों से ध्यान हटाने के लिए पिछड़े समुदायों को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए अशोक ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया जब भी अपनी राजनीतिक स्थिति को खतरे में पाते हैं, जाति जनगणना के मुद्दे को उठाते हैं। अशोक ने दावा किया हर बार जब उन पर दबाव पड़ता है - जैसे कि हाल ही में दिल्ली में एआईसीसी के पूर्ण अधिवेशन के दौरान - तो वे अचानक जाति जनगणना को ध्यान भटकाने के लिए ले आते हैं। यह चाल पहले से ही तय हो चुकी है। प्रशासनिक चूकों - जिसमें हनीट्रैप कांड भी शामिल है - को लेकर कांग्रेस हाईकमान से कथित तौर पर मिली फटकार का जिक्र करते हुए अशोक ने कहा जब चीजें गलत होती हैं, तो वे अपनी स्थिति को बचाने के लिए शतरंज की चाल की तरह जाति जनगणना का सहारा लेते हैं। अशोक ने पिछड़े समुदायों के उत्थान के लिए वास्तविक प्रयासों के लिए भाजपा के समर्थन को दोहराया, लेकिन 'राजनीतिक सुविधा के लिए हाशिए पर पड़े वर्गों के शोषण' के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा पिछड़े समुदाय सांप-सीढ़ी के खेल में मोहरे नहीं हैं। कांताराजू आयोग की रिपोर्ट को अवैज्ञानिक, अपूर्ण और पुराना बताते हुए अशोक ने मुख्यमंत्री से कई सवाल पूछे। उन्होंने पूछा क्या आयोग के सचिव ने रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया?

अगर ऐसा है, तो क्यों? रिपोर्ट के मूल या हस्तलिखित संस्करण को रखने वाले सीलबंद बॉक्स का क्या हुआ, जैसा कि जयप्रकाश हेगड़े ने उल्लेख किया है? सिद्धरामैया ने 2018 में सत्ता में रहते हुए रिपोर्ट को लागू क्यों नहीं किया? यह देखते हुए कि एक दशक पुराना सर्वेक्षण त्रुटिपूर्ण था और घरों को छोड़ दिया गया था, इसे फिर से शुरू करने की अचानक इतनी जल्दी क्यों थी? वर्तमान वास्तविकताओं के अनुकूल एक नया और अधिक सटीक सर्वेक्षण क्यों नहीं किया गया? अशोक ने कांग्रेस के भीतर से रिपोर्ट के विरोध को भी उजागर किया।

यहां तक कि आपके अपने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भी मौजूदा जाति जनगणना को स्वीकार करने के खिलाफ याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं। श्यामनूर शिवशंकरप्पा जैसे वरिष्ठ नेताओं और कई धार्मिक नेताओं ने भी अपनी असहमति जताई है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार पिछले 22 महीनों में आम सहमति बनाने में विफल क्यों रही। मुख्य हितधारकों से परामर्श किए बिना अचानक रिपोर्ट को कैबिनेट में क्यों लाया गया? अशोक ने इस कदम के पीछे राजनीतिक मकसद भी सुझाए। उन्होंने कांग्रेस के अंदरूनी मतभेदों की ओर इशारा करते हुए पूछा, क्या यह उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के साथ सत्ता-साझाकरण समझौते में देरी करने या उसे टालने का रणनीतिक प्रयास है? क्या जाति जनगणना का इस्तेमाल अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को घेरने के लिए हथियार के रूप में किया जा रहा है? उन्होंने मीडिया में जाति जनगणना के आंकड़ों के कथित लीक होने पर सरकार से सवाल करते हुए और भी गरमाहट बढ़ा दी। क्या यह एक आकस्मिक चूक थी या एक सुनियोजित लीक? उन्होंने समुदायों के प्रति रिपोर्ट के व्यवहार में विसंगतियों की ओर भी इशारा किया। वीरशैव-लिंगायत और वोक्कालिगा समूहों के लिए उप-जातियों को अलग से क्यों सूचीबद्ध किया गया, लेकिन मुस्लिम और ईसाई समुदायों के लिए नहीं? इसका क्या औचित्य है? अशोक ने सीएम सिद्धरामैया से राजनीतिक अहंकार छोड़ने और पारदर्शी, समावेशी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हुए निष्कर्ष निकाला। उन्होंने कहा कर्नाटक की जनता देख रही है। सामाजिक न्याय को राजनीतिक नौटंकी न बनने दें।

जाति जनगणना रिपोर्ट पर चर्चा के लिए विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाया जाए: जारकीहोली

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग और जिला प्रभारी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि वह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट (जाति जनगणना) पर चर्चा के लिए विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह करेंगे, क्योंकि निर्वाचित प्रतिनिधियों सहित लोगों के एक वर्ग में रिपोर्ट को लेकर घबराहट और विरोध है।

उन्होंने कहा चर्चा के लिए तीन से चार दिन का समय निर्धारित किया जाना चाहिए, क्योंकि इस मुद्दे पर चर्चा करने और यदि कोई समस्या है, तो उसका समाधान करने के लिए विधानमंडल सबसे अच्छा मंच है। जारकीहोली ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि जाति जनगणना रिपोर्ट से संबंधित सभी मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए।

इस पर कैबिनेट और जनता में चर्चा होनी चाहिए। रिपोर्ट पर चर्चा के लिए विधानमंडल सबसे अच्छा मंच है और विशेष विधानमंडल सत्र बुलाया जाना चाहिए। सभी के प्रश्नों और सभी शंकाओं का समाधान किया जाना चाहिए। जाति जनगणना रिपोर्ट के संबंध में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार द्वारा वोक्कालिगा समुदाय के विधायकों की बैठक आयोजित करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वोक्कालिगा समुदाय के लगभग 35 विधायक हैं और उनकी चिंताओं पर चर्चा करने के लिए बैठक आयोजित करने में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना रिपोर्ट का कोई राजनीतिक प्रभाव नहीं होगा और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। हमने विभिन्न समुदायों के विधायकों को निर्वाचित होते देखा है, जिनके पास अपने निर्वाचन क्षेत्र में अपने समुदाय के कुछ हजार वोट ही थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और एलिवेटेड कॉरिडोर, पेयजल, राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों, वन और नए उपायुक्त कार्यालय के स्थान से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। जारकीहोली ने कहा हिडकल बांध में पर्याप्त पानी है और यह जून महीने तक पेयजल की जरूरतों को पूरा करेगा।

एलिवेटेड कॉरिडोर के कामों पर भी चर्चा की गई है। जारकीहोली ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उत्तर कर्नाटक क्षेत्र के जिलों की पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयना और उजानी बांधों से पानी छोड़ने के संबंध में सिद्धरामैया द्वारा लिखे गए पत्र का जवाब नहीं दिया है। महाराष्ट्र जल विनिमय चाहता है जिसके लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की आवश्यकता है। लागत 50-50 के आधार पर वहन की जाएगी, जिस पर सरकार के स्तर पर चर्चा की जानी है। राज्य में आवश्यक वस्तुओं और करों की कीमतों में बढ़ोतरी का विरोध करने के लिए बुधवार को भाजपा द्वारा आयोजित जन आक्रोश यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी को भी अपने एजेंडे में शामिल करना चाहिए और केंद्र के खिलाफ भी विरोध करना चाहिए।

ट्रक चालकों की हड़ताल के कारण ट्रकों की आवाजाही रुक गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में ट्रक संचालकों द्वारा सोमवार की मध्य रात्रि से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने के कारण, राष्ट्रीय राजमार्ग 948 (डिंडीगुल-मैसूरु) के सत्यमंगलम-बन्नारी-धिंबम-हसनूर खंड पर चलने वाले विभिन्न जिलों के ट्रक मंगलवार को सड़क से नदारद रहे। हाल ही में डीजल की कीमतों में वृद्धि को वापस लेने और टोल शुल्क में कमी की मांग को लेकर घोषित हड़ताल के कारण माल की आवाजाही ठप हो गई। तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच सब्जियों, फलों, दूध, पोल्ट्री, गन्ना, कृषि और गैर-कृषि उत्पादों, कॉयर और औद्योगिक वस्तुओं से लदे सैकड़ों ट्रक रोजाना उत्पादों का परिवहन करते हैं। इनमें से अधिकांश ट्रक इरोड, तिरुपुरु, कोयंबत्तूर और पड़ोसी जिलों से आते हैं। सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व (एसटीआर) से होकर गुजरने वाले राजमार्ग के 29 किलोमीटर लंबे हिस्से - बन्नारी चेक-पोस्ट से लेकर कर्नाटक सीमा के पास करपल्लम वन चेक-पोस्ट तक - पर आमतौर पर सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे के बीच भारी ट्रकों की आवाजाही होती है। हालांकि, हड़ताल के कारण, आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाली ट्रकों को छोड़कर अधिकांश ट्रक सड़कों से नदारद रहे और सत्यमंगलम और आसपास के इलाकों में सड़कों के किनारे खड़े रहे। ट्रक मालिकों ने कहा कि वे हड़ताल खत्म होने के बाद ही अपने वाहनों में सामान लादना शुरू करेंगे। बन्नारी और करपल्लम में आमतौर पर व्यस्त रहने वाली चेक-पोस्टें सुनसान दिखीं, जहां से केवल निजी वाहन ही गुजर रहे थे। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि करपल्लम चेक-पोस्ट से रोजाना 1,200 से अधिक ट्रक गुजरते हैं - दोनों कर्नाटक और तमिलनाडु में प्रवेश करते हैं। उन्होंने कहा सोमवार को ट्रकों की आवाजाही में 50 प्रतिशत की गिरावट आई और मंगलवार को यह न्यूनतम रही।

सर्वेक्षण में राज्य में मौजूद सभी जातियों को शामिल किया गया है: जयप्रकाश हेगड़े

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जाति जनगणना रिपोर्ट को लेकर बढ़ते भ्रम और विरोधाभासी बयानों के बीच कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश हेगड़े ने स्पष्टीकरण जारी किया है। उन्होंने कहा कि हालांकि 17 अप्रैल को कैबिनेट की चर्चा के बाद ही बयान जारी करने का फैसला किया गया था, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों से चल रही अटकलों और विरोधाभासी टिप्पणियों के कारण स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कुछ लोगों में यह धारणा है कि उनकी जाति को छोड़ दिया गया है, लेकिन सर्वेक्षण में राज्य में मौजूद सभी जातियों को शामिल किया गया है। मैं अभी सटीक संख्या नहीं बता सकता।

जाति विवरण एकत्र नहीं किए जाने के दावों का जवाब देते हुए हेगड़े ने बताया कि लगभग 500 जातियों के पास पूर्ण डेटा नहीं पाया गया। उन्होंने कहा यह कहना गलत है कि जाति सर्वेक्षण नहीं किया गया था। कांताराजू के कार्यकाल के दौरान डेटा संग्रह के लिए एक प्रारूप तैयार किया गया था। कार्यप्रणाली का बचाव करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा इस रिपोर्ट को अवैज्ञानिक कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। इसमें 54 प्रश्न शामिल थे और इसमें सामाजिक और शैक्षणिक दोनों पहलुओं को शामिल किया गया था। यह केवल जाति जनगणना नहीं है – जाति समग्र सर्वेक्षण का केवल एक हिस्सा थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि डेटा घरों से स्व-घोषणाओं पर आधारित था। हमने किसी की जाति निर्धारित नहीं की है। परिवार के सदस्यों द्वारा सर्वेक्षणकर्ताओं को जो बताया गया था, उसे दर्ज किया गया। हेगड़े ने जोर देकर कहा कि रिपोर्ट को सार्वजनिक किए जाने के बाद इस पर चर्चा की जानी चाहिए। यदि कोई त्रुटि है, तो सुधार किया जा सकता है। सरकार ने खुद कहा है कि वह गलतियों को संशोधित करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि 95 प्रतिशत डेटा सटीक है। उन्होंने बिना समीक्षा किए रिपोर्ट को खारिज करने के खिलाफ चेतावनी दी। यह सच नहीं है कि सिद्धरामैया ने खुद बैठकर रिपोर्ट लिखी। डिप्टी कमिश्नरों के नेतृत्व में हर जिले में सर्वेक्षण किए गए। प्रशिक्षित शिक्षकों ने हर गांव में सर्वेक्षण किया। प्रक्रिया की पारदर्शिता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षक की इसमें व्यक्तिगत रुचि नहीं थी, और डेटा को पहले से स्वीकृत प्रारूप का उपयोग करके एकत्र किया गया था। यह कोई निजी तौर पर कमीशन की गई रिपोर्ट नहीं है। कुछ समुदायों की संख्या कम होने की शिकायतों को संबोधित करते हुए, हेगड़े ने स्पष्ट किया कि राज्य के बाहर रहने वाले लोगों की गिनती नहीं की गई थी।

उदाहरण के लिए, कुछ लिंगायतों ने असंतोष व्यक्त किया है। कुछ लोगों ने खुद को लिंगायत के बजाय हिंदू गनीगा के रूप में पहचाना। हमें नहीं पता कि सर्वेक्षण के दौरान किसने क्या कहा, और अधिकारियों के लिए औपचारिक शिकायत के बिना इसे ठीक करना संभव नहीं है। यदि आवश्यक हो, तो उचित प्रक्रियाओं के माध्यम से सुधार किया जा सकता है। हालांकि, अगर रिपोर्ट को लागू नहीं किया जा सकता है, तो दूसरा सर्वेक्षण करने का क्या मतलब है? यह सर्वेक्षण वैज्ञानिक रूप से किया गया था, और इसमें कोई समस्या नहीं है। उन्होंने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की भूमिका को भी समझाया, जिसने रिपोर्ट को सुरक्षित रूप से अपलोड किया। उन्होंने कहा, उन्होंने पासवर्ड किसी के साथ साझा नहीं किया है।

ये सभी अफवाहें निराधार हैं। सार्वजनिक रिलीज से पहले कैबिनेट स्तर की चर्चा का आह्वान करते हुए हेगड़े ने कहा मुझे उम्मीद है कि रिपोर्ट को लागू किया जाएगा। इसे काफी प्रयासों के बाद तैयार किया गया था। जनता के संदेहों को दूर करने के लिए रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। लेकिन पहले कैबिनेट को इस पर विचार-विमर्श करने दें। उन्होंने आगे याद दिलाया कि पहले एक अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी, जिसके कुछ हिस्सों को पिछली सरकार ने स्वीकार कर लिया था। अब वे उस बात को अस्वीकार कर रहे हैं जिसे उन्होंने एक बार मंजूरी दी थी, और निष्क्रियता के लिए सुप्रीम कोर्ट के मामले का हवाला दे रहे हैं। लेकिन समिति का गठन भाजपा सरकार के तहत किया गया था, और अधिकांश सदस्य भाजपा के भीतर से ही चुने गए थे। यह कांग्रेस द्वारा बनाई गई रिपोर्ट नहीं है।

पति की शिकायत के बाद बेंगलूरु मस्जिद के बाहर भीड़ ने महिला पर किया हमला

छह लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के तवारेकेरे में एक मस्जिद के बाहर 38 वर्षीय महिला के साथ क्रूरतापूर्वक मारपीट की गई, जब उसके पति ने घरेलू मुद्दे पर उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

गत 9 अप्रैल को हुई यह घटना कैमरे में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और छह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पीड़िता शबीना बानू, जो एक घरेलू कामगार है, को उसके पति जमील अहमद शमीर की शिकायत के बाद तवारेकेरे की जामा मस्जिद में बुलाया गया था। उसने आरोप लगाया था कि शबीना को उसके रिश्तेदार नसरीन और एक पुरुष परिचित फैयाज के साथ उनके घर पर देखा गया था। तीनों कथित तौर पर 7 अप्रैल को बुक्कबुडी में एक पहाड़ी पर एक छोटी सैर पर गए थे और उसी शाम वापस लौट आए थे। घर लौटने पर और तीनों को एक साथ देखकर शमीर उत्तेजित हो गया और बाद में अपनी चिंताओं के साथ मस्जिद समिति से संपर्क किया। मस्जिद ने तीनों को चर्चा के लिए 9 अप्रैल को बुलाया। हालांकि, मस्जिद के बाहर घटनाओं ने हिंसक रूप ले लिया। कुछ लोगों ने शबीना पर लाठी, पाइप और डंडों से हमला किया और कथित तौर पर पत्थरों से हमला करने की कोशिश की, जो जानलेवा हमला लग रहा था। पूरा घटनाक्रम वीडियो में कैद हो गया, जिससे ऑनलाइन आक्रोश फैल गया और पुलिस को तत्काल हस्तक्षेप करना पड़ा।

शबीना ने 11 अप्रैल को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद नियाज (32), एक ड्राइवर मोहम्मद गौसपीर (45), एक स्क्रैप डीलर चांद बाशा (35), एक गन्ना जूस विक्रेता दस्तगीर (24), एक बाइक मैकेनिक रसूल टी आर (42), बुक्कबुडी झील में एक मछुआरा और इनायत उल्लाह (51), एक स्थानीय निवासी शामिल हैं।

दावणगेरे एसपी उमा प्रशांत के मार्गदर्शन में इंस्पेक्टर रावो के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया, जिसमें अतिरिक्त एसपी संतोष विजय कुमार और मंजूनाथ और चन्नागिरी एएसपी सैम वर्गीस का सहयोग था। सभी छह आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है तथा आगे की जांच जारी है।

मालपे मस्जिद परिसर में नवजात का शव मिला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मालपे जंक्शन के पास एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मस्जिद के परिसर में एक नवजात शिशु का शव मिला। मालपे जंक्शन के पास जामिया मस्जिद के प्रबंधक सुहैल (27) ने मामले की सूचना अधिकारियों को दी। शिकायत के अनुसार, मस्जिद की गतिविधियों से जुड़ी एक दो मंजिला इमारत पास में ही है, और हाल ही में वहां काम करने वाले मजदूरों के इस्तेमाल के लिए इसके बगल में एक शौचालय की सुविधा बनाई गई थी। इसी बीच सोमवार दोपहर करीब 1:10 बजे सुहैल शौचालय में घुसा और अंदर एक नवजात शिशु का शव पड़ा देखकर चौंक गया। शौचालय की दीवार पर खून के धब्बे भी दिखाई दे रहे थे। प्रारंभिक निरीक्षण से पता चलता है कि नवजात शिशु की मृत्यु जन्म से पहले, जन्म के दौरान या जन्म के तुरंत बाद हुई होगी। यह संदेह है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने जन्म को छिपाने के प्रयास में बच्चे के शव को शौचालय में गुप्त रूप से फेंक दिया। मालपे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अपराधियों की पहचान करने तथा घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

उडुपी जिले में अचानक आए तूफान और भारी बारिश से भारी नुकसान

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिले के कई इलाकों में अचानक तेज हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। अचानक तेज हवाएं चलने से लोगों में दहशत फैल गई, सड़कों पर धूल के बादल छा गए और यातायात ठप हो गया। हवाओं की तीव्रता के कारण छत की चादरें सड़कों पर उड़ती देखी गईं।

भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान ने करकला, मणिपाल, हिरियादका, उडुपी शहर और ब्रह्मवर सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित किया। जिन इलाकों में हवाएं विशेष रूप से तेज थीं, वहां बिजली आपूर्ति बाधित हुई। तेज हवाओं के तुरंत बाद बारिश शुरू हो गई। कोप्पल के पास इंदिरा सेरीगार्थी में एक दुखद घटना में, तूफान के कारण सीमेंट की चादरें और बिजली के खंभे और तार टूटकर एक घर को भारी नुकसान पहुंचा। अनुमानित नुकसान लगभग 3 लाख रुपये बताया गया है। उडुपी के मूडुबेट्टू में एक बड़ा पेड़ गिर गया और तीन घरों को नुकसान पहुंचा।

कडियाली में एक और घटना हुई, जहां एक बड़ा पीपल का पेड़ एक घर पर गिर गया, जिससे वहां रहने वाले दंपत्ति राघवेंद्र भट और उनकी पत्नी नीरजा घायल हो गए। उनका घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

उडुपी विधायक यशपाल सुवर्णा और कांग्रेस नेता प्रसाद राज कंचन ने मूडुबेट्टू और कडियाली के प्रभावित इलाकों का दौरा किया। विधायक ने अधिकारियों को पीड़ितों को अधिकतम मुआवजा देने और उनके लिए अस्थायी व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उडुपी शहर भर में कई फ्लेक्स होर्डिंग और बैनर फाड़ दिए गए। मणिपाल और शहर के बस स्टैंड पर तेज हवाओं के कारण फ्लेक्स बैनर और पोल पूरी तरह उखड़ गए।

कर्नाटक में जाति जनगणना रिपोर्ट के क्रियान्वयन का वोक्कालिगा संगठन ने किया विरोध

10 साल पुराने सर्वेक्षण की प्रासंगिकता पर उठाए सवाल

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सामाजिक आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण, जिसे जाति जनगणना के नाम से जाना जाता है, को 'अवैज्ञानिक' दस्तावेज बताते हुए बेंगलूरु उत्तर तालुक वोक्कालिगा संघ ने कर्नाटक सरकार द्वारा जाति जनगणना रिपोर्ट के क्रियान्वयन का विरोध किया है। यहां मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बेंगलूरु उत्तर तालुक वोक्कालिगा संघ की प्रचार समिति के अध्यक्ष एम. एन. पिलप्पा ने कर्नाटक सरकार को रिपोर्ट को 'जल्दबाजी' में लागू करने के खिलाफ आगाह किया, क्योंकि इसमें बहुत सारी खामियां हैं। चूंकि सर्वेक्षण 2015 में किया गया था और पिछले 10 वर्षों में बहुत सारे आर्थिक और सामाजिक बदलाव हुए हैं, इसलिए उन्होंने कहा कि कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष एच. कांताराजू द्वारा तैयार की गई जाति जनगणना रिपोर्ट अब प्रासंगिक नहीं है। उन्होंने कहा कि इस विशाल रिपोर्ट की विषय-वस्तु को पढ़ने, अध्ययन करने और पूरी तरह से समझने के लिए बहुत समय की आवश्यकता है, जिसे इसके कमीशन होने के 10 साल बाद हाल ही में स्वीकार किया गया है। उन्होंने कहा कि वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के नेताओं के अलावा, विशेषज्ञों ने भी कर्नाटक सरकार को 'पुरानी' रिपोर्ट को स्वीकार करने के खिलाफ चेतावनी दी थी। उन्होंने राज्य सरकार से एक नया सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण कराने का आग्रह किया।

अंबेडकर की यात्रा के शताब्दी समारोह को रोकने के लिए नकली गांधी ने साजिश रची: प्रहलाद जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने रविवार शाम को आरोप लगाया कि कर्नाटक के निप्पानी शहर में बी आर अंबेडकर की यात्रा के शताब्दी समारोह को रोकने के लिए नकली गांधी ने साजिश रची। यहां भाजपा द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम 'भीम हेज्जे शताब्दी समारोह' में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री जोशी ने कांग्रेस आलाकमान पर राज्य सरकार को अंबेडकर के सम्मान में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को रोकने का निर्देश देने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने मांग की कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मंत्री प्रियांक खड़गे दलित समुदाय से कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा भीम हेज्जे शताब्दी समारोह मनाने में विफलता के लिए माफी मांगें। उन्होंने कहा यह चूक किसी दबाव के कारण हुई होगी। इसके लिए, उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए और आश्वासन देना चाहिए कि आगे चलकर वे बिना किसी कमी के अंबेडकर के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने मल्लिकार्जुन खड़गे से आग्रह किया कि वे अंबेडकर द्वारा रचित संविधान और उनके अद्वितीय योगदान और बलिदान का सम्मान न करने के लिए राष्ट्र की ओर से माफी मांगें। उन्होंने सलाह दी कि कांग्रेस अध्यक्ष को सभी कांग्रेस नीत सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश जारी करने चाहिए कि अंबेडकर से संबंधित कार्यक्रम उचित सम्मान के साथ मनाए जाएं। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष हैं, लेकिन कांग्रेस में उनके शब्दों का कोई महत्व नहीं है, क्योंकि कांग्रेस में 'नकली गांधी' का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार में भी यही स्थिति है। केंद्रीय मंत्री जोशी ने दोहराया कि राज्य को सबसे पहले भीम हेज्जे की शताब्दी न मनाने के लिए समुदाय से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनडीए सरकार ने दीक्षा भूमि का विकास किया, जहां अंबेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाया था, न कि कांग्रेस ने, जो कि, उनके अनुसार, नकली गांधीवादियों से भरी हुई है। उन्होंने मंत्री प्रियांक खड़गे की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने खुद को भारत रत्न से सम्मानित घोषित किया, लेकिन अंबेडकर को कभी यह सम्मान नहीं दिया। उन्होंने पूछा उन्होंने दिल्ली में अंबेडकर स्मारक के लिए जमीन भी आवंटित नहीं की। क्या कांग्रेस नेताओं को शर्म नहीं आती? उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने महात्मा गांधी की बेलगावी में शताब्दी यात्रा का जश्न मनाया। यह जनता के पैसे से वित्तपोषित कांग्रेस पार्टी की सभा की तरह लग रहा था। फिर भी, यह अच्छा था कि उन्हें गांधी की यात्रा याद थी। लेकिन वही बेलगावी जिला, जहां अंबेडकर सौ साल पहले निप्पानी गए थे, वहां ऐसा कोई स्मरणोत्सव नहीं हुआ – नकली गांधीवादी आख्यानों के प्रभाव के कारण।

पार्क में अंतरधार्मिक दोस्ती को लेकर जोड़े को परेशान किया गया, जबरन बुर्का मांगा गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में नैतिक पुलिसिंग के एक परेशान करने वाले मामले में, एक युवा मुस्लिम महिला को एक सार्वजनिक पार्क में हिंदू युवक के साथ होने के कारण पुरुषों के एक समूह द्वारा परेशान किया गया। मंगलवार को सोशल मीडिया पर टकराव का एक वीडियो वायरल होने के बाद यह घटना प्रकाश में आई। दो मिनट के वीडियो में पुरुषों का एक समूह दोनों के पास आता है और महिला से दूसरे धर्म के व्यक्ति के साथ बैठने के कारण बहस करता है। घटना को रिकॉर्ड करने वाला एक व्यक्ति आक्रामक तरीके से मांग करता है कि महिला अपना बुर्का उतार दे, यह दावा करते हुए कि उसने उनके समुदाय को शर्मसार किया है। उस व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है, यदि आप इस तरह से व्यवहार करना चाहती हैं, तो बुर्का न पहनें, और आगे मांग करते हुए कहता है, मुझे मेरा बुर्का दो। जब महिला अपने दोस्त के साथ जाने की कोशिश करती है, तो समूह उसका पीछा करना और उसे परेशान करना जारी रखता है। उसके बार-बार अकेले रहने की विनती करने के बावजूद, पुरुष उसे परेशान करना जारी रखते हैं और जोर देते हैं कि वह अपना नाम बताए। उनमें से एक कहता है, तुम नरक में जाओ, लेकिन पहले बुर्का उतारो। वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि महिला अपने दोस्त के पीछे छिपने की कोशिश कर रही है, क्योंकि समूह और भी ज्यादा आक्रामक हो गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना चंद्र लेआउट पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत हुई। महिला अपने दोस्त के साथ एक पार्क के सामने दोपहिया वाहन पर बैठी थी, तभी समूह उनके पास आया और उसकी मौजूदगी पर सवाल उठाने लगा। युवती की शिकायत के आधार पर, चंद्र लेआउट पुलिस ने एक नाबालिग सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। डीसीपी (पश्चिम) एस गिरीश ने कहा आरोपियों ने उससे उसकी पहचान, उसके परिवार और उसके वहां होने के कारण के बारे में पूछा। उन्होंने उसे दूसरे धर्म के व्यक्ति से बात करने के लिए डराने की भी कोशिश की। पुलिस ने कहा कि महिला ने समूह के सामने बहादुरी से खड़ी होकर उन्हें बताया कि वह व्यक्ति उसका सहपाठी था और उसने अपने परिवार की संपर्क जानकारी साझा करने से दृढ़ता से इनकार कर दिया। उसके परिवार ने बाद में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। वीडियो ने सोशल मीडिया पर आक्रोश पैदा कर दिया है, जिसमें कई लोगों ने नैतिक पुलिसिंग की घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पुष्टि की है कि जांच चल रही है तथा वे वीडियो के सभी पहलुओं तथा इसमें शामिल लोगों के बयानों की पुष्टि कर रहे हैं।

पुंछ में आतंकियों से मुठभेड़ में सेना का जवान जख्मी

जम्मू, 15 अप्रैल (ब्यूरो)। पुंछ जिले के सुरनकोट के लसाना इलाके में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। सोमवार रात को आतंकियों की खबर मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान आतंकियों ने सेना के जवानों पर फायरिंग की, जिसमें रोमियो फोर्स का एक जवान घायल हो गया। मुठभेड़ पुंछ को जम्मू से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे के पास हुई। जानकारी के लिए पिछले एक महीने से जम्मू संभाग पूरी तरह से इसलिए गर्माया हुआ है क्योंकि उसके दस जिलों में आतंकियों के देखे जाने, उनसे मुठभेड़ों और उनकी मौतों का सिलसिला रुक नहीं पा रहा है।

भारतीय सेना ने एक बयान में बताया कि ऑपरेशन लसाना के तहत, जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ तालमेल बिठाते हुए, जवानों ने लसाना इलाके में आतंकियों के खिलाफ एक संयुक्त अभियान चलाया है।

सेना ने बताया कि कल रात आतंकियों के साथ संपर्क स्थापित किया गया था, और इस अभियान में अतिरिक्त सैनिकों की मदद भी ली गई। अधिकारियों ने कहा कि गोलीबारी में एक सेना का जवान घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसका इलाज चल रहा है। सेना ने कहा है कि और सैनिकों को मौके पर भेजा गया है। आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए तलाशी अभियान जारी है। जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने एक्स पर पोस्ट किया कि कल रात लसाना, सुरनकोट में पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादियों से सम्पर्क हुआ। अतिरिक्त सैनिकों को शामिल किया गया है, और आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि ऑपरेशन लसाना के तहत सुरनकोट के लसाना इलाके में कल रात पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान आतंकियों से मुठभेड़ हुई। इलाके में और जवान भेजे गए हैं और तलाशी अभियान जारी है ताकि कोई भी आतंकी भाग न सके। देर रात लसान क्षेत्र में सेना की एक टोह (गश्ती) पार्टी अपनी ड्यूटी पर थी।

इसी दौरान कुछ संदिग्ध आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए गोलीबारी शुरू की। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद संदिग्ध आतंकी जंगल की ओर भाग गए। इस मुठभेड़ में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। घटना के बाद सेना और पुलिस ने मिलकर पूरे इलाके को घेर लिया है। संदिग्ध आतंकियों की तलाश के लिए जंगल और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय लोगों को भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत सुरक्षा बलों को देने के लिए कहा गया है।

इस घटना के बाद पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। सेना और पुलिस के जवान राजमार्ग पर आने-जाने वाले सभी वाहनों की गहन जांच कर रहे हैं।

वाहनों में सवार लोगों की पहचान और सामान की तलाशी की जा रही है। इससे राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात धीमा रहा, लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। जानकारी के लिए पिछले हफ्ते, किश्तवाड़ जिले में तीन दिन चले आतंकवाद विरोधी अभियान में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। सुरक्षाबलों ने बताया कि मारे गए तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों में जैश-ए-मोहम्मद का एक बड़ा कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था। उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोलियां बरामद की गईं। इसके अलावा, 23 मार्च को कठुआ जिले के सान्याल गांव में पांच आतंकवादियों का एक समूह देखा गया था। यह गांव अंतरराष्ट्रीय सीमा से सिर्फ 4 किलोमीटर दूर है। माना जा रहा है कि ये आतंकी हाल ही में पाकिस्तान से घुसपैठ करके आए थे।

बीते दिनों, किश्तवाड़ के छत्रू इलाके में हुई एक मुठभेड़ में भारतीय सेना ने तीन आतंकवादियों को मार गिराया. मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकियों से एक अमेरिकी एम4 कार्बाइन असॉल्ट राइफल और अन्य हथियार बरामद किए गए थे. इनमें एक एम4 राइफल, दो एके-47 राइफलें, 11 मैगजीन, 65 एम4 गोलियां और 56 एके-47 गोलियां शामिल थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने बाल तस्करी मामले में ढीले रवैये पर की उप्र सरकार की खिंचाई

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बाल तस्करी मामलों से निपटने में उत्तर प्रदेश सरकार के ढीले रवैये की आलोचना करते हुए देशभर में ऐसे अपराधों की रोकथाम और त्वरित सुनवाई के लिए मंगलवार को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने सभी उच्च न्यायालय को निर्देश दिया कि वे संबंधित निचली अदालतों में लंबित बाल तस्करी के मामलों की स्थिति के बारे में जानकारी लें। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी करें कि संबंधित निचली अदालत छह महीने के भीतर मामले का निपटारा करे।

शीर्ष अदालत ने यह भी आदेश दिया कि न्याय में देरी को रोकने के लिए ऐसे मामलों की दिन-प्रतिदिन सुनवाई की जाए।

शीर्ष अदालत ने यह कड़ी टिप्पणी तस्करी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, जिसमें कथित तौर पर उत्तर प्रदेश में एक दंपती को चार लाख रुपये में बच्चा बेचा गया था। दंपती कथित तौर पर एक लड़के की चाहत रखते थे और उन्होंने जानबूझकर चुराए गए बच्चे को स्वीकार कर लिया।

शीर्ष अदालत ने आरोपी को दी गई अग्रिम जमानत को रद्द करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उत्तर प्रदेश पुलिस की उनके ढीले रवैये के लिए आलोचना की।

पीठ की ओर से न्यायमूर्ति पारदीवाला ने टिप्पणी की, यह अग्रिम जमानत रद्द करने का मामला है, लेकिन हमने बाल तस्करी के बड़े मुद्दे पर गहनता से विचार किया।

उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा भारतीय विकास संस्थान को सौंपे गए 2023 के अध्ययन का हवाला देते हुए कहा, कई सिफारिशों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी, जिसे हमने अपने फैसले में शामिल किया है।

न्यायमूर्ति पारदीवाला आगे कहा, हम फैसला सुनाने ही वाले थे कि एक समाचार पत्र (द टाइम्स ऑफ इंडिया) ने 'जन्म के समय चुराया गया और लाखों में बेचा गया' शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की। हमने अपने फैसले में पूरा लेख फिर से प्रस्तुत किया है। पीठ ने विशेष रूप से उच्च न्यायालय द्वारा जमानत के आ-वेदनों से निपटने के तरीके की आलोचना की।

न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा, उच्च न्यायालय ने मामले को बहुत ही लापरवाही से निपटाया, जिसके कारण कई आरोपी फरार हो गए। ये लोग समाज के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

उन्होंने कहा कि कम से कम उच्च न्यायालय को एक शर्त लगानी चाहिए थी कि आरोपी हर हफ्ते पुलिस के सामने पेश हो।

उत्तर प्रदेश सरकार की निष्क्रियता पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, न्यायमूर्ति पारदीवाला ने टिप्पणी की, हम इस बात से पूरी तरह निराश हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले को कैसे निपटाया। कोई अपील नहीं की गई। अधिकारियों की कार्रवाई में मामले की गंभीरता नहीं दिखाई गई। आरोपी को स्पष्ट रूप से पता था कि बच्चा चोरी का था और फिर भी उसने उसे पाने के लिए चार लाख रुपये का भुगतान किया।

न्यायालय के निर्देशों और टिप्पणियों से उम्मीद है कि जांच और न्यायिक कार्यवाही दोनों के संदर्भ में बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके में देश भर में बदलाव आएगा।

वक्फ कानून पर पाकिस्तान की टिप्पणी को खारिज किया भारत ने

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने नये वक्फ कानून को लेकर पाकिस्तान की टिप्पणियों को मंगलवार को दृढ़ता से खारिज कर दिया और उसे नसीहत दी कि वह अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर स्वयं के रिकॉर्ड को देखे।

वक्फ कानून पर पाकिस्तान की टिप्पणियों के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा,हम भारत की संसद द्वारा अधिनियमित वक्फ संशोधन अधिनियम पर पाकिस्तान द्वारा की गई प्रेरित और आधारहीन टिप्पणियों को दृढ़ता से खारिज करते हैं।

श्री जायसवाल ने कहा,पाकिस्तान के पास भारत के आंतरिक मामले पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। पाकिस्तान के लिए बेहतर होगा कि जब अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने की बात आती है तो वह दूसरों को प्रचार करने के बजाय अपने स्वयं के रिकॉर्ड को देखे।

कटड़ा-श्रीनगर रूटपर अभी एक ही ट्रेन चलेगी

उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

जम्मू, 15 अप्रैल (ब्यूरो)। कश्मीर को रेल के रास्ते देशभर से जोड़ने की कवायद के बीच यह खबर निराश करने वाली हो सकती है कि शुरुआत में इस रूट पर एक ही ट्रेन चलेगी, जिससे यात्री तीन घंटे से कुछ ज्यादा समय में यह दूरी तय कर सकेंगे। फिलहाल इसमें 6 से 7 घंटे लगते हैं। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल यानि शनिवार को करने वाले हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 19 अप्रैल को कटड़ा आगमन के मद्देनजर रियासी, माहौर, कटड़ा और बनिहाल समेत प्रदेश के विभिन्न भागों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कटड़ा से बनिहाल तक रेलवे लाइन पर सुरक्षाबलों की गश्त बढ़ाने के साथ ही ड्रोन और सीसीटीवी से भी नजर रखी जा रही है। चिनाब पुल और उसके आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। इस बीच, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने सोमवार को एक उच्चस्-तरीय बैठक में प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर किए जा रहे सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया।

इस रेल मार्ग पर फिलहाल सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक से होकर गुजरेगी। उत्तरी रेलवे जोन द्वारा संचालित और रखरखाव की जाने वाली यह ट्रेन एक ऐसे रूट को कवर करेगी जो बेहद खूबसूरत है, जिसमें सुरंगें और पुल हैं जो पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरते हैं। 272 किलोमीटर इस रूट में 36 प्रमुख सुरंगें हैं जो करीब 119 किलोमीटर तक फैली हैं। इनमें कई महत्वपूर्ण सुरंगें भी हैं। जिनमें सुरंग टी-50 (12.77 किलोमीटर) भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग है जो सुंबर और खारी को जोड़ती है, जो नई सुरंग विधि का उपयोग करके कठोर चट्टानों को काटती है।

इसमें आपात स्थिति के लिए एक समानांतर एस्केप टनल शामिल है और इसे खुदाई में तेजी लाने के लिए तीन एक्सेस पाइंट (एडिट) की मदद से बनाया गया था। जबकि सुरंग टी-80 (11.2 किमी) बनिहाल और काजीगुंड के बीच पीर पंजाल रेंज के नीचे बनाई गई यह सुरंग बर्फ से ढके पहाड़ी दर्रों को पार करते हुए कश्मीर से हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित करती है। इसी तरह से सुरंग टी-34 (5.099 किमी) पाई-खड्ड और अंजी खड्ड के बीच चलने वाली यह दोहरी ट्यूब सुरंग भारत के पहले केबल-स्टेड रेलवे पुल अंजी खड़ पुल से जुड़ती है।

जानकारी के लिए सुरंग टी-33 (3.2 किमी) त्रिकुटा पहाड़ियों के नीचे निर्मित है। इसने कई भूवैज्ञानिक चुनौतियों का सामना किया और 2023 में उन्नत आई-सिस्टम सुरंग तकनीक का उपयोग करके सफलतापूर्वक पूरा किया गया। जबकि सुरंग टी-23 (3.15 किमी) और सुरंग टी-1 (3.209 किमी) को अस्थिर चट्टान की स्थिति और उच्च जल प्रवेश को नेविगेट करने के लिए उच्च-सटीक हस्तक्षेप की आवश्यकता थी। इसी तरह से सुरंग टी-25 (3 किमी) को भूमिगत जलधारा की खोज के कारण निर्माण में छह साल लग गए, जिससे सुरंग इंजीनियरिंग की सीमाएं बढ़ गईं।

पिछले दो महीनों में, इस रेल खंड के विभिन्न खंडों पर ट्रायल रन किए गए हैं, जिसमें चिनाब और अंजी खड्ड पुल जैसी प्रतिष्ठित संरचनाएं भी शामिल हैं। कश्मीर को रेल से जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना 1997 में शुरू हुई और इसने कई भूवैज्ञानिक, स्थलाकृतिक और मौसम संबंधी चुनौतियों को पार किया, जिससे कई समय सीमाएं चूक गईं। इंजीनियरिंग की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक चिनाब ब्रिज का निर्माण था, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है जिसकी ऊंचाई 359 मीटर है, जो एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा है। भूकंप-प्रवण क्षेत्र के कारण पुल की नींव एक बड़ी चुनौती थी। इंजीनियरों ने इसे 8 तीव्रता तक के भूकंपों को झेलने के लिए संरचनात्मक मजबूती देने के लिए राक बोल्टिंग विधि और 30,000 टन से अधिक स्टील का इस्तेमाल किया।

जानकारी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को पहले उधमपुर पहुंचेंगे और वहां से वह हेलीकाप्टर में सवार होकर उधमपुर-कटड़ा-बनिहाल रेलवे लाइन के विभिन्न हिस्सों का आसमान से अवलोकन करेंगे। वह चिनाब पुल पर भी कुछ समय बिताएंगे और उसके बाद कटड़ा रेलवे स्टेशन से वंदे भारत रेलगाड़ी को झंडी दिखाएंगे। इसके बाद वह कटड़ा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। संबधित अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के मद्देनजर पूरे प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सीमावर्ती इलाकों में विशेष चौकसी बरती जा रही है। श्रीनगर-जम्मू और जम्मू-कटड़ा-माहौर सड़क मार्ग पर भी सुरक्षाबलों की गश्त बढ़ा दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दायर विभिन्न याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई होगी। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के लोगों तथा राजनीतिक दलों द्वारा इस अधिनियम के विरुद्ध न्यायालय में 12 से अधिक याचिकाएं दायर की गई हैं जिनमें इस अधिनियम को संविधान के विरुद्ध और एक खास संप्रदाय के प्रति भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे निरस्त किए जाने का अनुरोध किया गया है।

न्यायालय ने इन याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुनवाई करने का निश्चय किया। वक्फ संशोधन अधिनियम को संसद के बजट सत्र में मैराथन चर्चाओं के बाद पारित किया गया। राष्ट्रपति ने इस विधेयक पर मुहर लगा दी जिसके बाद ही यह देश का कानून बन गया है।

इसके खिलाफ दायर याचिकाकर्ताओं में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, तृणमूल कांग्रेस की लोक सभा सदस्य महुआ मोइत्रा, अभिनेता से नेता बने तमिलगा वेत्री कझगम के अध्यक्ष विजय और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी जैसे व्यक्ति और संगठन भी शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि यह कानून वक्फ संस्थानों की स्वायत्तता को गंभीर रूप से कमजोर करता है और इससे मुस्लिम बंदोबस्त पर सरकार का नियंत्रण बहुत बढ़ गया है।

वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने भी इस कानून के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। इस कानून का विरोध करने वाले प्राय: सभी याचिकाकर्ताओं ने इसे अनुच्छेद 14, 25 और 26 का उल्लंघन करने वाला बताते हुए नए संशोधनों को रद्द करने की मांग की है।

कानून का समर्थन कर रहे संगठनों और सरकारों ने इस कानून के समर्थन में कानूनी पेशबंदी की है। राजस्थान, असम और महाराष्ट्र ने वक्फ कानून में नए संशोधनों को प्रशासनिक पारदर्शिता और विनियमन के लिए जरूरी बताते हुए इस मामले में न्यायालय की कार्यवाही में पक्ष रखने की अनुमति मांगी है।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मामले में मुख्य याचिकाकर्ता और श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने भी संशोधित कानून का पुरजोर समर्थन किया है। इसी तरह, कृष्ण जन्मभूमि मुकदमे में एक अन्य प्रमुख व्यक्ति अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने भी न्यायालय में उतरने की तैयारी में हैं ।

कश्मीर आतंकी साजिश मामले में पाकिस्तानी हैंडलर समेत तीन के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में हथियार और गोला-बारूद जब्त करने से जुड़े आतंकी साजिश मामले में एक पाकिस्तानी हैंडलर समेत तीन आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है।

एनआईए के अनुसार आरोपियों की पहचान अब्दुल अजीज, मुनव्वर हुसैन और नजीर हुसैन, नजीर अहमद और अली खान के रूप में की गयी है। उन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2), 2023 के साथ संशोधित यूए(पी) अधिनियम 1967 की धारा 13, 17, 18, 20, 23 और 38 और शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 3/25 के तहत आरोप लगाए गए हैं।

नजीर हुसैन, जो अभी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सक्रिय है, प्रतिबंधित जम्मू और कश्मीर गजनवी फोर्स (जेकेजीएफ) आतंकवादी संगठन का एक कार्यकर्ता है।

एनआईए जांच के अनुसार, वह क्षेत्र में आतंकवादी कृत्यों और गतिविधियों को अंजाम देने के लिए विभिन्न प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके सहयोगियों द्वारा रची गई बड़ी साजिश के तहत कश्मीर के कमजोर लोगों को हिंसा के कृत्यों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में शामिल था। नजीर आतंकी संगठनों के स्थानीय समर्थकों के साथ भड़काऊ ऑडियो क्लिप और वीडियो नोट साझा करता था, उन्हें जिहाद करने और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए उकसाता था। उसने लोगों में आतंक फैलाने की कोशिश कर रहे आतंकवादी संगठनों के हिंसक एजेंडे को अंजाम देने के लिए उन्हें हथियार, गोला-बारूद और हथगोले आदि भी मुहैया कराए।

पीढ़ियों में राष्ट्र एवं राष्ट्र नायकों के प्रति कृतज्ञता का भाव जरूरी: योगी

निर्माणाधीन राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर भव्य म्यूजियम का खाका तैयार

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश की भावी पीढ़ियों में राष्ट्र एवं राष्ट्र नायकों के प्रति कृतज्ञता के भाव का संचार करने के लिए सार्थक प्रयास कर रही है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने बसंत कुंज योजना सेक्टर-जे में निर्माणाधीन राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर भव्य म्यूजियम के निर्माण का खाका तैयार कर लिया है। योजना के अनुसार, म्यूजियम में श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर प्रेरणा गैलरी होगी जो इनके जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को जानने का माध्यम बनेगी। इसके अतिरिक्त, म्यूजियम में होलोग्राफिक थिएटर व ऑडियो वीजुअल हॉल का भी निर्माण होगा। वहीं, 3डी प्रोजेक्ट मैपिंग व लाइट एंड साउंड शो का होगा संचालन। म्यूजियम में विभिन्न थीम युक्त कलाकृतियों की स्थापना भी होगी जो इसे आकर्षक रूप प्रदान करेगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार की गई रूपरेखा के अनुसार, राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर बनने वाले म्यूजियम को आधुनिक तकनीक के साथ ही पुरातन विरासतों से समृद्ध किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल को भारतीय राजनीति के तीन महान नेताओं अटल बिहारी वाजपेयी, दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति में स्मारक के तौर पर थीम पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य तीनों नेताओं की जीवनी पर प्रकाश डालने के साथ ही यह बड़ी सभाएं (जैसे सार्वजनिक रैली, लखनऊ महोत्सव) तथा योग, ध्यान सत्र जैसी सामूहिक गतिविधियां व अन्य सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक समारोह का आयोजन हो सकेगा।

पार्क का एक प्रमुख आकर्षण तीनों नेत-ाओं को समर्पित संग्रहालय होगा। यह तीनों नेताओं के जीवन और उपलब्धियों के बारे में जनता को आकर्षक प्रदर्शनियों, संवादात्मक प्रदर्शनों और शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से अवगत कराएगा। संग्रहालय प्रेरणा के एक प्रकाश स्तंभ के रूप में कार्य करेगा जो आगंतुकों को सार्वजनिक सेवा, नेतृत्व और नागरिक जिम्मेदारी के स्थायी मूल्यों के प्रति प्रेरित करेगा। परियोजना के अंतर्गत एलडीए द्वारा म्यूजियम को 5 जोन के अंतर्गत विकसित किया जाएगा। इसमें जोन-1 आगमन गैलरी, जोन-2 कॉरीडोर डिस्प्ले एरिया, जोन-3 डिजिटल डिस्प्ले गैलरी, जोन-4 आउटडोर डिस्प्ले गैलरी, तथा जोन-5 में तीन गैलरी का निर्माण होगा जो कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित होंगी। यहां विभिन्न प्रकार के आर्ट इंस्टॉलेशन के लिए इतिहासकारों तथा एक्सपर्ट्स की राय ली जाएगी। इसके अतिरिक्त, म्यूजियम में अत्याधुनिक होलोग्राफिक थिएटर व ऑडियो वीजुअल हॉल का निर्माण होगा जहां 3डी प्रोजेक्ट मैपिंग व लाइट एंड साउंड शो का संचालन होगा। इसके जरिए भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न पहलुओं को जीवंत तरीके से दर्शाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर म्यूजियम के निर्माण व विकास के लिए 65 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई थी। इसमें से 35.30 करोड़ की लागत से म्यूजियम के निर्माण व विकास का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस मद में योगी सरकार द्वारा पहली किस्त के तौर पर 22.55 करोड़ रुपए की पहली किस्त भी कुछ दिनों पहले जारी की जा चुकी है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बंगाल में दंगाइयों के उत्पात पर जमकर बरसे सीएम योगी

ममता ने दंगाइयों को दे रखी है छूट

स्वतंत्रता सेनानी राजा नरपति सिंह रैकवार को सीएम ने दी पुष्पांजलि

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 2017 के पहले का उत्तर प्रदेश ऐसा था कि जिसमें हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था। इन दंगाइयों का उपचार डंडा है। बिना डंडे के ये मानेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि आप देख रहे हैं कि बंगाल जल रहा है। वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं। वे दंगाइयों को शांति दूत कहते हैं, लेकिन वे बातों से कहां मानने वाले हैं? सेकुलरिज्म के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगा करने की पूरी छूट दे रखी है। पूरा मुर्शिदाबाद एक सप्ताह से जल रहा है और सरकार मौन है। मुख्यमंत्री ने इन घटनाओं पर सख्त लगाम लगाने की बात करते हुए वहां के माननीय न्यायालय का धन्यवाद दिया, जिन्होंने केंद्रीय बलों को भेजकर अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरदोई में 650 करोड़ रुपए की 729 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण तथा शिलान्यास के दौरान ये बातें कहीं। सीएम 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी, राजा नरपति सिंह रैकवार के विजय दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। ग्रामसभा रोइया, रूदामऊ, माधौगंज, बिलग्राम हरदोई में आयोजित इस कार्यक्रम में विकास, सुरक्षा और विरासत तीनों की झलक एक साथ देखने को मिली।

मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, याद करिए 2017 के पहले का उत्तर प्रदेश हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था। इन दंगाइयों का उपचार ही डंडा है। बिना डंडे के ये लोग मानेंगे नहीं। आप देख रहे हैं कि बंगाल जल रहा है। वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं, दंगाइयों को वह शांति दूत कहती हैं। विपक्ष के मौन पर मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस मौन है, समाजवादी पार्टी मौन है, टीएमसी मौन है। धमकी पर धमकी दिए जा रहे हैं, जो बांग्लादेश में हुआ था उसका समर्थन कर रहे हैं। जिसे बांग्लादेश अच्छा लगता है तो उन्हें बांग्लादेश चले जाना चाहिए। क्यों भारत की धरती पर बोझ बने हैं?

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी, राजा नरपति सिंह के विजय दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सीएम ने इस ऐतिहासिक स्मारक के महत्त्व का उल्लेख किया। साथ ही राजा नरपति सिंह रैकवार की भूमि और किले के उल्लेख पर खास जोर दिया, जो आस-पास के जिलों में विख्यात है। उन्होंने स्मारक के लिए केंद्रीय मंत्री और उस समय के मुख्यमंत्री रहे राजनाथ सिंह का भी विशेष रूप से आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्मारक आधुनिक भारत का तीर्थ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे हरदोई जनपद को आधुनिक भारत के रूप में ढालने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने दुनिया की एक महाशक्ति के रूप में अपनी छाप छोड़ी है। भारत पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले कुछ वर्षों में दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा। भारत से बड़ी केवल दो ही अर्थव्यवस्था रहेगी। एक अमेरिका की और दूसरा चीन की। यह संदेश हर भारतवासी के लिए गौरव का पल है और देश के अंदर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, हाईवे, रेलवे, एयरपोर्ट, मेट्रो, बेहतर सुरक्षा एवं निवेश के अवसरों के निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को को गति देता है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम आभारी हैं कि उन्होंने वक्फ संशोधन अधिनियम को पारित करके गरीबों की जमीनों पर पड़ने वाली डकैती पर लगाम लगाने का काम किया है। इस कानून के तहत वह जमीन वापस आने के बाद हॉस्पिटल, गरीबों के मकान, हाईराइज बिल्डिंग, विश्वविद्यालय और स्कूल बनेंगे। साथ ही निवेश के लिए लैंड बैंक तैयार होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अब किसी को जमीन पर कब्जा करके गुंडागर्दी करने की छूट नहीं मिलेगी। इससे पहले जो जमीन के नाम पर लूट थी, वह रुकने वाली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो जनता को बेवकूफ बनाने और आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं उनसे सावधान रहने की जरूरत है। हमें बाबा साहब अंबेडकर के बनाए गए संविधान पर विश्वास करना है। हमें विकास की प्रक्रिया से जुड़ना है। सीएम ने कहा कि 75 वर्षों तक सत्ता पर काबिज रहीं सरकारें गरीबों को आवास, शौचालय जैसी मूल सुविधाएं नहीं दे पाईं, वहीं अब उत्तर प्रदेश में 10 करोड़ लोग आयुष्मान कार्ड का लाभ उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत की परिकल्पना पेश की है। 2047 में भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि यह सपना आजादी के सेनानियों का था। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद, ठाकुर रौशन सिंह, अशफाक उल्ला खान जिन्होंने हमेशा भारत माता के विकास के लिए संघर्ष किया।

मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि जिस रोडमैप के तहत डबल इंजन सरकार कार्य कर रही है उसका उद्देश्य अंतिम पायदान तक हर व्यक्ति तक विकास की योजन-ाओं को पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि आवास, शौचालय, आयुष्मान, रोजगार की व्यवस्था अब विकास के साथ-साथ जारी रहेंगी। सरकार यह भी व्यवस्था करने जा रही है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले प्रत्येक परिवार को सभी सुविधा मिलेंगी। हर परिवार के सदस्य को नौकरी और रोजगार से जोड़ने का काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि देश के संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में पूरा देश एक अमृत महोत्सव के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान का महत्व बताते हुए कहा, उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूर्व से पश्चिम तक 140 करोड़ भारतीय, एक भारत श्रेष्ठ भारत के निर्माण के साथ विकसित भारत की परिकल्पना को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम देश को एकजुट होने और लड़ने के लिए एक नया उत्साह प्रदान करने वाला अनुभव था। मंगल पांडे, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, बिठूर में नाना राव पेशवा तथा गोरखपुर के बंधु सिंह सभी ने अपने-अपने मोर्चों पर अंग्रेजों का मुकाबला किया। वहीं गोरखपुर में बंधु सिंह को अंग्रेज परास्त नहीं कर पाए।

विकास के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि, हरदोई में मेडिकल कॉलेज चालू हो चुका है। नर्सिंग कॉलेज भी आ रहा है। मेरठ, दिल्ली, प्रयागराज और काशी को जोड़ने के लिए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे तथा गंगा एक्सप्रेसवे की योजनाएं आईं। इनमें 99 किलोमीटर की दूरी हरदोई में तय होती हैं। उन्होंने टेक्सटाइल पार्क की बात करते हुए बताया कि पीएम मित्र तथा टेक्सटाइल पार्क के माध्यम से लाखों नौजवानों को रोजगार की सुविधा मिलेगी। साथ ही, कनेक्टिविटी में सुधार से पर्यटन, पक्षी विहार, गेस्ट हाउस और लोकल उत्पादों के विकास से रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

रंग ला रही योगी सरकार की मुहिम

यूपी की 8,563 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

वर्ष 2025 के अंत तक उत्तर प्रदेश को टीबी मुक्त करने की मुहिम रंग ला रही है। प्रदेश में 8,563 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त हो चुकी हैं। अन्य ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए प्रयास जारी हैं। प्रदेश को टीबी मुक्त करने के संकल्प की दिशा में खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में टीबी के उन्मूलन की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। इनमें से 435 ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जो लगातार दूसरे वर्ष टीबी मुक्त घोषित हुई हैं।

राज्य टीबी अधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर के अनुसार प्रदेश में कुल 57,783 ग्राम पंचायतें हैं। इनमें से वर्ष 2023 में 1,372 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित हो चुकी थीं। वर्ष 2024 में 7,191 ग्राम पंचायतों ने टीबी मुक्त होने का दर्जा प्राप्त किया है। हाल ही में जिला स्तर पर इन सभी ग्राम पंचायतों को महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इन पंचायतों को टीबी मुक्त करने में महिला ग्राम प्रधानों ने भी अहम भूमिका निभाई है। प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि टीबी जैसी सामाजिक स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए सरकार युद्ध-स्तर पर प्रयास कर रही है। टीबी मरीज़ों के लिए जांच, इलाज और अन्य सुविधाओं का दायरा बढ़ाया गया है। टीबी-मुक्त ग्राम पंचायत मुख्य रूप से जन भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में अहम पहल है। इस कार्यक्रम ने ग्रामीण समुदायों को टीबी की पहचान, उपचार और रोकथाम के लिए सशक्त बनाया है, जिससे न केवल बीमारी को खत्म करने की दिशा में सामूहिक प्रयास को बढ़ावा मिला है बल्कि इससे जुड़ी गलत धारणाओं और कलंक को कम करने में भी सफलता मिली है।

लखनऊ के मलिहाबाद की बढ़ी गादी ग्राम पंचायत की प्रधान शिल्पी शुक्ला के संकल्प ने एक वर्ष के अन्दर ही ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त कर दिखाया। वर्ष 2020 में प्रधान बनीं तो गांव में टीबी के 20 मरीज़ थे। 35 वर्षीय शिल्पी ने इन मरीजों को अपने सामने दवाई खिलाना सुनिश्चित किया। वह इनके परिवार वालों से नियमित तौर पर मिलकर उन्हें मरीज़ की देखभाल, उनके खान-पान और स्वयं संक्रमण से बचने के लिए प्रोत्साहित करती रहीं जिससे सभी मरीज़ों ने दवाइयों का कोर्स पूरा किया और वे स्वस्थ हो गए। विभाग द्वारा मोबाइल पर समय-समय पर साझा की गई जानकारी को शिल्पी ने गांव वालों तक पहुंचाया। शिल्पी बताती हैं कि उन्होंने इस सन्देश को विशेष रूप से प्रचारित किया कि लगातार दो महीने तक दवा लेने के बाद टीबी मरीज़ में संक्रमण मुक्त होने की प्रबल सम्भावना बन जाती है, जिससे मरीज़ और अन्य लोगों में इस बीमारी को लेकर डर न रहे और लोग इलाज का महत्व समझें।

बहराइच के जिले की कारीडीहा ग्राम पंचायत को दूसरी बार टीबी मुक्त बनाकर ग्राम प्रधान 36 वर्षीया अनीता देवी ने ग्राम पंचायतों के सामने नई मिसाल पेश की है। अनीता देवी बताती हैं कि कारीडीहा को टीबी मुक्त बनाने की यह यात्रा साझा प्रयास था, जिसके लिए स्थानीय नेतृत्व और सरकारी तंत्र सबका सहयोग मिला। ग्राम प्रधान अनीता देवी ने जहां गांव को जागरूक करने की जिम्मेदारी उठाई, वहीं सीएचओ और आशा कार्यकर्ताओं ने टीबी की जांच, दवा और परामर्श की व्यवस्था गांव की चौखट तक पहुंचाई। अनीता देवी की योजना है कि गांव के बाहर टीबी मुक्त पंचायत कारीडीहा का बोर्ड लगाया जाए और दीवारों पर जागरूकता स्लोगन लिखवाए जाएं, ताकि हर कोई यह जान सके लक्षण दिखें तो न छिपाएं, तुरंत आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर जांच कराएं।

वाराणसी के पिंडरा ब्लाक के रामनगर, गाडर और कृष्णापुर कला ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जो दूसरी बार टीबी मुक्त घोषित की गईं हैं। सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवा-इजर जेएन सिंह के अनुसार रामनगर ग्राम पंचायत में विभागीय टीम के अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से भी भरपूर सहयोग मिला जिससे टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का सपना साकार करने में मदद मिली। ग्राम प्रधान रमाशंकर यादव की अध्यक्षता में ग्राम सभा की बैठक की गई, जिसमें लोगों द्वारा क्षय रोग के लक्षण के बारे में विस्तृतरूप से लोगों को समझाया गया। इसके अलावा आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर सीएचओ अंकित शर्मा, आशा पुष्पा देवी, एकीकृत बाल विकास सेवा विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किरण श्रीवास्तव और कुछ ग्राम सभा के सदस्यों का सहयोग भी सराहनीय रहा।

फतेहपुर के धाता ब्लाक के घोषी गांव के प्रधान 52 वर्षीय दशरथ ने ग्राम पंचायत के तीन गांवों को टीबी मुक्त करने के लिए जो प्रयास किए, वे प्रेरणादायक हैं। दशरथ ने चार वर्ष पहले प्रधान का पद संभाला लेकिन गांव को स्वस्थ रखने का जूनून उनमें कई वर्षों पहले से था। वह बताते हैं कि यदि अपने या पड़ोसी गांव में कोई भी व्यक्ति बीमार दिखता तो वह तुरंत उसे बाइक पर बिठाकर सरकारी अस्पताल लेकर जाते थे। जब दशरथ प्रधान बने तो उनके गांव में आठ टीबी रोगी थे। उन्होंने इन सभी मरीजों की स्वयं निगरानी की और सुनिश्चित किया कि इनका इलाज पूरा हो।

6 जनपदों के 52 केंद्रों पर होगी सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा

पारदर्शिता के साथ परीक्षा सम्पन्न कराने में जुटा आयोग

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रदेश सरकार ने सहायक आचार्य पद की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष और नकलविहीन बनाने के लिए विशेष तैयारियां की हैं। परीक्षा 16 और 17 अप्रैल को दो पालियों में 6 जनपदों (आगरा, मेरठ, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर और वार-ाणसी) के 52 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी।

सीएम योगी के स्पष्ट निर्देश हैं कि राज्य में कोई भी भर्ती परीक्षा नकल या अनुचित तरीके से प्रभावित न हो। इसी को ध्यान में रखते हुए हर केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टैटिक मजिस्ट्रेट

की नियुक्ति की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

सीएम योगी ने जिलाधिकारियों को आदेश दिया गया है कि परीक्षा केंद्रों पर पूरी तरह सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती हो। साथ ही, आवश्यकतानुसार निषेधाज्ञा लागू करने का भी अधिकार जिलाधिकारी को सौंपा गया है। गोपनीय सामग्री को कोषागार से आयोग कार्यालय तक लाने और ले जाने के लिए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। कुल 82,876 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रयागराज में सर्वाधिक 18,240, मेरठ में 16,010, गोरखपुर में 15,602, लखनऊ में 13,528, वाराणसी में 10,958 और आगरा में 8,538 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। मेरठ, प्रयागराज और गोरखपुर में सर्वाधिक 10-10 केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया जाएगा तो वहीं, लखनऊ में 9, वाराणसी में 7 और आगरा में 6 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

आयोग और प्रशासन की संयुक्त निगरानी में परीक्षा कराई जा रही है। आयोग के अध्यक्ष, नामित सदस्य, जनपदीय पर्यवेक्षक और केंद्र के पर्यवेक्षक पूरी परीक्षा पर नजर रखेंगे, ताकि परीक्षा पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ आयोजित की जा सके और योग्य उम्मीदवारों को उचित अवसर मिल सके।

उचित दर की दुकानों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ रही यूपी सरकार

3,534 अन्नपूर्णा भवन तैयार, 2,000 भवन निर्माणाधीन

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रदेश में खाद्यान्न आपूर्ति को बेहतर बनाने और भंडारण को सुरक्षित रखने के लिए अत्याधुनिक अन्नपूर्णा भवनों का निर्माणकार्य प्रगति पर है। इन भवनों का उद्देश्य राशन वितरण प्रणाली को स्थायी और प्रभावी बनाना है, जिससे कोटेदार के बदलने पर भी राशन दुकानों की स्थिरता बनी रहे। अन्नपूर्णा भवन योजना के तहत प्रदेश में अबतक 3,534 नई उचित दर की दुकानों (अन्नपूर्णा भवनों) के निर्माण पूरा कर लिया है और 2000 से भवन निर्माणाधीन है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस परियोजना के लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

योगी सरकार का उद्देश्य इन भवनों को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक बहुउद्देश्यीय केंद्र के रूप में विकसित करना है। यहां की सुविधाएं लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में सहायक होंगी। मनरेगा के तहत इन भवनों का निर्माण किया जा रहा है। ये भवन न केवल खाद्यान्न भंडारण के लिए उपयोगी होंगी, बल्कि उचित दर की दुकानों के संचालन के लिए भी सहायक होंगी। ग्राम पंचायतों में सरकारी जमीन पर बनाए जा रहे इन अन्नपूर्णा भवनों में एक हॉल, प्रतीक्षालय, और जनसेवा केंद्र जैसी सुविधाएं शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 से अन्नपूर्णा भवनों की संख्या बढ़ाने के लिए मनरेगा के अतिरिक्त विभागीय बजट से आवश्यक धनराशि की व्यवस्था की जाएगी। योगी सरकार ने इस परियोजना के लिए बजट में 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

अन्नपूर्णा भवनों का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खाद्यान्न आपूर्ति की प्रक्रिया को सुगम बनाना है। पहले उचित दर की दुकानें अक्सर संकरी गलियों में स्थित होती थीं, जिससे खाद्यान्न आपूर्ति वाहन और ग्राहकों को कठिनाई होती थी। अब इन भवनों के विकसित होने से खाद्यान्न वाहन और आम जनता की पहुंच सुगम हो गई है।अन्नपूर्णा भवन न केवल खाद्यान्न आपूर्ति का केंद्र होगा, बल्कि यहां अन्य जनसुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। भवन में स्टोर के लिए दो अलग-अलग कक्ष बनाए जा रहे हैं।

एक कक्ष में सरकारी राशन का भंडारण होगा, जबकि दूसरे कक्ष में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालित किया जाएगा। इस केंद्र से जन्म, मृत्यु, आय और जाति प्रमाणपत्र जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा, भवनों में जनरल स्टोर और कम्युनिटी सर्विस सेंटर (सीएससी) का संचालन किया जाएगा। यहां बिजली बिल भुगतान, ब्रॉडबैंड सेवा, सस्ती जेनरिक दवाएं, और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की बिक्री की सुविधा होगी। यह व्यवस्था लोगों के जीवन को सरल बनाने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं को भी प्रभावी ढंग से लागू करेगी।

अन्नपूर्णा भवनों में अत्याधुनिक सुविधाओं का समावेश किया जा रहा है। इन भवनों में सीसीटीवी कैमरों और इंटरनेट की व्यवस्था होगी, जिससे पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। नए भवनों के निर्माण के लिए सभी पूर्ति निरीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे उपयुक्त भूमि का चयन शीघ्र करें। जैसे ही भूमि का चयन पूरा होगा, निर्माण कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। योगी सरकार का लक्ष्य है कि सभी 78,625 उचित दर की दुकानों को अन्नपूर्णा भवन के रूप में स्थायी और सुसज्जित किया जाए। इससे खाद्यान्न वितरण प्रणाली में सुधार होगा और लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं मिलेंगी।

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में लगी आग, एक की मौत

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में सोमवार की देर रात आग लग गई। आनन-फानन में सभी मरीजों को अस्पताल से बाहर निकाला गया। इस घटना में एक मरीज की मौत हो गई। आग की खबर फैलते ही आनन-फानन वार्ड में भर्ती मरीजों को दूसरे वार्ड में और गंभीर मरीजों को सिविल और बलरामपुर अस्पताल भेजा गया। इस दौरान आईसीयू में धुंआ भरने से दो मरीजों की हालत गंभीर हो गई। आग लगने की वजह पता नहीं चल पाई है। अस्पताल के दूसरे तल पर मेडिसिन विभाग का फीमेल वार्ड है और आईसीयू वार्ड है। आग करीब साढ़े नौ बजे लगी। आग लगने की वजह से दूसरे तल पर धुंआ भर गया। जिसकी वजह से मरीजों का दम घुटने लगा। मरीजों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। इसकी वजह से लोग इधर उधर भागने लगे।

मेडिसिन वार्ड में भर्ती महिलाओं को दूसरे वार्ड में शिफ्ट किया गया। आईसीयू में भर्ती मरीजों शिफ्ट करने में ज्यादा समस्या हुई। अस्पताल में आग लगने से लपटें दूर तक नजर आ रहीं थीं।

ऐसे में सड़क पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर मौके पर दमकल की पांच गाडियां मौके पर पहुंचीं। कई तीमारदार अपने मरीजों को गोद में लेकर भागे तो कुछ स्ट्रेचर और व्हील चेयर के साथ नीचे भागे। धुएं की वजह से दिक्कत ज्यादा बढ़ गई। कर्मचारी और तीमारदारों ने जान की परवाह किए बिना मरीजों को बाहर निकालने की कोशिश की। आग बढ़ने से रोकने के लिए कर्मचारियों ने बिजली बंद कर दी थी।

ऐसे में मोबाइल की टॉर्च से राहत कार्य की कोशिश की गई। धुआं निकालने के लिए खिड़की और दरवाजे में लगे कांच को तोड़कर धुआं बाहर निकालने की कोशिश की गई। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक अस्पताल में भीषण की जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों और जिलाधिकारी से पूरे मामले की जानकारी ली। अग्निकांड के बाद अस्पताल से निकाले गए मरीजों को राजधानी के अलग-अलग अस्पतालों में शिफ्ट किया गया मरीजों को सिविल, बलरामपुर, केजीएमयू, लोहिया व अन्य अस्पतालों में शिफ्ट किया गया है।

संपादकीय

आनंद की संतुष्टि में

आनंदित राज्य की तस्वीर में हिमाचल का नाम अगर शिखर पर है, तो इस सुखद संयोग का जिक्र सियासत में क्यों भिन्न है। एक सर्वेक्षण ने समाज की स्थिति, जीवन की गुणवत्ता, आर्थिक स्थिरता, बेहतर पर्यावरण और सांस्कृतिक समृद्धि के फलक पर हिमाचल को 'हैप्पीएस्ट स्टेट' घोषित कर दिया है। यह उपलब्धि सामुदायिक भाव में राज्य की शक्ति और निरंतर तरक्की का आधार बनी, तो विश्लेषण यह भी होना चाहिए कि इस आनंद की संतुष्टि में हमारी व्यवस्था व समाज की जवाबदेही है क्या। एक प्रसन्न राज्य की मुद्रा में आत्मसंतुष्टि के भाव का नकारात्मक पक्ष भी हो सकता है, जहां नागरिक ख्वाहिशें केवल सार्वजनिक बजट से हासिल होने की गारंटी बन सकती हैं। राज्य में आनंदित माहौल पैदा करने का श्रेय सरकारों को भी है, क्योंकि यहां हर वर्ष कर मुक्त बजट की बैसाखी पहने हम कर्ज के दलदल में चलने को हरदम तैयार रहते हैं। सवाल यह कि नागरिक का आनंद राज्य को 'हैप्पीएस्ट' बना रहा है या हम सब आनंद के महासागर में राज्य की किश्ती पर सवार हैं। जो भी हो आनंद की भूल भुलैया में हम नागरिक समाज, राज्य की व्यवस्था और सियासी चरित्र की ऐसी पहचान बना रहे हैं, जो कल हमसे हिसाब लेगी। मानव संसाधन का विकास राज्य में उपलब्ध रोजगार के अनुरूप नहीं है या सरकारी नौकरी के परिधान में हमने अपनी आर्थिक चादर छोटी कर ली है, इस जिरह को जरेब बनाने के बजाय हमारी बहस के मंसूबे सरकारों को चुनावी घमासान में प्रताड़ित कर रहे हैं। यह आनंद समाज की जागरूकता से आ रहा है, तो प्रशंसा के इसी चक्र में हर चुनाव में हिमाचल नया जन्म लेता है। कसौटियां जीतने की सत्ता का दोहराव नहीं करतीं, बल्कि विपक्ष को नई सरकार का द्वार खोलकर सारी फितरत बदल देतीं। ऐसे में आनंद की रेवडियां बांटते-बांटते यह शहर न तुम्हारा रहा -न हमारा रहा, हम फायदों की गलियों में तुम्हें रौंदते निकल जाएंगे। हमें बिजली बिल की शर्त नहीं चाहिए और न ही किसी सरकारी शुल्क की हरारत है। हमें सरकारें आनंदित कर रही हैं या हम खुश हैं, ये बात हमारे चेहरे पे नहीं, सिर्फ रिकार्ड में पढ़ी जाएगी। हिमाचल के रिकार्ड अच्छे हैं, क्योंकि जनता प्रगति के निजी पथ पर साहसिक और प्रतिस्पर्धा के हर मोड़ पर दिलेर है। हम उपभोक्तावाद के नैन नक्श में एक ऐसी संस्कृति बन गए हैं, जहां 70 लाख की आबादी के कदम न खेती, न पशु पालन और न ही मेहनत-मजदूरी में अपने हाथ खराब करते हैं। हम बीबीएन में मैन्युफैक्चरिंग करते हुए सारा रोजगार प्रवासी ठेकेदारों के हिसाब से कर रहे हैं, तो सुबह की खरीददारी में आधा-पौना हिमाचल बाहरी राज्यों के दूध, पनीर और ब्रेड के इंतजार में बाजार को भर देता है। हिमाचली उपभोक्ता पड़ोसी राज्यों के किसान, पशुपालक, व्यापारी, गायक, रीयल एस्टेट मालिक को आनंद से मालामाल कर देता है। हम खुश हैं क्योंकि हमारे मेले, समारोह, उत्सव तथा सरकारी समारोह हमें आनंद की अनुभूति देते हैं। हमारे सरकारी मंच भी नाटी करते हैं और जनता भी खुश होती है कि उसके नेता नाटी में आनंद का चरित्र निभाते हैं। हमारे नेताओं के भाषण हमेशा हमें ढांढस बंधाते हैं कि विकास में पैसों की कमी नहीं होगी और हम खींचते-खींचते गांव के स्कूल भवन में ही कालेज ले आते हैं। स्कूल-कालेजों में सारे विषयों के अध्यापकों को रोजगार देता प्रदेश यह परवाह नहीं करता कि वहां बच्चे पढने आते हैं या नहीं। आनंद की फुहारें हमारी सरकारी कार्यसंस्कृति में घर कर गई हैं। शिमला के बड़े दफ्तर हों या जिला मुख्यालयों के कार्यालय, हम आनंदित हैं कि वर्षों बाद भी स्थानातंरण की वजह या नीति पैदा नहीं होगी। यह राज्य सचिवालय के स्टेट कैडर का आनंद भी हो सकता है, जो प्रदेश को हैप्पीएस्ट स्टेट बना देता है। इसी हैप्पीएस्ट स्टेट की एक सांसद कंगना रणौत को हम निराश क्यों कर बैठे। अगर हमारे सांसद घर के बिजली बिल से असंतुष्ट हैं, तो राज्य हैप्पीएस्ट कैसे होगा।

राज्य में आनंदित माहौल पैदा करने का श्रेय सरकारों को भी है, क्योंकि यहां हर वर्ष कर मुक्त बजट की बैसाखी पहने हम कर्ज के दलदल में चलने को हरदम तैयार रहते हैं। सवाल यह कि नागरिक का आनंद राज्य को 'हैप्पीएस्ट' बना रहा है या हम सब आनंद के महासागर में राज्य की किश्ती पर सवार हैं। जो भी हो आनंद की भूल भुलैया में हम नागरिक समाज, राज्य की व्यवस्था और सियासी चरित्र की ऐसी पहचान बना रहे हैं, जो कल हमसे हिसाब लेगी। मानव संसाधन का विकास राज्य में उपलब्ध रोजगार के अनुरूप नहीं है या सरकारी नौकरी के परिधान में हमने अपनी आर्थिक चादर छोटी कर ली है, इस जिरह को जरेब बनाने के बजाय हमारी बहस के मंसूबे सरकारों को चुनावी घमासान में प्रताड़ित कर रहे हैं। यह आनंद समाज की जागरूकता से आ रहा है, तो प्रशंसा के इसी चक्र में हर चुनाव में हिमाचल नया जन्म लेता है। कसौटियां जीतने की सत्ता का दोहराव नहीं करतीं, बल्कि विपक्ष को नई सरकार का द्वार खोलकर सारी फितरत बदल देतीं। ऐसे में आनंद की रेवड़ियां बांटते-बांटते यह शहर न तुम्हारा रहा –न हमारा रहा, हम फायदों की गलियों में तुम्हें रौंदते निकल जाएंगे।

राज्यपाल विधानसभा द्वारा पास किए गए विधेयकों को मंजूरी देने में देरी कर रहे थे

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राज्यपाल विधेयकों को नहीं रोकेगें?

रामस्वरूप रावतसरे

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा था कि राज्यपाल सहमति को रोककर 'पूर्ण वीटो' या 'आंशिक वीटो' (पॉकेट वीटो) की अवधारणा को नहीं अपना सकते। शीर्ष अदालत के अनुसार राज्य विधानसभा द्वारा विधेयक को पुन: पारित किए जाने के बाद उसे पेश किए जाने पर राज्यपाल को एक महीने की अवधि में विधेयकों को मंजूरी देनी होगी। राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा अपने कार्य निर्वहन के लिए कोई स्पष्ट समय सीमा निर्धारित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पास किए गए 10 लंबित विधेयकों को राज्यपाल द्वारा मंजूर मान लिया है। कोर्ट ने भविष्य के सभी विधेयकों पर कार्रवाई के लिए समय सीमा भी तय कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन की बेंच ने तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल (आर एन रवि) मामले में यह फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल के पास राज्य विधानसभा की तरफ से भेजे गए विधेयकों पर वीटो का अधिकार नहीं है। वे किसी बिल को अनिश्चितकाल के लिए रोक नहीं सकते। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं है और उन्हें मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर अनिवार्य रूप से कार्य करना होता है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा था कि राज्यपाल सहमति को रोककर 'पूर्ण वीटो' या 'आंशिक वीटो' (पॉकेट वीटो) की अवधारणा को नहीं अपना सकते। शीर्ष अदालत के अनुसार राज्य विधानसभा द्वारा विधेयक को पुनः पारित किए जाने के बाद उसे पेश किए जाने पर राज्यपाल को एक महीने की अवधि में विधेयकों को मंजूरी देनी होगी। राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा अपने कार्य निर्वहन के लिए कोई स्पष्ट समय सीमा निर्धारित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पास किए गए 10 लंबित विधेयकों को राज्यपाल द्वारा मंजूर मान लिया है। कोर्ट ने भविष्य के सभी विधेयकों पर कार्रवाई के लिए समय सीमा भी तय कर दी है। संविधान के अनुच्छेद 200 में यह प्रावधान नहीं था। जानकारी के अनुसार तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। राज्यपाल विधानसभा द्वारा पास किए गए विधेयकों को मंजूरी देने में देरी कर रहे थे। कुछ बिल तो 2020 से ही लंबित थे। ज़्यादातर बिलों में राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के चांसलर के तौर पर मिलने वाले अधिकारों को कम करने की बात थी। इससे राज्यपाल और सरकार के बीच टकराव बढ़ गया था। आरोप लगाया जाता है कि राज्यपाल जानबूझकर विधायी प्रक्रिया को रोकने की कोशिश करते हैं। तमिलनाडु ही नहीं, छत्तीसगढ़, हरियाणा, बंगाल और केरल जैसे राज्यों में भी राज्यपालों के साथ ऐसे ही विवाद हुए। पुडुचेरी में भी एलजी (लेफ्टिनेंट गवर्नर) और सरकार के बीच मतभेद थे। तेलंगाना, पंजाब और केरल के राज्यपाल भी लंबित विधेयकों को पास नहीं करने के कारण कोर्ट में गए। संविधान के अनुच्छेद 153 में हर राज्य के लिए एक राज्यपाल का प्रावधान है। अनुच्छेद 154 के तहत कार्यकारी शक्तियां राज्यपाल के पास होती हैं लेकिन संविधान में उनकी भूमिका और शक्ति सीमित है। अनुच्छेद 163(1) के अनुसार, राज्यपाल को अपने मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना होता है। संविधान में राज्यपाल को कुछ मामलों में अपने विवेक से काम करने की शक्ति दी गई है लेकिन, यह शक्ति भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट ने 1974 में शमशेर सिंह बनाम पंजाब राज्य मामले में फैसला दिया था कि राज्यपाल सिर्फ एक संवैधानिक प्रमुख हैं। राज्य की कार्यकारी शक्तियां वास्तव में मंत्रिपरिषद द्वारा इस्तेमाल की जाती हैं। अनुच्छेद 200 के मुताबिक विधानसभा द्वारा पास किए गए सभी विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी चाहिए होती है। राज्यपाल के पास चार विकल्प होते हैं- विधेयक को मंजूरी देना, मंजूरी रोकना, विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखना या विधेयक को पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस भेजना। यह अनुच्छेद भारत सरकार अधिनियम, 1935 की धारा 75 पर आधारित है। इसमें इन विकल्पों का इस्तेमाल करने के लिए कोई समय सीमा नहीं दी गई है। सरकारिया आयोग (1987), राष्ट्रीय संविधान समीक्षा आयोग (2002) जिसके अध्यक्ष जस्टिस वेंकटचलैया थे, और जस्टिस एम.एम. पुंछी आयोग (2010) ने सिफारिश की थी कि राज्यपालों को विधेयकों पर फैसला लेने के लिए एक समय सीमा तय की जानी चाहिए। कर्नाटक विधि आयोग की 22वीं रिपोर्ट ''विधेयकों पर सहमति-देरी की समस्याएं (भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 और 201)'' में जस्टिस वी.एस. मलीमठ ने कहा था कि यह अजीब होगा कि राज्य के प्रमुख को एक विधेयक पर सहमति देने में उतना ही समय लगे जितना कि विधानसभा को उसे पास करने में लगता है। यह अच्छी तरह से स्थापित है कि हर राज्य कार्रवाई उचित होनी चाहिए। शक्ति का उचित प्रयोग एक उचित समय के भीतर किया जाना चाहिए। ऐसा न करना अनुचित होगा। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार राज्यपाल किसी भी बिल को हमेशा के लिए नहीं रोक सकते। उन्हें बिल पर फैसला लेना ही होगा। कोर्ट ने तमिलनाडु को कहा कि उन्हें बिलों को जल्दी पास करना चाहिए। कई राज्यों में राज्यपाल और सरकार के बीच झगड़ा चल रहा है। राज्यपाल बिलों को पास करने में देरी करते हैं जिससे सरकार का काम रुक जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस पर लगाम लगा दी है। संविधान में लिखा है कि राज्यपाल को सरकार की सलाह पर काम करना चाहिए लेकिन, कई बार राज्यपाल अपनी मनमानी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह गलत है। राज्यपाल को संविधान के हिसाब से चलना चाहिए। आयोगों ने भी कहा है कि राज्यपाल को बिलों पर फैसला लेने के लिए एक समय सीमा होनी चाहिए। इससे सरकार का काम आसानी से चलेगा। पिछले 40 वर्षों (1985 से 2025 तक) में भारत में कई राज्यपाल ऐसे रहे हैं जिनके कार्यों ने राज्यों के साथ विवादों को जन्म दिया। ये विवाद अक्सर विधायी देरी, राज्य सरकारों के साथ टकराव, या संवैधानिक सीमाओं के कथित उल्लंघन से जुड़े रहे। नीचे कुछ प्रमुख राज्यपालों की सूची दी गई है जिन्हें उनके कार्यकाल के दौरान विवादों के लिए जाना गया। केरल के राज्यपाल और सरकार के बीच मनमुटाव का मामला काफी विवादों में रहा था। केरल के तत्कालीन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा था कि केरल सरकार कई ऐसे काम करती है जो कानून के मुताबिक नहीं होते। दरअसल एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (केटीयू) के कुलपति का चयन करने के लिए कुलाधिपति के नामित व्यक्ति के बिना चयन समिति बनाने को लेकर आरिफ मोहम्मद नाराज थे। उन्होंने कहा था कि सरकार पर निर्भर करता है कि वे क्या करना चाहते हैं। वे कई ऐसे काम कर रहे हैं जो कि कानून के मुताबिक नहीं हैं। राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों सहित नियुक्तियों के मुद्दे पर आरिफ मोहम्मद खान और केरल सरकार लंबे अरसे तक आमने-सामने थे।

दृष्टि कोण

स्वास्थ्य की रक्षा व भारत की आत्मनिर्भरता

भारत के बारे में एक आम धारणा यह है कि भारत भयंकर भूख से पीड़ित देश है। अगर हम वेल्टहंगरहिल्फ की रिपोर्ट पर यकीन करें तो आज भी भारत 127 देशों की सूची में भूख के मामले में 105वें स्थान पर है। लेकिन सच यह है कि आज भारत में बड़ी संख्या में लोग वजन कम होने से कम, बल्कि मोटापे की समस्या से ज्यादा पीड़ित हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से खाद्य तेलों का इस्तेमाल कम से कम 10 प्रतिशत कम करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि साल 2050 तक भारत में 44 करोड़ लोग मोटापे की समस्या से पीड़ित होंगे, जो कई बीमारियों की जड़ है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि टाइप-2 डायबिटीज, हृदय रोग, कैंसर और स्ट्रोक समेत कई बीमारियां मुख्य रूप से मोटापे की वजह से होती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 और 2020-21 के अनुसार, इन 5 वर्षों में मोटापे से पीड़ित महिलाओं की संख्या 20.6 प्रतिशत से बढक़र 24 प्रतिशत हो गई, जबकि पुरुषों में यह 18.9 प्रतिशत से बढक़र 22.9 प्रतिशत हो गई। यानी हमारी लगभग एक-चौथाई आबादी मोटापे से पीड़ित है। मोटापे की समस्या आम तौर पर जीवनशैली से जुड़ी होती है। इसके कई कारण हैं, जिनमें शारीरिक श्रम की कमी, वसा (खाद्य तेल), चीनी और नमक का अधिक सेवन शामिल है। अगर हम खाद्य तेलों के उपयोग की बात करें तो हम देखते हैं कि खाद्य तेलों की प्रति व्यक्ति खपत, जो 1950 से 1960 के दशक में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष केवल 2.9 किलोग्राम थी, अब उद्योग रिपोर्ट के अनुसार बढक़र 19.4 किलोग्राम प्रति व्यक्ति वार्षिक हो गई है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 13 किलोग्राम की अनुशंसित खपत और आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) की सिफारिश, प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 12 किलोग्राम से कहीं अधिक है। गौरतलब है कि जनसंख्या 1951 में 35.4 करोड़ से बढक़र 2023 तक 143.8 करोड़ हो गई और इस अवधि के दौरान खाद्य तेलों की घरेलू उपलब्धता 13.8 लाख टन से बढक़र 114 लाख मीट्रिक टन हो गई। लेकिन इसी अवधि के दौरान 1951 में खाद्य तेलों के नगण्य आयात की तुलना में, 2022-23 तक यह 164.7 लाख टन तक पहुंच गया। घरेलू उत्पादन में आयात को जोडक़र, खाद्य तेलों की कुल उपलब्धता 2022-23 तक 278.7 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई। यह ध्यान देने योग्य है कि यदि खाद्य तेलों की खपत आईसीएमआर द्वारा अनुशंसित सीमा के भीतर हो तो भले ही घरेलू उत्पादन मौजूदा स्तर पर बना रहे, भारत को खाद्य तेलों के आयात की आवश्यकता केवल 56.64 लाख मीट्रिक टन होगी। खाद्य तेल मिशन: देश को खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने तथा आयात पर बोझ कम करने के लिए भारत सरकार द्वारा अक्टूबर 2024 में खाद्य तेल मिशन शुरू किया गया, जिसके अनुसार 10103 करोड़ रुपए का व्यय किया जाएगा तथा प्राथमिक तिलहनों का उत्पादन वर्ष 2022-23 में 390 लाख टन से बढ़ाकर अगले 7 वर्षों में 697 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है। कहा जा सकता है कि इससे आयात पर निर्भरता कम होगी। और यदि प्रधानमंत्री की अपील भी कारगर रही तो आयात और भी कम हो जाएगा। घटिया तेलों की खपत भी कम होगी: वर्तमान में भारत में उत्पादित खाद्य तेलों का 67.4 प्रतिशत विभिन्न प्राथमिक तिलहनों से, 5.1 प्रतिशत नारियल से, 2.2 प्रतिशत ताड़ से, 11.0 प्रतिशत कपास के बीजों से, 9.8 प्रतिशत चावल की भूसी से, 3.1 प्रतिशत तिलहनों के सॉल्वेंट निष्कर्षण से तथा 1.4 प्रतिशत वनों एवं वृक्षों से प्राप्त होता है। देश में विभिन्न प्रकार के तिलहनों का उत्पादन पारंपरिक तरीके से किया जाता है। भारत के पारंपरिक खाद्य तेल काफी हद तक स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। लेकिन विदेशों पर हमारी निर्भरता के कारण देश में बड़ी मात्रा में ऐसे तेल आयात और उपयोग होने लगे, जिन्हें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है। यह भी माना जाता है कि जीएम खाद्य तेलों का भी अवैध रूप से बड़ी मात्रा में आयात किया जा रहा है। आज जब भारत में खाद्य तेलों की कुल खपत का 57 फीसदी आयात से पूरा होता है, जिसमें से 59 फीसदी पाम ऑयल से आता है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, सोयाबीन तेल, पाम ऑयल का भी आयात किया जाता है। भारत के अपने उत्पादित तेलों में सरसों तेल की हिस्सेदारी 33 फीसदी, मूंगफली तेल की 25.4 फीसदी और सोयाबीन की 19 फीसदी है। सरसों तेल का भारतीय खानपान में काफी महत्व है और यह सबसे ज्यादा लोकप्रिय भी है।

कुछ अलग

आओ कब्र खोदें

उनके इस रहस्योद्घाटन में शामिल होते हुए मैंने खुदाई के उद्देश्यों के बारे में जानना चाहा तो वह बोले, 'कुछ दिन पहले प्रभु श्रीराम ने मुझे रात्रि स्वप्न में दर्शन देते हुए कहा कि मेरे मास्टर बेडरूम के नीचे किसी बादशाह की कब्र है। अगर मैं उसे खोदूं तो मुझे कब्र में न केवल सोने की अशर्फियां मिलेंगी बल्कि एक थैली में हीरे-जवाहरात भी हासिल होंगे। भगवान ने खुदाई पूरी होने के उपरांत मानव कंकाल मिलने पर मुझे प्रेस कान्फ्रेंस करने की सलाह भी दी। कंकाल के बाहर आने पर नागरिक षड्यंत्रकारी संगठन के साथ सरकार का ध्यान भी तुम्हारी ओर खिंचेगा। इससे न केवल तुम्हें गोदी मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से जगत में प्रसिद्धि प्राप्त होगी बल्कि नागरिक षड्यंत्रकारी संगठन के अनुमोदन पर भारत सरकार तुम्हें किसी यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर नियुक्त कर सकती है या राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी का मुखिया बना सकती है। वैसे तो नॉन बायोलॉजिकल पुरुष के बारे में कोई भविष्यवाणी करना असंभव है, पर हो सकता है कि अगर वह तुम्हारे इस कृत्य पर प्रसन्न हो गए तो वह तुम्हें मंत्रिमंडल में भी शामिल कर लें या फिर भजन पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता बना दें। इसके अतिरिक्त सरकारी नौकरी के दौरान तुम पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप और सीबीआई जांच से मुक्ति मिल सकती है। कुल मिला कर तुम्हारा सिर कड़ाही में और उंगलियां ही घी में नहीं होंगी बल्कि तुम सरापा घी में डूबे रहोगे। सरकारी दरबार में शामिल होने के बाद अतीत में लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्ति पाने के बाद तुम मनचाहे ढंग से दौलत इक_ी कर सकते हो। ऐसा होने पर मैं भी तुम्हारा बाल बींका नहीं कर पाऊंगा। तुम जीते जी ख़ूब ऐश करोगे। मरने के बाद क्या होता है, इसका तो मुझे भी अंदाज़ा नहीं। नहीं तो मर्यादा पुरुषोत्तम कहाने के बावजूद छल से बाली पर पाई विजय और सीता से दो बार किए अन्याय की वजह से मैं क्या नर्क का भागीदार नहीं होता?' मैंने उनके स्वप्न राम दर्शन से प्रभावित होते हुए पूछा कि क्या भगवान श्रीराम भ्रष्टाचारियों को ही दर्शन देते हैं। झुन्नू जी हंसते हुए बोले, 'वत्स! भारत भले परलोक की बात करता रहे, पर क्या तुमने किसी भारतीय को परलोक में मिलने वाले दंड से भयभीत होते देखा है। सभी ऋषि चार्वाक के सिद्धांत पर ही जीते हैं। चार्वाक के इसी सिद्धांत के कारण आज भारतीय नागरिक कम आमदन होने के बावजूद बैंकों से भारी लोन ले रहे हैं। फिर एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन ले रहे हैं। शहरों में बड़े-बड़े मकान और आकाश छू लेने वाले भवन अस्तित्व में आ रहे हैं। सडक़ों पर आदमियों से ज़्यादा गाडियां नजऱ आ रही हैं। अपने इसी दर्शन के कारण हम दिखावटी विरोध के बावजूद डट कर चाइनीज़ माल का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम उत्पादकता नहीं उपयोग के सिद्धांत में विश्वास करते हैं। देश में निर्मित तेजस जैसे अधकचरे लड़ाकू विमान अपने देश में बनाने और उसका ढिंढोरा पीटने के बावजूद न हमारे पास उसका इंजन है न कलपुर्जे और न बैटरियां। पर चार्वाक ने सिर्फ उधार लेकर घी खाने की बात की है। उन्होंने कभी कमीशन या घूस खाने का दर्शन सामने नहीं रखा और न कभी भ्रष्ट आचरण की वकालत की। पर हमें तो मलाई चाहिए। राजा कोई भी हो, सब चलता है। तुलसी बाबा ने ठीक ही कहा है कि कोउ नृप होय हम हिं का हानी। चेरि छांड़ि अब होब कि रानी। जब राजा देशी थे तब भी देश यहीं था, ग़ुलामी के दौरान भी यहीं था, आज भी यहीं है और कल भी यहीं होगा।

देश दुनिया से

पाकिस्तान की खामोशी से उठती आवाज़ें

अगर आप सोचते हैं कि क्या पाक एक नया अध्याय शुरू करेगा और उसने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों को अंजाम देने वालों के बारे में ईमानदारी बरतने का फ़ैसला ले लिया है – ख़ास तौर पर तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किए जाने की प्रतिक्रिया स्वरूप – तो एक बार फिर से सोचें। यह पैराग्राफ़ 3 अगस्त, 2015 को पाकिस्तान के अख़बार 'डॉन' में तारिक खोसा द्वारा लिखे गए लेख से लिया गया है, जोकि पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी के पूर्व मुखिया हैं और उन्होंने 2009 में मुंबई आतंकी कांड की जांच की थी। खोसा ने लेख लिखते समय शायद सच की घुट्टी पी रखी होगी! ठीक उसी प्रकार, जब पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ ने 2018 में 'डॉन' को दिए एक साक्षात्कार में कुबूल किया था: 'आतंकवादी संगठन (अभी भी) सक्रिय हैं' और सवाल उठाया था कि क्या पाक को उन्हें 'सीमा पार करके मुंबई में 150 लोगों को मारने की अनुमति देनी चाहिए थी'? इतना भर कहने पर नवाज़ पर देशद्रोह का केस जड़ दिया गया था। अहम यह कि दोनों लेख अभी भी डॉन की वेबसाइट पर पढ़े जा सकते हैं – महत्वपूर्ण इसलिए कि यदि पिछले कुछ दिनों आपने पाकिस्तानी अखबार देखे हों, तो आपको यह सोचने के लिए माफ़ कर दिया जाएगा कि कहीं आप किसी और देश के समाचारपत्र तो नहीं पढ़ रहे। पाक मूल के कनाडाई नागरिक राणा के बारे में एक शब्द तक नहीं है, जो 2008 के मुंबई हमलों के दो प्रमुख षड्यंत्रकारियों में से एक है, जिसे हाल ही में भारत प्रत्यर्पित किया गया है। एक भी शब्द नहीं। शहबाज़ शरीफ़ सरकार बलूचिस्तान के मसले से जिस तरह निपट रही है, उस पर आलोचनात्मक लेख? हां है। पाकिस्तान सुपर लीग पर संपादकीय? हां है। अर्थव्यवस्था पर निराशाजनक टिप्पणी? हां है। लेकिन राणा की वापसी पर, और विस्तार से मुंबई हमलों पर, जब पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रशिक्षित 10 पाकिस्तानी कराची से मुंबई के लिए भेजे गए, और उन्होंने नवंबर 2008 में लगभग तीन दिनों तक भारत के वित्तीय केंद्र को बंधक बनाए रखा – एक शब्द तक नहीं, पूरा वाक्य तो दूर की बात है। आपको हैरानी नहीं हो रही, जानते हैं कि क्यों। एक ओर, पाक सरकार ने अपने दरवाजे खोल दिए और पाकिस्तान के लोगों ने अपने दिल – और 6,500 सिख तीर्थयात्रियों को वीजा दिए, ताकि वे ननकाना साहिब, पंजा साहिब, करतारपुर साहिब और अन्य गुरुद्वारों में बैसाखी मना सकें। द ट्रिब्यून और अन्य समाचार पत्रों में इस मौके पर हाथ जोड़े खुशी-खुशी जा रहे वरिष्ठ नागरिकों की तस्वीरें छापीं, जो एक आनंदमयी तीर्थयात्रा की शुरुआत है। दूसरी ओर, 17 लंबे सालों से, निर्वाचित सरकारों और अपनी जनता को बंधक बनाकर रखने वाले पाक सैन्य प्रतिष्ठान ने न केवल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार पर, बल्कि पूरे मीडिया पर भी कड़ा शिकंजा कस रखा है – ताकि मुंबई के भयावह कांड पर प्रकाशक की कलम से निकलकर एक भी शब्द पन्ने पर छप न पाए। और इसलिए इस कांड में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के सह-संस्थापक हाफिज सईद से शुरू करके ज़की-उर-रहमान लखवी तक के तमाम साजिशकर्ता खबरों से गायब हैं। शिकागो जेल में बंद दूसरे मास्टरमाइंड डेविड हेडली का भी कोई जिक्र नहीं है। मेजर इकबाल हो या साजिद मीर या अब्दुल रहमान, हाशिम सैयद या फिर इलियास कश्मीरी, इनपर भी कोई बात नहीं है – सभी के खिलाफ एनआईए ने आरोप पत्र दायर कर रखा है और वे आज भी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। मुंबई के उन दिनों और रातों की यादें पाक पर कफन की तरह मंडरा रही हैं। आमतौर पर तेवर रखने वाला पाकिस्तानी मीडिया, वह जो अतीत में अयूब खान से लेकर टिक्का खान तक के तानाशाहों और निरंकुश शासकों के सामने डटा रहा – जब पत्रकारों को पीटा गया, जेल में डाला गया, प्रताड़ित किया गया, उनके परिजनों को धमकाया गया- ऐसा लगता है कि अब उनका मुंह बंद हो चुका है, वे थक चुके हैं, बुढ़ा गए हैं। हो सकता है उन्होंने होंठ इसलिए सिल रखे हों कि उन्हें नई सुबह का इंतजार हो शायद मुंबई के बारे में कुछ ऐसा है, जिसने चुप्पी का लिहाफ ओढ़े रखना सुनिश्चित कर रखा है। नवाज़ शरीफ को देशद्रोह का केस झेलने के अलावा, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जनरल महमूद दुर्रानी को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी थी, जब उन्होंने 2009 में स्वीकारा कि कसाब एक पाक नागरिक है। केवल खोसा बचे रहे। इसी बीच, पाक सेना की नज़र-ए-इनायत इमरान खान से हटकर नवाज के छोटे भाई शहबाज़ और नवाज़ शरीफ की बेटी मरियम, जोकि पंजाब की मुख्यमंत्री हैं, की तरफ हो गई है। पाक के आधे अभिजात्य वर्ग के पास दोहरे पासपोर्ट हैं, लिहाजा उनका एक पांव पश्चिम में रहता है, और हालात प्रतिकूल होते ही वहां खिसक लेते हैं। अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। चीन का साया और गहराता एवं पुख्ता होता जा रहा है। तथापि खोसा के 2015 के लेख के हर शब्द की गूंज बनी हुई है। न तो वे कभी अपनी इस कथनी से पीछे हटे, न ही डॉन, भले ही इन दोनों ने अब चुप्पी साधी हो। खोसा ने उस लेख में मुंबई कांड के सूत्रधारों पर फेडरल एजेंसी की जांच में कहा: 'सर्वप्रथम, कसाब एक पाक नागरिक है, जिसके घर, प्रारंभिक स्कूल व आतंकी संगठन से जुड़ने का जांचकर्ताओं ने पता लगा लिया था। दूसरे, लश्कर-ए-तोयबा के आतंकवादियों को सिंध के थट्टा के पास प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें समुद्र के रास्ते रवाना किया गया। जांचकर्ताओं ने प्रशिक्षण शिविर की शिनाख्त की और जांच हेतु कब्जे में ले लिया। मुंबई में प्रयुक्त विस्फोटक उपकरणों के खाली बक्से शिविर से बरामद हुए थे। तीसरा, आतंकी जिस भारतीय नौका से मुंबई पहुंचे थे, उसको अगवा करने के पहले आतंकवादियों के ट्रॉलर को वापस बंदरगाह पर लाया गया, उसे रंगा गया और छिपा दिया गया। इसकी बरामदगी से आरोपियों की कड़ी जुड़ी। चौथा, मुंबई बंदरगाह के पास आतंकियों ने जो 'डिंगी' लावारिस छोड़ी, उसके इंजन पर लगे पेटेंट नंबर के जरिए जांचकर्ताओं ने जापान से लाहौर और फिर कराची में खेल का सामान बेचने वाली दुकान तक पहुंचने तक के आयात-रूट का पता चला लिया। वहीं से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक आतंकी ने इसे डिंगी सहित खरीदा था।

आप का नजरिया

टैरिफ से बचने का अवसर

वैसे तो अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का कोई भरोसा नहीं है। यह भी निश्चित नहीं है कि वह आने वाले क्षणों, दिनों में क्या फैसला लेते हैं अथवा अपने ही फैसलों को पलट देते हैं। यह चीन के संदर्भ में दुनिया देख चुकी है। बहरहाल भारत समेत अधिकतर देशों पर फिलहाल 'जैसे को तैसा टैरिफ' लागू नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें 90 दिनों (तीन माह) की रियायत दी है। जाहिर है कि अमरीका 'टैरिफ नीति' पर पुनर्विचार कर रहा है, क्योंकि इस नीति के पूरी तरह लागू होने के फलितार्थ काफी महंगे और अर्थव्यवस्था-विरोधी साबित होंगे। अमरीका पर ही असर दिखने लगे हैं। बड़े उद्योगपति राष्ट्रपति ट्रंप से अपनी शिकायतें और व्यापारिक चिंताएं साझा कर चुके हैं, नतीजतन सूचना और इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े उत्पादों पर अमरीका को चीन पर लगाए टैरिफ को वापस लेना पड़ा है। अमरीकी बाजार पर असर दिखने लगे हैं। महंगाई के साथ-साथ बेरोजगारी बढने और आर्थिक मंदी छाने की आशंकाएं गहराती जा रही हैं। सडक़ों पर विरोध-प्रदर्शन के सिलसिले बढ़ते जा रहे हैं। संसद में भी राष्ट्रपति ट्रंप की इस नीति का मुखर विरोध किया जा रहा है। बहरहाल भारत अभी जो निर्यात अमरीका को करेगा, उस पर पहले से ही तय 10 फीसदी टैरिफ लगेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की थी, वह 90 दिनों तक स्थगित रहेगी, लिहाजा भारत के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण अवसर और समय है। इस दौरान भारत को न केवल अमरीका के साथ, बल्कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भी अपने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दे देना चाहिए। तीनों ही पक्षों के साथ भारत के व्यापारिक संवाद जारी हैं। यूरोपीय देश और ब्रिटेन, भारत के साथ, मुक्त व्यापार समझौतों के पक्षधर हैं। अमरीका के साथ मार्च, 2025 से व्यापार समझौते की बातचीत नए सिरे से शुरू हुई है और काफी ऊर्जावान तथा परिपक्व दौर में है। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने ही फरवरी, 2025 में इस लक्ष्य की साझा घोषणा की थी कि दोनों देश 190 अरब डॉलर के मौजूदा व्यापार को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक पहुंचाएंगे। संभावना है कि द्विपक्षीय व्यापार-विमर्श और समझौते का प्रथम चरण सितंबर-अक्तूबर, 2025 तक सम्पन्न हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की 90 दिनों की राहत-अवधि भी लगभग उसी वक्त तक है। वैसे तो 90 दिन जुलाई में समाप्त हो रहे हैं, लेकिन भारत के संदर्भ में यह नीति सितंबर-अक्तूबर तक टाली जा सकती है। अब भारत के पास 'जैसे को तैसा टैरिफ' नीति से बचने और अपने द्विपक्षीय कारोबार को बढ़ाए रखने का सुअवसर है। व्यापार-समझौते के बाद भारत पर अतिरिक्त टैरिफ नहीं लगाया जा सकता, लेकिन ऐसा भी नहीं हो सकता कि 'शून्य के बदले शून्य' शुल्क ही लगाया जाए। दरअसल अमरीका और भारत आर्थिक वृद्धि के अलग-अलग स्तर पर हैं। ऐसा अमरीका और यूरोपीय संघ के देशों के बीच हो सकता है, क्योंकि दोनों ही पक्ष विकसित और उन्नत राष्ट्र हैं। भारत को यूरोप और ब्रिटेन के साथ व्यापार-समझौतों के लिए तैयार होना होगा।

अब हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पर फूट पड़ा ट्रंप का गुस्सा, दे डाला अरबों का झटका

वॉशिंगटन,15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस अंदाज में काम कर रहे हैं वो किसी को नहीं पुसा रहा है। उन्होंने टीवी शो के दौरान अपनी खिल्ली उड़ाने पर एक चैनल को अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। अब उनका गुस्सा अमेरिका की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी पर फूट पड़ा। ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड पर 2.2 अरब डॉलर की संघीय फंडिंग रोक दी है। यह कदम कैंपस में कथित यहूदी विरोधी माहौल को लेकर भेजी गई सख्त शर्तों की सूची को ठुकराने के बाद उठाया गया है। वाइट हाउस की ओर से हार्वर्ड से उसके गवर्नेंस, नियुक्तियों और प्रवेश प्रक्रिया में बदलाव की मांग की गई थी। इसके साथ ही डाइवर्सिटी से जुड़ी यूनिट्स बंद करने और अंतरराष्ट्रीय छात्रों की जांच में आव्रजन अधिकारियों से सहयोग करने की भी बात शामिल थी। पिछले वर्ष इजरायल-गाज़ा युद्ध के दौरान अमेरिकी विश्वविद्यालयों में फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों की लहर देखने को मिली थी, जिनमें कई जगह पुलिस और इजराइल समर्थक प्रदर्शनकारियों से झड़पें भी हुई थीं। ट्रंप और रिपब्लिकन नेताओं ने इन प्रदर्शनों को हमास समर्थन कहकर निंदा की थी। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में विरोध प्रदर्शन के दो आयोजकों को भी निशाना बनाया है, महमूद खलील को देश से बाहर निकालने की कार्रवाई चल रही है, जबकि मोहसेन महदावी को सोमवार को अमेरिकी नागरिकता की प्रक्रिया के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस की रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफानिक ने हार्वर्ड को शैक्षिक पतन का प्रतीक करार देते हुए इसकी पूरी फंडिंग रोकने की मांग की है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में बीते साल फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों की शुरुआत हुई थी, उसने ट्रंप प्रशासन के दबाव के बाद अपने अनुशासनात्मक नियमों में सुधार और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने जैसे कदम उठाए थे। इसके बावजूद उसे 400 मिलियन डॉलर की फंडिंग में कटौती झेलनी पड़ी। 2.2 अरब डॉलर की ग्रांट रोकी हार्वर्ड के अंतरिम अध्यक्ष एलन गार्बर ने छात्रों और फैकल्टी को लिखे पत्र में सरकार के आदेशों को मानने से इनकार करते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी अपनी स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों से समझौता नहीं करेगी। इस पर ट्रंप प्रशासन की संयुक्त यहूदी-विरोधी निगरानी टास्क फोर्स ने प्रतिक्रिया में 2.2 अरब डॉलर की ग्रांट और 60 मिलियन डॉलर के सरकारी अनुबंधों को रोकने की घोषणा की।

न्यूज ब्रीफ

बलूच विद्रोहियों ने ईरान में आठ पाक नागरिकों को गोलियों से भूना

तेहरान । बलूच विद्रोही अब विदेश में भी पाकिस्तान के नागिरकों को मारने से बाज नहीं आ रहे हैं। बलूच विद्रोहियों ने ईरान के सिस्तान प्रांत में पाकिस्तान के आठ नागरिकों की हत्या कर दी। वह सभी ईरान के एक कार वर्कशाप में बतौर मैकेनिक काम करते थे। इस हमले की जिम्मेदारी बलोच नेशनलिस्ट आर्मी नामक संगठन ने ली है। यह संगठन बलूचिस्तान को पाकिस्तान से आजाद कराने की मांग कर रहा है। उधर पाकिस्तान और ईरान ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। ईरान में पाकिस्तान के राजदूत मुदस्सिर टीपू के मुताबिक बीते दिन हुई इस घटना की संयुक्त जांच के लिए दोनों देशों के बीच समन्वय किया जा रहा है। उधर पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोगदाम ने कहा है कि आतंकवाद पूरे क्षेत्र के लिए साझा खतरा है। इससे निपटने के लिए संयुक्त प्रयास जरूरी हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय मुताबिक घटनास्थल पाकिस्तान की सीमा से करीब 230 किलो मीटर दूर है। मारे गए सभी आठों लोग पंजाब के बहावलपुर शहर के निवासी थे। मृतकों की पहचान दिलशाद, उनके बेटे मोहम्मद नईम, जफर, दानिश, नासिर के रूप में हुई है। तीन अन्य के नामों का पता किया जा रहा है।

सिंगापुर में होने जा रहे आम चुनाव बजेगा भारतीयों का डंका, चुनाव भी लड़ेंगे

सिंगापुर। भारतीय समुदाय के युवाओं के साथ संवाद के दौरान सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा

कि आप (भारतीय समुदाय) एक छोटा समुदाय हो सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से सिंगापुर में आपका योगदान और आपका प्रभाव बिल्कुल भी छोटा नहीं है। वोंग ने व्यवसाय, उद्योग और लोक सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में भारतीय समुदाय के लोगों के योगदान को स्वीकारते हुए रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ 'पीपुल्स एक्शन पार्टी' (पीएपी) निश्चित रूप से आगामी आम चुनाव में भारतीय समुदाय के लोगों को भी उतारेगी। पीएपी ने 2020 के आम चुनाव में 27 नए चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा था लेकिन इनमें एक भी भारतीय मूल का उम्मीदवार नहीं था जिसके बाद संसद में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल उठने लगे थे। वोंग के हवाले से कहा, वास्तव में, मैं कहूंगा कि आप पहले से ही सिंगापुर की भावना का प्रतिबिंब हैं। आपकी कहानी सिंगापुर की कहानी है। वोंग ने सिंगापुर में व्यापार, उद्योग और सरकार सहित कई क्षेत्रों में देश के लिए भारतीयों के योगदान को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आगामी चुनाव के लिए पीएपी से नए भारतीय उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा लेकिन उन्होंने इस बारे में ज्यादा विवरण नहीं दिया और न ही किसी का नाम बताया। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, हाल में नेताओं के साथ देखे गए नए चेहरों में 'एजेंसी फॉर इंटीग्रेटेड केयर' के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश वासु दास, 'लॉ फर्म टीटो इसाक एंड कंपनी' के प्रबंध भागीदार कवल पाल सिंह, ट्रेड यूनियन में बड़ा चेहरा जगतीश्वरन राजो और भारतीय ऑर्थोपेडिक सर्जन हामिद रजाक शामिल हैं।सिंगापुर में 2024 में सिंगापुर की आबादी में भारतीय मूल के लोग 7.6 फीसदी थे, जबकि मलेशिया के 15.1 फीसदी और चीन के 75.6 फीसदी थे।

अमेरिका-चीन के टैरिफ वॉर से रिश्तों में बढ़ रही दरार, दुनिया को हो रहा नुकसान

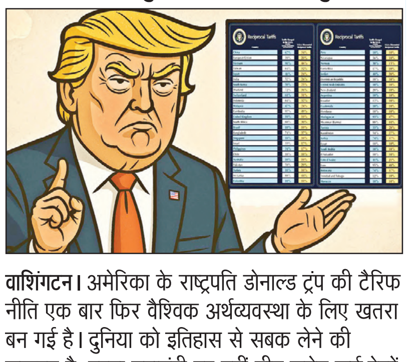

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बन गई है। दुनिया को इतिहास से सबक लेने की जरूरत है, वरना महामंदी दूर नहीं चीन समेत कई देशों पर टैरिफ लगाकर ट्रंप ने ट्रेड वॉर छेड़ दिया है, उससे न केवल अमेरिका-चीन रिश्तों में दरार बढ़ रही है, बल्कि भारत जैसे विकासशील देश भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। ट्रंप के मुताबिक ये फैसले लिबरेशन डे हैं, लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो ये रिसेशन डे साबित हो सकते हैं। दुनिया को इतिहास से सबक लेने की जरूरत है, वरना हम एक और महामंदी की तरफ बढ़ रहे हैं। ट्रंप ने 2025 में चीन, भारत, इजराइल समेत दर्जनों देशों पर टैरिफ लगाए, जिससे वैश्विक निवेश, उपभोक्ता विश्वास और व्यापार पर असर पड़ा। चीन पर टैरिफ बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया। वहीं चीन ने भी ट्रंप पर जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी उत्पादों पर बराबर का टैक्स लगा दिया।

नेपाल : प्रचण्ड का दावा- जल्द टूटेगा गठबंधन ओली ने कहा, ये प्रचंड का दिवास्वप्न

मओवादी के अध्यक्ष ने दिया नेपाली कांग्रेस को समर्थन देने का प्रस्ताव

काठमांडू, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

नेपाल के नए साल पर शुभकामना देते हुए माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने दावा किया कि नए साल में देश को नई सरकार और नया गठबंधन देखने को मिलेगा। तत्काल इसका जवाब देते हुए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि सरकार बदलने की बात दिवास्वप्न से अधिक कुछ नहीं है। नेपाल के प्रमुख प्रतिपक्षी दल माओवादी के अध्यक्ष प्रचण्ड ने नेपाली नव वर्ष पर देशवासियों को शुभकामना संदेश देते हुए नए साल में देश की जनता को नई सरकार और नए गठबंधन की सौगात मिलने की बात कही है। सोमवार को जारी अपने वीडियो संदेश में प्रचण्ड ने सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा को ओली सरकार का साथ छोड़ कर खुद के नेतृत्व में सरकार बनाने का ऑफर दिया है। प्रचण्ड ने देउवा को कहा है कि देश को निराशा के गर्त से बाहर लाने के लिए यह आवश्यक है कि नेपाली कांग्रेस नई सरकार का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा कि माओवादी पार्टी देउवा को प्रधानमंत्री बनाने के लिए बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा करता है। यदि कांग्रेस पार्टी चाहेगी तो वो सरकार में शामिल हो सकते हैं, लेकिन अगर वो नहीं चाहे तो बाहर से भी उस सरकार को समर्थन करने को तैयार हैं। प्रचण्ड ने विश्वास व्यक्त किया कि देश की जनता को नए साल पर जल्द ही नई सरकार देखने को मिलेगी। माओवादी अध्यक्ष के इस खुल्लम खुल्ला ऑफर पर नेपाली कांग्रेस के तरफ से तो कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सत्ता का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पलटवार किया है। मंगलवार को राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए ओली ने कहा कि प्रचण्ड सरकार बदलने का दिवास्वप्न देख रहे हैं। जब से सत्ता से बेदखल हुए हैं तब से प्रचंड के अंदर दोबारा सत्ता में आने की छटपटी दिखाई दे रही है।ओली ने दावा किया कि विपक्षी नेता चाहे जितनी कोशिश कर लें, लेकिन न तो सरकार बदलने वाली है और न ही गठबंधन बदलने वाला है।

भारतीय पर्यटकों को नेपाल में प्रवेश पर नहीं हो कोई दिक्कतः बद्री प्रसाद पांडे

काठमांडू। नेपाल के पर्यटन मंत्री बद्री प्रसाद पांडे ने कहा कि भारतीय पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। सीमा पर स्थित प्रवेश द्वारों पर भारतीय पर्यटकों को कोई दिक्कत नहीं हो, इसके लिए एकीकृत प्रणाली के मुताबिक सुरक्षा जांच करने, गाड़ियों का शुल्क लेने और अन्य सभी जरूरी प्रक्रिया पूरा करने का कहा गया है। नेपाल जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या कम होने पर दिए गए निर्देश पर्यटन मंत्री ने बताया कि तीन स्तर की सुरक्षा जांच की व्यवस्था को खत्म करते हुए एक ही बार में सुरक्षा, गाड़ी के पास की व्यवस्था और टैक्स लेने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश नेपाल के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा और कस्टम ऑफिस को भेज दिए गए हैं। नेपाल सरकार की तरफ से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी भारतीय पर्यटक के नेपाल आगमन पर उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही सभी प्रदेश सरकारों और स्थानीय निकाय को भी यह निर्देश दिया गया है कि वह भारतीय पर्यटकों से स्थान स्थान पर लिए जाने वाले टैक्स की वसूली को बंद करें। नेपाल के गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय तथा पर्यटन मंत्रालय ने सोमवार को नेपाली नव वर्ष के अवसर पर संयुक्त रूप से एक दिशा निर्देश जारी करते हुए सभी सीमावर्ती क्षेत्रों को साफ निर्देश दिए हैं। कहा है कि सड़क मार्ग से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय पर्यटकों को बिना किसी परेशानी के नेपाल में आने की सुविधा प्रदान की जाए। गौरतलब है कि नेपाल के कुल पर्यटकों में 60प्रतिशत से अधिक भारतीय पर्यटकों की संख्या होती है। नेपाल आने वाले कुल भारतीय पर्यटकों में से करीब 80प्रतिशत पर्यटक सड़क मार्ग से नेपाल घूमने आते हैं। इस समय भारतीय पर्यटकों के नेपाल आगमन पर तीन स्तर की सुरक्षा जांच तथा तीन स्तर का ही टैक्स लिया जाता है, जिससे भारतीय पर्यटकों को परेशानी तो होती ही है साथ ही उनकी संख्या में भी कमी आने लगी है।

बौनी गैलेक्सी स्मॉल मैगेलैनिक क्लाउड का अस्तित्व संकट में

वॉशिंगटन,15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

जापानी वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाली खगोलीय घटना के सबूत खोजे हैं। इन सबूतों से ऐसा प्रतीत होता है कि हमारी आकाशगंगा के सबसे निकट स्थित बौनी गैलेक्सी स्मॉल मैगेलैनिक क्लाउड (एसएमसी) का अस्तित्व संकट में है। जापान की नागोया यूनिवर्सिटी के खगोलविद केंगो ताचिहारा और उनकी टीम ने यूरोपीय स्पेस एजेंसी के गैया स्पेसक्राफ्ट से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया और पाया कि एसएमसी को उसका बड़ा पड़ोसी लॉर्ज मैगेलैनिक क्लाउड (एलएमसी) धीरे-धीरे नष्ट कर रहा है।

पृथ्वी से लगभग दो लाख प्रकाश वर्ष दूर स्थित एसएमसी और एलएमसी के साथ मिल्की वे के चारों ओर परिक्रमा कर रहा है।

पहले माना जा रहा था कि अरबों वर्षों बाद ये दोनों गैलेक्सियां मिल्की वे में विलीन हो जाएंगी, लेकिन अब यह अनुमान और भी भयावह साबित हो सकता है। गैया स्पेसक्राफ्ट द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर वैज्ञानिकों ने एसएमसी के भीतर मौजूद 7,000 तारों की गति का अध्ययन किया। विश्लेषण में यह पाया गया कि इन तारों की गति सामान्य नहीं है। वे गैलेक्सी के दोनों ओर विपरीत दिशाओं में जा रहे हैं, मानो कोई उन्हें दो दिशाओं में खींच रहा हो। कुछ तारे एलएमसी की ओर बढ़ रहे हैं जबकि कुछ उससे दूर। यह असमान्य गतिविधि इस बात की ओर इशारा करती है कि एलएमसी का गुरुत्वाकर्षण एसएमसी पर हावी हो रहा है और यह उसे धीरे-धीरे खींचते हुए नष्ट कर रहा है। इसके अलावा शोध में यह भी पाया गया कि एसएमसी के तारे अपने गैलेक्सी के अक्ष के चारों ओर नहीं घूम रहे हैं, जो गैलेक्सी संरचना की हमारी पारंपरिक समझ को चुनौती देता है। एसएमसी और एलएमसी का अध्ययन वैज्ञानिकों के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि ये गैलेक्सियां उस युग की याद दिलाती हैं जब ब्रह्मांड नया-नया बना था। इनमें भारी धातुओं की कमी है और इनकी संरचना भी साधारण है।

भारत का शाही हीरा 14 मई को जिनेवा में होगा नीलाम

भारत की कभी शान रहा शाही हीरा गोलकोंडा ब्लू पहली बार जिनेवा में नीलाम होने जा रहा है। इसकी नीलामी 14 मई को जिनेवा में क्रिस्टीज कंपनी करेगी। इसकी कीमत करीब 36 से 48 मिलियन डालर (300 से 400 करोड़ रुपये) के करीब आंकी जा रही है। क्रिस्टीज कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक यह 23.24 कैरेट का चमकदार नीला नायाब हीरा है। इसे पेरिस के एक डिजाइनर ने अंगूठी में जड़ा है। नीलामी को लेकर जिनेवा में तैयारी की जा रही हैं। यह हीरा पूर्व में भारत के इंदौर और बड़ौता महाराजाओं के पास था। लेकिन कालांतर में किसी तरह जिनेवा जा पहुंचा।

हर 3,000 में से एक व्यक्ति के शरीर में होता है खराब जीन: शोध

लंदन,15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

हर 3,000 में से एक व्यक्ति के शरीर में एक खराब जीन होता है, जिससे उनके फेफड़े फटने का खतरा बढ़ जाता है। इसको 'न्यूमोथोरैक्स' कहा जाता है, जो फेफड़ों से हवा के रिसाव के कारण होता है। इस बीमारी के कारण फेफड़ा पिचक सकता है, जिससे गंभीर दर्द और सांस लेने में तकलीफ होती है।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने 5.5 लाख से अधिक लोगों पर अध्ययन कर यह निष्कर्ष निकाला है। उन्होंने पाया कि हर 2,710 से 4,190 लोगों में से एक में एफएलसीएन नामक जीन का एक दुर्लभ रूप होता है, जो बर्ट-हॉग-डुबे सिंड्रोम नामक आनुवंशिक बीमारी की ओर इशारा करता है। यह बीमारी न केवल फेफड़ों में गांठें (सिस्ट) बनाती है, बल्कि किडनी कैंसर का खतरा भी कई गुना बढ़ा देती है।

अध्ययन के अनुसार, जिन मरीजों को यह सिंड्रोम था, उनमें जीवनभर फेफड़े फटने का जोखिम 37प्रतिशत तक देखा गया। वहीं, सिर्फ एफएलसीएन जीन में बदलाव वाले लोगों में यह खतरा घटकर 28प्रतिशत रह गया। किडनी कैंसर के मामले में, बर्ट-हॉग-डुबे सिंड्रोम से ग्रसित लोगों में यह खतरा 32प्रतिशत था, जबकि केवल इस जीन वाले लेकिन स्वस्थ लोगों में यह महज 1प्रतिशत पाया गया। प्रोफेसर मार्सिनियाक का कहना है कि यह देखकर हैरानी होती है कि केवल खराब जीन वाले लोगों में बीमारी का खतरा अपेक्षाकृत कम है, जिससे संकेत मिलता है कि बीमारी के लिए अन्य कारक भी जिम्मेदार हो सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि लंबे और दुबले-पतले युवा पुरुषों में फेफड़ा पंक्चर होने की संभावना अधिक होती है, हालांकि अधिकांश मामलों में यह समस्या अपने आप ठीक हो जाती है। अगर कोई व्यक्ति सामान्य लक्षणों के बिना इस समस्या से जूझता है, तो डॉक्टर एमआरआई की मदद से फेफड़ों में मौजूद गांठों की जांच करते हैं। यदि बर्ट-हॉग-डुबे सिंड्रोम की पुष्टि हो जाए, तो इससे परिवार के अन्य सदस्यों में भी किडनी कैंसर का जोखिम पहचाना जा सकता है।

यूरोपीय संघ को अमेरिका से जासूसी का खतरा, रखेंगे बर्नर फोन

बेल्जियम,15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच संबंधों में दरार की आशंका पैदा हो गई है। इसलिए यूरोपीय संघ के वरिष्ठ अधिकारी जब अमेरिका का दौरा करेंगे तो वह सुरक्षा के लिहाज से बर्नर फोन और साधारण लैपटाप का ही इस्तेमाल करेंगे। यह कदम अमेरिका द्वारा संभावित जासूसी की आशंका को देखते हुए उठाया गया है।

अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच खासे अच्छे संबंध रहे हैं। लेकिन जब से डोनाल्ड ट्रम्प दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, तब से कुछ अविश्वास की दरार देखी जा रही है। इसके पीछे अहम वजह ट्रम्प द्वारा नाटो सहयोगियों की आलोचना करना, रूस के प्रति नरम रूख अपनाना और व्यापारिक टैरिफ माने जा रहे हैं। इसके अलावा हाल में ही सिंग्नल मैसेजिंग प्लेट फार्म पर ट्रम्प प्रशासन के उच्च अधिकारियों की बातचीत लीक होने से अविश्वास और गहरा होता दिखाई दे रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय कमीशन ने अपने अधिकारियों को सलाह दी है कि वह अमेरिका जाते समय अपने नियमित मोबाइल फोन और डिवाइस की जगह डिस्पोजेबिल बर्नर फोन व बेसिक लैपटाप का ही प्रयोग करें। डर है कि अमेरिकी प्रशासन उनकी संवेदनशील जानकारी तक पहुंच सकता है। यूरोपीय अधिकारी जब भी बैठकों में शामिल होंगे तो इन फोनों का ही प्रयोग करेंगे। जिससे उनकी जानकारी सुरक्षित रह सके। गौरतलब है कि पहले यह सावधानी चीन और यूक्रेन जैसे देशों की यात्रा के दौरान ही अपनाई जाती थी।

युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा सबसे गंभीर मानवीय संकट का कर रहा सामना : संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को चेतावनी दी कि गाजा में मानवीय स्थिति युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे गंभीर अवस्था में पहुंच गई है। विश्व निकाय के अनुसार, बीते डेढ़ महीने से गाजा पट्टी में कोई भी मानवीय सहायता नहीं पहुंची है, जिससे हालात तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय मामलों की समन्वय इकाई (ओसीएचए) ने अपने बयान में कहा, 18 महीने पहले जब से संघर्ष शुरू हुआ था, तब से लेकर अब तक की यह सबसे गंभीर मानवीय स्थिति है। ओसीएचए के अनुसार, गाजा में खाद्य सामग्री, चिकित्सा आपूर्ति और साफ पानी की भारी किल्लत है। अस्पतालों में दवाइयों की कमी के कारण हजारों घायल मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा है, वहीं भूख और कुपोषण के कारण बच्चों की स्थिति बेहद चिंताजनक होती जा रही है। ओसीएचए ने यह भी बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले दो महीने की संघर्षविराम अवधि समाप्त होने के बाद इजराइल ने सहायता सामग्री की आपूर्ति पूरी तरह रोक दी थी। इसके कारण राहत एजेंसियों को गाजा में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर हालात के बीच संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने सभी पक्षों से अपील की है कि मानवीय सहायता को तत्काल बहाल किया जाए और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

सलीमा की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी इंडिया इसी माह पांच मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। हॉकी इंडिया ने इस दौरे के लिए पांच नये खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। भारतीय टीम इस दौरे में 26 अप्रैल से चार मई तक ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में खेलेगी। इस दौरे से नये खिलाड़ियों को भी अपने को साबित करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम भारत इस दौरे में पहले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए से खेलेगी और उसके बाद तीन मैच ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से खेलेगी। सभी पांच मैच पर्थ स्टेडियम में ही खेले जाएंगे।

इस दौरे से टीम को जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के टीम के यूरोपीय चरण की तैयारी के लिए भी अवसर मिलेगा। इस बार टीम में पांच खिलाड़ियों ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को पहली बार शामिल किया गया है। इस प्रकार टीम में अनुभवी और नए खिलाड़ी दोनो ही शामिल हैं। टीम की कप्तानी जहां सलीमा टेटे के पास रहेगी। वहीं अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी।

अनुभवी सविता और युवा बिचू देवी खारीबाम गोलकीपर रहेंगी जबकि रक्षा पंक्ति में ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता कुजूर, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना कुजूर और साक्षी राणा शामिल हैं। मध्य पंक्ति की कमान कप्तान टेटे, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, महिमा टेटे, पूजा यादव और लालरेम्सियामी पर होगी।

नवनीत कौर, दीपिका, रुताजा दादासो पिसल, मुमताज खान, बलजीत कौर, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगी। बंसारी सोलंकी (गोलकीपर), अंजना डुंडुंग और लालथंटलुआंगी (डिफेंडर), साक्षी शुक्ला और खैदेम शिलेमा चानू (मिडफील्डर) तथा मोनिका टोप्पो और सोनम (फॉरवर्ड) को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में रखा गया है।

टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि इस दौर से टीम को अपनी कमजोरियों को जानकर उन्हें दूर करने का अवसर मिलेगा। साथ ही कहा कि हमने संतुलित टीम का चयन किया है जो अनुभव और युवा खिलाड़ियों से भरी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर मैग्नस कार्लसन ने पेरिस खिताब किया अपने नाम

नई दिल्ली। शतरंज की दुनिया के दिग्गज मैग्नस कार्लसन ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर के पेरिस चरण का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल के दूसरे चरण में उन्होंने हिकारु नाकामुरा से ड्रॉ खेला और टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल करते हुए 2,00,000 डॉलर (करीब 1.66 करोड़ रुपये) की इनामी राशि अपने नाम की। नाकामुरा ने की आक्रामक शुरुआत, कार्लसन ने दिखाई शानदार वापसी फाइनल के निर्णायक मैच में हिकारु नाकामुरा ने सफेद मोहरों से खेल की शुरुआत की। शुरुआती चरण में नाकामुरा ने आक्रामक रणनीति अपनाई और कार्लसन के द्ब8 घर पर खड़े ऊंट (बिशप) को मात दी। हालांकि, नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी ने तेजी से जवाबी हमला करते हुए अपने घोड़े और हाथी (नाइट और रूख) की मदद से नाकामुरा की रणनीति पर पानी फेर दिया। 41 चालों के बाद तय हुआ मुकाबला, कार्लसन बने चैंपियन दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी रोचक रहा। मिडगैम में लगातार मोहरे बदले गए और दोनों खिलाड़ियों ने बराबरी का खेल दिखाया। आखिरकार 41 चालों के बाद दोनों ने ड्रॉ पर सहमति जताई, जिसके साथ ही मैग्नस कार्लसन टूर्नामेंट के विजेता बन गए। भारतीय खिलाड़ियों का भी शानदार प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में भारत के युवा ग्रैंडमास्टरों ने भी दम दिखाया। आर. प्रज्ञानानंद ने रिचर्ड रैपोर्ट को हराकर नौवां स्थान हासिल किया।

आईपीएल 2025: सनराइजर्स हैदराबाद ने एडम जाम्पा की जगह रविचंद्रन स्मरण को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जाम्पा के चोटिल होने के बाद उनकी जगह कर्नाटक के युवा बल्लेबाज़ रविचंद्रन स्मरण को अपनी टीम में शामिल किया है। 30 लाख की बेस प्राइस पर एसआरएच से जुड़े स्मरण 21 वर्षीय रविचंद्रन स्मरण को सनराइजर्स हैदराबाद ने 30 लाख रुपये की बेस प्राइस पर अपनी टीम में जगह दी है। स्मरण एक बाएं हाथ के बल्लेबाज़ हैं, जिन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक सात फर्स्ट क्लास मैचों में 64.50 की औसत से 500 से ज़्यादा रन बनाए हैं, जिसमें पंजाब के खिलाफ एक दोहरा शतक भी शामिल है। लिस्ट-ए और टी20 में भी दमदार प्रदर्शन स्मरण ने 2024 में लिस्ट-ए क्रिकेट में डेब्यू किया था और अब तक 10 मैचों में 72.16 की औसत से 433 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक भी शामिल हैं। वहीं, उन्होंने छह टी20 मैचों में 170 की स्ट्राइक रेट से 170 रन बनाए हैं। हैदराबाद पॉइंट्स टेबल में निचले पायदान पर फिलहाल, आईपीएल 2025 की अंक तालिका में सनराइजर्स हैदराबाद अंकतालिका में निचले पायदान पर है और प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए इन्हें हर मैच में जीत हासिल करनी होगी।

आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

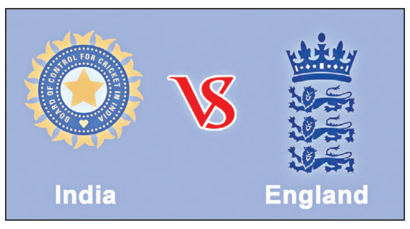

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम का आगे का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। टीम को आईपीएल के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत होगी। भारतीय टीम इस बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में नहीं पहुंच पाई है इसलिए उसका लक्ष्य नये सत्र की अच्छी शुरुआत करना रहेगा। इसके अलावा भारतीय टीम 18 साल के अंतराल के बाद पटौदी ट्रॉफी भी जीतना चाहेगी क्योंकि 2021-22 में वे इसे बहुत कम अंतर से हार गए थे। यह सीरीज रेड-बॉल क्रिकेट में देश के लिए नई शुरुआत भी कर सकती है क्योंकि 2024-25 सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इसमें एक नया कप्तान टीम की कमान संभाल सकता है। वहीं सफेद गेंद क्रिकेट में ध्यान टी20आई क्रिकेट पर रहेगा क्योंकि 2026 टी20 विश्व कप अगला आईसीसी टूर्नामेंट है। भारत का लक्ष्य इसमें अपने घरेलू मैदान पर अपने खिताब की रक्षा करना होगा। इस प्रतियोगिता की सह मेजबानी श्रीलंका भी करेगा।

पंजाब किंग्स ने रोमांचक मैच में कोलकाता को 16 रनों से पीटा

युजवेंद्र चहल के इशारों पर नाची कोलकाता

मुल्लांपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में लो-स्कोरिंग थ्रिलर देखने को मिला। पंजाब किंग्स ने आईपीएल इतिहास का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड करते हुए जीत हासिल कर ली है। कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मैच में पहले खेलते हुए पंजाब की पारी 111 रनों पर सिमट गई थी। एक समय केकेआर का स्कोर 8वें ओवर में 2 विकेट पर 63 रन था। यहां से वापसी करते हुए पंजाब किंग्स ने केकेआर की पारी को 95 रनों पर समेट दिया। इस तरह पंजाब ने 16 रनों से जीत हासिल कर इतिहास रच दिया। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2009 में पंजाब के खिलाफ 116 रन बनाने के बाद जीत हासिल की थी।पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर की अपने घरेलू मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने की रणनीति उल्टी पड़ गई क्योंकि सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (22) और प्रभसिमरन सिंह (30) को छोड़कर उनके सभी बल्लेबाज घरेलू मैदान पर संघर्ष करते दिखे। इन दोनों के अलावा केवल नेहल वढेरा (10), शशांक सिंह (18) और जेवियर बार्टलेट (11) ही दोहरे अंक में रन बना सकें। केकेआर के लिए हर्षित राणा (25 रन पर तीन विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे, जबकि वरुण चक्रवर्ती (21 रन पर दो विकेट) और सुनील नारायण (14 रन पर दो विकेट) ने दो-दो सफलता हासिल की।

चौथे ओवर में गेंदबाजी के लिए आये हर्षित ने पहली गेंद पर छक्का खाने के बाद तीन गेंद के अंदर आर्य और कप्तान कप्तान श्रेयस अय्यर (शून्य) को चलता कर केकेआर की शानदार वापसी कराई। पंजाब की खराब बल्लेबाजी इसके बाद भी जारी रही और जोश इंग्लिस (दो) को चक्रवर्ती ने बोल्ड कर दिया। प्रभसिमरन पर इन विकेटों का कोई असर नहीं हुआ और इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने छठे ओवर में हर्षित की गेंदों पर लगातार दो छक्के जड़े। वह हालांकि दो गेंद बाद ही इस गेंदबाज का तीसरा शिकार बने।पावरप्ले में टीम 54 रन पर चार विकेट गंवा कर मुश्किल में थी और पारी को संवारने की जिम्मेदारी अनुभवी ग्लेन मैक्सवेल (7) और वढेरा पर थी। दोनों ने दो ओवर संभल कर बल्लेबाजी की लेकिन नोर्किया ने अपने दूसरे स्पेल में वढेरा को पवेलियन की राह दिखा दी। मैक्सवेल का खराब फॉर्म जारी रहा जो चक्रवर्ती का शिकार बने। शशांक और बार्टलेट ने नौवें विकेट के लिए 23 रन की साझेदारी के साथ टीम को 100 रन के पार पहुंचाया लेकिन दोनों तीन गेंद के अंदर आउट हो गये। शशांक को अरोड़ा ने पगबाधा किया तो वही बार्टलेट के रन आउट होने से पंजाब की पारी सिमट गयी।लक्ष्य का पीछा करने उतरे केकेआर की शुरुआत खराब रही। पहले ही ओवर में मार्को यानसेन ने सुनील नरेन को बोल्ड कर दिया।

दूसरे ओवर में क्विंटन डिकॉक भी आउट हो गए। 7 रन पर दो विकेट गिरने के बाद अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने पारी संभाली। दोनों ने टीम के स्कोर को 50 के पार पहुंचा दिया। 8वें ओवर में जब कप्तान अजिंक्य रहाणे (17) आउट हुए तो केकेआर का स्कोर 62 रन था। उन्हें युजवेंद्र चहल ने एलबीडब्ल्यू किया। रहाणे डीआरएस लेते तो बच जाते।

इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। अंगकृष 37 रन बनाकर चहल की गेंद पर ही आउट हुए। ग्लेन मैक्सवेल ने वेंकटेश अय्यर का विकेट लिया। चहल ने लगातार दो गेंद पर रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह को आउट कर केकेआर का स्कोर 76 रन पर 7 विकेट कर दिया।

बार्सिलोना ओपन 2025 : रूब्लेव और रूने ने अंतिम 16 में बनाई जगह

बार्सिलोना, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

सोमवार को खेले गए बार्सिलोना ओपन 2025 के मुकाबलों में विश्व नंबर 8 आंद्रे रूब्लेव और डेनमार्क के होल्गर रूने ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम 16 में अपनी जगह बना ली। रूब्लेव ने डी जोंग को दी करारी शिकस्त रूसी स्टार आंद्रे रूब्लेव ने पहले दौर में डच खिलाड़ी जैस्पर डी जोंग को 6-1, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट में शानदार आगाज किया।

बीते कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे रूब्लेव ने इस मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाया। पहले सेट में 5वें गेम में ब्रेक गंवाने के बाद रूब्लेव ने अगले छह गेम अपने नाम करते हुए सेट आसानी से जीत लिया।

दूसरे सेट में रूब्लेव ने 3-2 की बढ़त बनाई और अंत में डी जोंग की एक लंबी शॉट पर मैच अपने नाम कर लिया। बता दें कि रूब्लेव ने हाल ही में पूर्व वर्ल्ड नंबर वन मारात सफिन को अपना कोच नियुक्त किया है।

रूने ने भी किया शानदार प्रदर्शन

दिन के पहले मुकाबले में डेनमार्क के होल्गर रूने ने स्पेन के अनुभवी खिलाड़ी और संन्यास की घोषणा कर चुके अल्बर्ट रामोस-विनोलस को 7-5, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। पिछले हफ्ते मोंटे कार्लो मास्टर्स से फूड पॉइजनिंग के चलते हटने वाले रूने ने यहां 28 शानदार विनर्स लगाए।

मैच के बाद रूने ने कहा, मोनाको में खराब हफ्ते के बाद यहां अच्छी शुरुआत करना जरूरी था। मैं फिलहाल फिट और स्वस्थ महसूस कर रहा हूं, जो मेरे लिए सबसे बड़ी राहत है।

पैरालंपिक खेलों के लिए मशाल थामे हुए इटली के फिगर स्केटर केरोलिना व कैरोनी

ओसाका में 2026 विंटर व पैरालंपिक खेलों के लिए मशाल थामे हुए इटली के फिगर स्केटर केरोलिना कोस्टर व पैरालंपिक एथलीट मार्टिना कैरोनी।

ला लीगा 2024-25 : एटलेटिको मैड्रिड ने रियल वायडोलिड को 4-2 से हराया

मैड्रिड, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज़ के शानदार दो गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने ला लीगा मुकाबले में रियल वायडोलिड को 4-2 से मात देकर खिताबी दौड़ में अपनी उम्मीदें ज़िंदा रखी हैं। सोमवार रात मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में बारिश के बीच खेले गए इस मुकाबले में अल्वारेज़ ने दोनों गोल पेनल्टी से किए।

अल्वारेज़ के दो पेनल्टी गोल से मिली जीत

मैच की शुरुआत में ही रियल वायडोलिड ने 21वें मिनट में ममाडू सिल्ला के पेनल्टी गोल से बढ़त बना ली थी। लेकिन इसके बाद एटलेटिको ने वापसी की और 25वें मिनट में जूलियन अल्वारेज़ ने पेनल्टी से गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। चार मिनट बाद ही जुलियानो सिमियोन ने गोल कर एटलेटिको को 2-1 की बढ़त दिला दी।

वायडोलिड ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे हाफ में वायडोलिड ने भी दम दिखाया। 56वें मिनट में जावी सांचेज़ की फ्री किक को कॉनर गैलाघर के डिफलेक्शन ने गोल में तब्दील कर स्कोर 2-2 कर दिया। लेकिन एटलेटिको ने हार नहीं मानी और 71वें मिनट में फिर से पेनल्टी पर अल्वारेज़ ने गोल कर अपनी टीम को 3-2 से आगे कर दिया।

सॉरलॉथ ने किया मैच का फैसला

मैच के 79वें मिनट में अल्वारेज़ का हैट्रिक गोल करने का मौका भी आया, लेकिन वायडोलिड के गोलकीपर आंद्रे फरेरा ने उसका शॉट रोक लिया। हालांकि, इसके रिबाउंड पर एलेक्जेंडर सॉरलॉथ ने गोल कर स्कोर 4-2 कर दिया और टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

अल्वारेज़ बोले- महत्वपूर्ण तीन अंक

मैच के बाद अल्वारेज़ ने कहा, ये तीन अंक हमारे लिए बहुत अहम हैं। अब हमें अगले मैच पर ध्यान देना है। हैट्रिक का मौका था, लेकिन टीम की जीत ज्यादा ज़रूरी थी।

इस जीत के साथ एटलेटिको मैड्रिड के 63 अंक हो गए हैं और वह तीसरे स्थान पर बना हुआ है। वहीं, वायडोलिड की लगातार यह पांचवीं हार है और वह अब भी 16 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे है।

ऋषभ के बिश्नोई को अंतिम ओवरों में गेंदबाजी नहीं देने पर उठे सवाल

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

लखनऊ सुपर जाएंट्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में अपने घरेल मैदान पर ही हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत के अंतिम ओवरों में अपने स्पिनर रवि बिश्नोई का इस्तेमाल नहीं करने पर भी सवाल उठ रहे हैं।

इस मैच में जब सीएसके को जब अंतिम 4 ओवरों में 44 रनों की जरूरत थी तो सुपर जाएंट्स के कप्तान के पास बिश्नोई का एक ओवर था पर उन्हें नहीं दिया गया जबकि इस स्पिनर ने अपने पहले 3 ओवर में ही केवल 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी कप्तान ने उनकी जगह पर तेज गेंदबाजों -शार्दुल ठाकुर और आवेश खान को गेंदबाजी के लिए बुलाया और यही फैसला उन्हें भारी पड़ गया। मैच के बाद कप्तान ने कहा कि उन्होंने बिश्नोई के इस्तेमाल के लिए कई खिलाड़ियों से चर्चा की थी पर ऐसा हो नहीं पाया। पावरप्ले में हम अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पायेहैं हालांकि हम चीजों को वापस ला सकते हैं। एक टीम के तौर पर हम हर मैच से सकारात्मक चीजें लेना चाहते हैं और सुधार करने के प्रयास कर रहे हैं।

इस मैच में ऋषभ ने 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी पर उनका मानना है कि टीम ने 10-15 रन कम बनाए थे जिससे नुकसान हुआ। लखनऊ के कप्तान ने कहा, हमने 10 से 15 रन कम बनाये जबकि हमें साझेदारी बनाये रखनी थी। अगर हम 10 से 15 रन बनाने तो हालात अलग होते। मैं हर मैच के साथ बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन कभी-कभी यह काम नहीं आता। धीरे-धीरे अपनी लय में आ रहा हूं, एक बार में हर मैच पर ध्यान दे रहा हूं।

मुझे आईपीएल में पुराने अनुभवों का लाभ मिला : करुण नायर

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में शानदार पारी खेलकर वापसी करने वाले करुण नायर ने कहा है कि उन्हें अपने पुराने अनुभवों का लाभ मिला। इसलिए उन्हें सत्र के पहले मैच में कोई परेशानी नहीं आई। इसका कारण है कि वह मानसिक रुप से खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है । करुण तीन साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे, ऐसे उनके प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं जाहिर की जा रहीं थी। करुण ने 2022 में अंतिम बार आईपीएल खेला था। उसके बाद उन्हें अवसर नहीं मिला था हालांकि घरेलू क्रिकेट में इस बची उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वापसी के अपने पहले ही मैच में करण ने अपनी 89 रनों की पारी से सभी को प्रभावित किया। इस दौरान उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसो गेंदबाज पर भी जमकर शॉट लगाये। एक ओवर में बुमराह पर दो छक्के लगाने की क्षमा सभी में नहीं होती पर करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए। इस कारण उनका मनोबल बढ़ा हुआ था। करूण ने कहा, 'मुझे आईपीएल में पहले खेलने का लाभ मिला। इससे मुझे पता था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ भी नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी। बस मौके का इंतजार था। कुछ गेंद खेलकर फिर लय में आने की बात थी।

अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध में आया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को उन उत्पादों की सूची से बाहर कर दिया है, जिन पर हाल ही में 125 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया था। अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापार युद्ध में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अमेरिका की कस्टम और सीमा सुरक्षा एजेंसी ने एक नोटिस जारी कर टैरिफ कोड्स की सूची दी है, जिन पर अब आयात शुल्क नहीं लगेगा। इस सूची में कोड 8471 भी शामिल है, जो कंप्यूटर, लैपटॉप, डिस्क ड्राइव, सेमीकंडक्टर डिवाइस, मेमोरी चिप और फ्लैट पैनल डिस्प्ले जैसे उत्पादों पर लागू होता है। हालांकि, इस छूट के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं बताई गई है, लेकिन टेक जगत में इसे बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। इससे एपल, डेल और एनवीडिया जैसी टेक कंपनियों को सबसे अधिक फायदा होगा, जो अपने ज्यादातर उत्पाद चीन से मंगाती हैं। व्हाइट हाउस ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि इन उत्पादों को ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ से राहत दी जा रही है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया गया है कि सेमीकंडक्टर सेक्टर को लेकर जल्द ही एक नई राष्ट्रीय सुरक्षा व्यापार जांच शुरू की जाएगी, जिससे इस सेक्टर पर भविष्य में नए टैरिफ लग सकते हैं। इस फैसले से यह भी संकेत मिलता है कि ट्रंप प्रशासन को अब टैरिफों के कारण आम जनता पर पड़ रहे असर का अंदाजा होने लगा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर टैरिफ 54 प्रतिशत भी लगाए जाते, तो आईफोन जैसे उत्पादों की कीमतें 2,300 डॉलर तक पहुंच सकती थीं, जिससे ये आम ग्राहकों की पहुंच से बाहर हो जाते। महंगाई पहले ही एक बड़ा चुनावी मुद्दा बन चुकी है और ट्रंप इस बार राष्ट्रपति चुनाव में महंगाई को कम करने का वादा कर चुके हैं। ऐसे में टेक प्रोडक्ट्स को टैरिफ से छूट देना एक राजनीतिक रणनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बीवायडी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। बीवायडी कंपनी ने 2025 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। वैश्विक स्तर पर कंपनी ने मार्च में 377,420 वाहन बेचे, जिससे क्यू 1 2025 में कुल बिक्री 990,711 यूनिट्स तक पहुंच गई। यह आंकड़ा क्यू 1 2024 के 624,398 यूनिट्स की तुलना में 58.7प्रतिशत अधिक है। मार्च में बेचे गए वाहनों में 371,419 पैसेंजर कारें शामिल थीं, जो फरवरी 2025 से 15प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में 23.1प्रतिशत अधिक है। वहीं कंपनी का उत्पादन भी इसी अवधि में 395,091 यूनिट्स तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 33प्रतिशत अधिक है। बीवायडी ने अप्रैल 2022 में आईसीई यानी इंटरनल कम्बशन इंजन वाले वाहनों का उत्पादन बंद कर दिया था और अब केवल बीईवी (बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल) और पीएचईवी (प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल) बेचती है। क्यू 1 2025 में कंपनी ने 416,388 बीईवी यूनिट्स बेचीं, जो क्यू1 2024 की 300,114 यूनिट्स से 39प्रतिशत अधिक है। हालांकि, बीईवी की कुल बिक्री हिस्सेदारी 42.2प्रतिशत रही, जो पिछले साल की पहली तिमाही में 48.1प्रतिशत थी। वहीं, पीएचईवी की बिक्री में जोरदार बढ़त देखी गई, जो क्यू 1 2025 में 569,710 यूनिट्स रही। यह क्यू 1 2024 के 324,284 यूनिट्स से 76 प्रतिशत अधिक है, और इनका कुल बिक्री में हिस्सा 57.8प्रतिशत रहा। बीवायडी ने साल 2023 में 3 मिलियन वाहन बेचे थे और 2024 में यह आंकड़ा 4.3 मिलियन तक पहुंचा। अब कंपनी को उम्मीद है कि 2025 में यह संख्या 5.5 मिलियन और 2026 में 6.5 मिलियन तक पहुंच जाएगी। मार्च 2025 तक बीवायडी की कुल इलेक्ट्रिक व्हीकल बिक्री 11.6 मिलियन यूनिट्स को पार कर गई है।

ट्रेड वार के कारण सोना बना सकता हैं नए रिकॉर्ड, 4,500 डॉलर प्रति औंस पहुंच सकती हैं कीमत

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड वार के कारण गोल्ड की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़कर 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं, जो कि मौजूदा भाव 3,247 डॉलर प्रति औंस से करीब 38 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी विदेशी निवेश बैंक गोल्डमैन सैश के दवारा दी गई। सैश ने बढ़ते अमेरिकी-चीन व्यापार युद्ध और मंदी की आशंकाओं का हवाला देकर कहा कि अत्यधिक जोखिम की स्थिति में 2025 के अंत तक गोल्ड की कीमतें 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं। इसके अलावा, वित्तीय फर्म ने कहा कि 2025 के अंत के गोल्ड के टारगेट में तीसरी बार बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले विदेशी बैंक ने गोल्ड की कीमत के टारगेट को बढ़ाकर 3,300 डॉलर प्रति औंस किया था। विदेशी फर्म ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध में वृद्धि के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ी चिंताओं के कारण मंदी से बचाव के लिए गोल्ड की मांग में उछाल आया है। गोल्ड की कीमतों में बीते हफ्ते 6.5 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है। इसकी वजह राष्ट्रपति ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ से वैश्विक स्तर पर बढ़ती अस्थिरता है, जिससे गोल्ड की कीमतों को सहारा मिल रहा है।

यूपी बन रहा मैन्युफैक्चरिंग हब, बांग्लादेश से शिफ्ट हो रहा कपड़ा व्यापार

नई दिल्ली। यूपी मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है। नोएडा में फैक्टरियां खुल रही हैं। बांग्लादेश का कपड़ा व्यापार यूपी शिफ्ट हो रहा है। ऐपल के लिए आईफोन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक कॉन्ट्रैक्ट

मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन ने भी उत्तर भारत में अपना पहला प्लांट लगाने के लिए यूपी का चयन किया है। कंपनी ग्रेटर नोएडा में बड़ा प्लांट लगाना चाहती है। यह प्लांट यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे 300 एकड़ जमीन पर बनाने की योजना है। बेंगलुरु फैक्टरी फॉक्सकॉन की दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी फैक्टरी है। फॉक्सकॉन इस समय तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में काम कर रही है। नोएडा का क्लस्टर आज चेन्नई की तरह बढ़ता हुआ मैन्युफैक्चरिंग हब बनता जा रहा है, जहां मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, स्थानीय प्रतिभा और कई सप्लायर्स की मौजूदगी है। इस वजह से ही फॉक्सकॉन की इस पर नजर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्र सरकार ने पिछले साल इंडस्ट्रियल पार्क के लिए 300 एकड़ जमीन देने का प्रस्ताव दिया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

खूबसूरत मेघना...

साथ निकाह करने का दबाव दिया जा रहा था। उससे इन्कार करने और सार्वजनिक मंच पर पोल खोलने की धमकी देने के कारण उनकी बेटी को गिरफ्तार किया गया है। मानवाधिकार संगठनों ने मेघना की गिरफ्तारी की निंदा की है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस गिरफ़्तारी को कठोर बताते हुए कहा कि मेघना आलम तत्काल रिहा करने की मांग की है। यहां तक कि बांग्लादेश की नई सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नजरुल ने भी कहा है कि यह गिरफ्तारी उचित नहीं है। पुलिस ने कहानी बनाई है कि मेघना आलम सऊदी अरब के राजदूत से पांच मिलियन डॉलर की रकम वसूलना चाहती थी। जबकि सच्चाई बांग्लादेश की खुफिया एजेंसियां और जानकार लोगों को पता है।

इस सच्चाई की थोड़ी सी झलक मेघना आलम के एक फेसबुक पोस्ट से मिलती है जिसमें मेघना आलम ने आरोप लगाया था कि मुहम्मद युसूफ उन्हें डरा रहे हैं और धमकी दे रहे हैं कि वे सच्चाई पोस्ट न करें। बाद में रहस्यमय तरीके से वह फेसबुक पोस्ट डिलीट कर दिया गया।

हाल के वर्षों में, बांग्लादेश की भू-राजनीतिक स्थिति बहुत संवेदनशील हो गई है, खासकर जब क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता और वैश्विक शक्ति गतिशीलता इसकी धरती पर एक दूसरे से टकराती है। ऐसी जटिलताओं के बीच, बांग्लादेश अब सऊदी अरब को निशाना बनाने वाली शत्रुतापूर्ण ताकतों द्वारा बिछाई गई बिसात का एक खतरनाक मोहरा बन गया है। बांग्लादेश ऐसे कदम उठा रहा है जो बांग्लादेश के राजनयिक संबंधों और उसके लाखों नागरिकों के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। बांग्लादेश में पूर्व सऊदी राजदूत इस्सा बिन यूसुफ अल दुहैलन को ब्लैकमेल करने के आरोप में एक अल्पज्ञात अभिनेत्री और मॉडल मेघना आलम की गिरफ्तारी एक आपराधिक मामला नहीं है, बल्कि यह सऊदी राजघराने की छवि को धूमिल करने और दोनों देशों के बीच संबंधों को अस्थिर करने के एक गहरे और अत्यधिक समन्वित साजिश का मामला है।

हाल ही में ढाका में हुई गिरफ्तारी के बाद एक अल्पज्ञात और विवादास्पद मॉडल मेघना आलम स्थानीय मीडिया और कुछ अंतरराष्ट्रीय अधिकार समूहों के बीच सुर्खियों में आ गई हैं। दिलचस्प और हास्यास्पद तथ्य यह है कि मेघना की गिरफ्तारी सऊदी अरब के राजदूत रहे इस्सा बिन यूसुफ अल-दुहैलन की मौखिक अनौपचारिक शिकायत पर की गई। यह आधिकारिक तौर पर बताया गया। मेघना को ढाका पुलिस की जासूसी शाखा ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने मीडिया को बताया कि खूबसूरत मेघना आलम ने अल-दुहैलन को फंसा कर उससे 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वसूली करने का प्रयास किया था। ढाका शहर के वतारा पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में, 58 वर्षीय समीर के नाम का भी उल्लेख है। लेकिन समीर रहस्यमय तरीके से गायब है। समीर महिलाओं को हनी-ट्रैप के तौर पर इस्तेमाल करने का पारंगत बताया जाता है, जिसका इस्तेमाल सत्ता से लेकर बड़े व्यापारिक अलमबरदार तक करते रहे हैं। लेकिन मेघना की गिरफ्तारी के बाद से समीर गायब है या उसे गायब कर दिया गया है।यह पहली बार नहीं है जब ढाका में सऊदी राजनयिक को निशाना बनाया गया है। 2012 में, बेहद परेशान करने वाली घटना हुई थी जब बांग्लादेश में सऊदी अरब के शाही दूतावास में नागरिक मामलों के प्रमुख के रूप में दो साल तक काम करने वाले वरिष्ठ राजनयिक खलफ अल अली की हत्या कर दी गई थी। खलफ अल अली को ढाका के राजनयिक सुरक्षा वाले खास इलाके गुलशन में गोली मार दी गई थी। इस हत्या ने दोनों देशों को झकझोर दिया था और द्विपक्षीय संबंधों पर काले बादल छा गए थे। विडंबना यह है कि राजनयिक की हत्या के मामले में एक मामूली अनपढ़ अपराधी सैफुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया और आनन-फानन उसे फांसी पर लटका दिया गया। कई विश्लेषकों, पत्रकारों, कानून विशेषज्ञों और कूटनयिकों ने उस सनसनीखेज हत्याकांड की जांच और कानूनी कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए। उस समय भी यह बात निकली थी कि पाकिस्तान के इशारे पर काम करने वाले बांग्लादेश सरकार के कुछ खास अफसरों ने यह हत्या कराई थी।उस हत्या के बाद ढाका और रियाद के बीच रिश्ते ठंडे पड़ गए थे। पाकिस्तान यही तो चाहता था। उस समय सऊदी अरब में रहने वाले बांग्लादेशी प्रवासियों में काफी चिंता थी उस समय उनकी संख्या 20 लाख से अधिक थी। वह बिगड़े रिश्ते काफी प्रयास के बाद सुधरे, लेकिन ताजा घटना ने उसे फिर से वहीं पहुंचाने का काम किया है।मेघना आलम से जुड़ा ताजा मामला उन तनावों को फिर से भड़काने की साजिश की ओर इशारा कर रहा है। हालांकि बांग्लादेश सरकार इस मामले को वर्तमान में विदेशी राजनयिक से जबरन वसूली की कोशिश करने वाले एक अपराध के रूप में पेश करने की पूरी कोशिश कर रही है। लेकिन इस घटना के व्यापक और गहरे संदर्भ अधिक परेशान करने वाली तस्वीर पेश कर रहे हैं। मेघना की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब अल-कायदा, आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों के सदस्यों सहित धार्मिक चरमपंथी सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को सार्वजनिक रूप से बदनाम कर रहे हैं। उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल की कठपुतली बता रहे हैं। बांग्लादेश में, इन चरमपंथियों ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस की छवि को सार्वजनिक रूप से अपवित्र करने का सहारा लिया है, जिसमें उनकी तस्वीर पर जूते मारना और इन कृत्यों के वीडियो ऑनलाइन अपलोड करना शामिल है। चौंकाने वाली बात यह है कि यूनुस शासन ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है, जिससे सरकार के यूनुस सरकार प्रति गंभीर संदेह पैदा हुए हैं।

खुफिया एजेंसियों का कहना है कि ढाका में ईरानी और कतर मिशन के सदस्य गाजा संघर्ष पर स्थानीय भावनाओं का फायदा उठाते हुए इन सऊदी विरोधी अभियानों को वित्तपोषित और प्रोत्साहित कर रहे हैं। क्राउन प्रिंस की इजरायली सैन्य अभियानों की कड़ी निंदा करने में उनकी कथित अनिच्छा के लिए कड़ी आलोचना की जा रही है। इसके अलावा मुहम्मद यूनुस की सलाहकार परिषद के कई सदस्य भी इस आलोचना में शामिल हो गए हैं, जिसमें सऊदी नेतृत्व को फिलिस्तीनी मुद्दे को त्यागने वाला बताया गया है।

ढाका में पाकिस्तानी मिशन की कथित भूमिका पर विचार करने पर स्थिति और भी भयावह हो जाती है। पाकिस्तान बांग्लादेश में डोनाल्ड ट्रम्प विरोधी और मोहम्मद बिन सलमान विरोधी गतिविधियों का गुप्त रूप से समर्थन कर रहा है, जिसका उद्देश्य रियाद-ढाका संबंधों को इस हद तक नुकसान पहुंचाना है कि सऊदी अरब वर्तमान में राज्य में 4.3 मिलियन बांग्लादेशी श्रमिकों के रोजगार को कम करने या समाप्त करने पर विचार कर सकता है।

हिंसा फैलाने में ...

उल्लेखनीय है कि इस्लामी कट्टरपंथियों ने मुर्शिदाबाद में वृद्ध हरिगोविन्द दास और उनके बेटे की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी थी। उनका परिवार भाग कर बड़ी मुश्किल से बंगाल सीमा पर झारखंड क्षेत्र में पहुंचा है। चंदन दास का परिवार एक एम्बुलेंस में छुप कर झारखंड पहुचा। चंदन दास के भतीजे हृदय दास के साथ 12 और लोग इस एम्बुलेंस में छुप कर साहिबगंज पहुंचे है।पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध में हुई इस्लामी हिंसा के चलते हिंदुओं का पलायन जारी है। बड़ी संख्या में हिंदू पश्चिम बंगाल से भाग कर झारखंड पहुंचे हैं। यह लोग इस्लामी कट्टरपंथियों से बचने के लिए अपने रिश्तेदारों के यहां भाग गए हैं। कई लोग बचने के लिए एम्बुलेंस आदि में छुपते हुए मुर्शिदाबाद से भागे हैं। झारखंड भागने वालों में हिंसा के दौरान मारे गए चन्दन दास के परिवार के लोग भी शामिल हैं। झारखंड के साहिबगंज, राजमहल और पाकुड़ समेत बाकी सीमाई इलाकों में बड़ी संख्या में हिंदू भाग कर आ रहे हैं।मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के चलते भाग कर पहुंची लिली मंडल ने बताया कि उनके यहां इस्लामी कट्टरपंथी गले पर धारदार हथियार रखते हैं। इसके बाद वह घरों में लूटपाट करते हैं। पीड़िता कल्पना साहा ने बताया है कि उनके घर में बेटियां हैं इसलिए सुरक्षा के चलते वह हिंसा के बाद भाग कर झारखंड आई हैं जहां उनके पिता का घर है। कल्पना ने बताया कि कट्टरपंथियों की हिंसा के चलते वह छुपने को भी मजबूर थे। एक और पीड़ित मौमिता मंडल ने बताया है कि बीएसएफ ने आने के बाद कई लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। एक और युवक ने बताया कि कट्टरपंथियों ने इतनी लूटपाट की है कि वह लोग सहम गए हैं।सबसे अधिक लोग मुर्शिदाबाद के धुलियान, सूती और शमशेरगंज से भागे हैं। धुलियान और शमशेरगंज के कई लोगों ने अपने घर की महिलाओं को भी रिश्तेदारों के यहां भेज दिया है। उन्होंने सुरक्षित रास्ते से रिश्तेदारों के यहां पहुंचाया है। पाकुड़ के अलावा राजमहल में भी बड़ी संख्या में परिवार पहुंचे हैं। इन्होने अपने जान परिचय वालों के यहां शरण लिए हैं। लगभग 170 परिवार झारखंड के राजमहल इलाके में मुर्शिदाबाद से पलायन करके पहुंचे हैं। पलायन करके झारखंड पहुंचे लोगों ने बताया है कि इस्लामी कट्टरपंथियों का उद्देश्य सिर्फ हिंदुओं को लूटना-मारना और महिलाओं के साथ दुराचार करना है। पलायन करने वालों में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिनके घर दुकान जलाए गए हैं।मुर्शिदाबाद से झारखंड पहुंचने वाले लोगों ने बताया है कि उन्हें अब बंगाल पुलिस पर भरोसा नहीं है और वहां वह सुरक्षित महसूस नहीं करते। लोग अपना सामान और घरबार छोड़ कर भागे हैं। पलायन करने वालों में एक भाजपा नेता का परिवार भी है। भाजपा नेता के भाई की दुकान पर हमला हुआ है। मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के बाद बड़ी संख्या में हिंदू अलावा बंगाल के ही मालदा भी पहुंचे हैं। इनमें से कई लोगों ने नदी पार करके मालदा के स्कूलों में शरण ली है। मालदा का परलालपुर इस समय सबसे बड़ा शरणार्थी कैम्प बन गया है। इसमें वर्तमान में 400-500 लोग रुके हुए हैं। यह सभी इस्लामी कट्टरपंथियों की हिंसा के बाद भागे हैं। यहां पहुंची एक पीड़ित ने बताया है कि उनके पास बस अब वही कपड़े बचे हैं, जो उन्होंने पहन कर रखे हैं। पीड़ित महिला ने बताया कि वह अपनी ही जमीन में शरणार्थी बन गए हैं।

पीड़ितों ने कहा है कि वह अब बीएसएफ का स्थायी कैम्प अपने इलाके में चाहते हैं। परलालपुर में पहुंचने वालों लोगों में से कई के घर जला दिए गए हैं। अब उन्हें इस स्कूल में स्थानीय लोग खाना खिला रहे हैं। उन्हें स्कूल के भीतर एक रसोई में खाना बना कर खिलाया जा रहा है, कपड़ो के लिए भी पलायन कर चुके हिंदू स्थानीय लोगों पर निर्भर हैं। शरणार्थी कैम्प में रुकी एक और हिंदू महिला ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पीड़िता ने मुर्शिदाबाद में हिंदू महिलाओं को दी जाने वाली धमकियों को याद करते हुए बताया, हमारे (मुसलमानों) द्वारा बलात्कार करवाओ, हम तुम्हारे पतियों और बच्चों को छोड़ देंगे। उसने कहा, यह हमारी स्थिति है। मैं आपको और क्या बताऊं? ऐसी परिस्थितियों में हम घर कैसे लौट सकते हैं? और हम और कहां जाएंगे?

मुर्शिदाबाद में हिंदू हरगोविंद दास और चंदन दास की हत्या करने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनका नाम कालू नदाब और दिलदार नदाब है। यह दोनों भाई हैं। इन्होंने मुर्शिदाबाद में दोनों को घर से खींच कर मार दिया था। दोनों की चाकू मारकर हत्या की गई थी। यह लोग मूर्तियां बनाने का काम करते थे। इनकी हत्या के आरोप में पकड़े गए दोनों लोग भाई हैं। इनमें से एक बांग्लादेश सीमा से पकड़ा गया है।

अब तमिलनाडु ...

हमने नीट परीक्षा का लगातार विरोध किया है। केंद्र सरकार तीन भाषा नीति के नाम पर तमिलनाडु में हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। चूंकि हमने एनईपी को स्वीकार नहीं किया, इसलिए केंद्र सरकार ने राज्य को 2500 करोड़ रुपए जारी नहीं किए हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षा को राज्य सूची में लाया जाना चाहिए।

सीएम स्टालिन के संबोधन के दौरान विपक्ष ने विधानसभा से वॉकआउट किया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री दोहरी भाषा बोल रहे हैं। एआईडीएमके विधायक आरबी उदयकुमार ने कहा कि सीएम के 110वें भाषण के बाद भी स्पीकर ने हमें बोलने का मौका नहीं दिया, जो लोकतंत्र के खिलाफ है। विधायक उदयकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री वही बात कह रहे हैं, जो उनके पिता करुणानिधि ने दशकों पहले कही थी। उन्होंने कहा कि जब केंद्र ने शिक्षा को राज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया था, तब वे सत्ता में होने के बावजूद भी चुप थे। अब वह अपनी आवाज उठा रहे हैं।भाजपा ने राज्य अधिकारों की रक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने का भी विरोध किया। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नयनार नागेंद्रन ने कहा, आज मुख्यमंत्री ने राज्य को पूर्ण स्वायत्तता दिलाने के लिए अनुच्छेद 110 के तहत एक प्रस्ताव पेश किया। हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते, भाजपा ने इसका विरोध किया और हमने विधानसभा से वॉकआउट कर दिया।

150 परिवारों को...

ग्रामीणों में भय का माहौल है। वो आशंकित हैं कि उनसे उनकी आजीविका का एकमात्र साधन भी छीन लिया जाएगा। डीएम ने ग्रामीणों को फिलहाल रेंट नहीं देने के लिए कहा है। तमिलनाडु के कांग्रेस विधायक हसन मौलाना ने कहा, एक बार जो जमीन वक्फ की हो जाती है, वह सदा के लिए वक्फ की ही रहती है। विधायक ने ग्रामीणों को उनकी जमीन का टैक्स देने को कहा। ग्रामीणों ने बताया कि बालाजी नाम के एक शख्स के घर और दुकान पर भी वक्फ ने दावा ठोक दिया है।तमिलनाडु में वक्फ बोर्ड 1500 वर्ष पुराने मंदिर पर भी दावा ठोक चुका है। खास बात ये है कि 1500 वर्ष पूर्व तक इस्लाम भी अस्तित्व में नहीं था। तमिलनाडु में त्रिची के नजदीक स्थित पूरे तिरुचेंथुरई गांव को ही वक्फ की सम्पत्ति बता दिया गया था। यह पूरा मामला तब सामने आया, जब राजगोपाल नाम के एक व्यक्ति ने अपनी एक एकड़ दो सेंट जमीन राजराजेश्वरी नामक व्यक्ति को बेचने का प्रयास किया। राजगोपाल जब अपनी जमीन बेचने के लिए रजिस्ट्रार ऑफिस पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि जिस जमीन को बेचने के बारे में वह सोच रहे हैं वह उनकी है ही नहीं बल्कि, जमीन वक्फ हो चुकी है और अब उसका मालिक वक्फ बोर्ड है।गांव में मानेदियावल्ली समीथा चंद्रशेखर स्वामी मंदिर है। यह मंदिर 1500 साल पुराना है। मंदिर के पास तिरुचेंथुरई गांव और उसके आसपास 369 एकड़ की सम्पत्ति है। ग्रामीणों का सवाल था कि क्या यह मंदिर सम्पत्ति भी वक्फ बोर्ड के स्वामित्व में है और इसका आधार क्या है? गांव के लोगों के पास जमीन के दस्तावेज भी मौजूद थे। वक्फ ने राजस्व विभाग को पत्र भेजकर कहा था कि जो व्यक्ति गांव की जमीन के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के लिए आते हैं, उन्हें वक्फ बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना पड़ेगा।

बंगाल हिंसा की ...

एक जनहित याचिका वकील शशांक शेखर झा ने दाखिल की, जिसमें हिंसा के मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की गई। इसके अलावा एक अन्य याचिका वकील विशाल तिवारी ने दाखिल की, जिसमें राज्य में हुई हिंसा की जांच के लिए शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के गठन की मांग की गई। याचिका में राज्य सरकार को लोगों की जान-माल की सुरक्षा के निर्देश देने की मांग की गई। इसके साथ ही हिंसा पर शीर्ष अदालत में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने हाल ही में हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था। वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान 11 और 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद जिले के कुछ हिस्सों मुख्य रूप से सुती, समसेरगंज, धुलियान और जंगीपुर में सांप्रदायिक हिंसा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग बेघर हुए।

रॉबर्ट वाड्रा से ...

ईडी के मुताबिक, रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी ने फरवरी 2008 में ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुड़गांव के शिकोहपुर में 3.5 एकड़ का प्लॉट 7.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। उनकी कंपनी ने इसके बाद जमीन को रियल एस्टेट दिग्गज डीएलएफ को 58 करोड़ रुपए में बेच दिया।

ये मामला हरियाणा के शिकोहपुर जमीन डील से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का है। 2018 में तौरू के रहने वाले सुरेंद्र शर्मा की शिकायत ये मामला दर्ज किया गया। वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने ये जमीन 2008 में खरीदी थी। करीब 3 एकड़ जमीन के लिए 7.5 करोड़ रुपए दिया था। कुछ समय बाद हरियाणा के नगर नियोजन विभाग का नोटिफिकेशन जारी हुआ और 2.71 एकड़ जमीन पर एक कॉलोनी बसाने का प्लान आया। वाड्रा की कंपनी का डीएलएफ के साथ समझौता हुआ और 3 एकड़ की वह जमीन 58 करोड़ में डीएलएफ को बेचने का समझौता हुआ। इस सौदे में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप रॉबर्ट वाड्रा पर लगा है। इसको लेकर ही ईडी पूछताछ कर रही है।

कोई काम नहीं ...

बारबरा की लिंक्डइन प्रोफाइल में उसे बुल्गारिया की एक प्रॉपर्टी इन्वेस्टमेंट एजेंट के रूप में दिखाया गया है, जो एक अनुभवी बिक्री वार्ताकार है, जिसका प्रत्यक्ष बिक्री और रियल एस्टेट उद्योग में काम करने की विशेषज्ञता है। प्रोफाइल के मुताबिक वह ग्राहक सेवा, बिक्री वार्ता, नेतृत्व और टीम समन्वय में कुशल है।

चोकसी की पत्नी प्रीति चोकसी ने आरोप लगाया है कि वे 2020 में हंगरी की नागरिक बारबरा जबारिका से मिले थे। प्रीति ने आरोप लगाया कि वह हनी-ट्रैप योजना का हिस्सा थी। चोकसी ने दावा किया कि बारबरा ने झूठे बहाने से उससे दोस्ती की और अपहरण से ठीक पहले उसे रात के खाने पर आमंत्रित किया। वहां पहुंचने पर उसे पकड़ लिया गया और जबरन ले जाया गया। हालांकि, बारबरा ने प्रीति चोकसी के दावों को खारिज कर दिया और कहा कि ये आरोप बिल्कुल गलत हैं कि वह चोकसी की गर्लफ्रेंड थी। बारबरा ने दावा किया कि उसके पास अपनी आय और उसका अपना व्यवसाय है। उसे उसकी नकदी, सहायता, होटल बुकिंग, आभूषण या किसी भी चीज की जरूरत के लिए की दूसरा रास्ता अपनाने की जरूरत नहीं है। बारबरा ने दावा किया कि मेहुल चोकसी ने अपनी गलत पहचान बताई थी और उससे दोस्ती करने के लिए खुद का नाम राज बताया था। बारबरा ने कहा, राज ही वह व्यक्ति था जिसने मुझसे संपर्क किया, मेरा नंबर मांगा और मुझसे दोस्ती की। राज ही मेहुल चोकसी निकला।मेहुल चोकसी के भारत प्रत्यर्पण की संभावनाएं क्या हैं, इस बारे में पूर्व राजनयिक केपी फैबियन का कहना है कि भगोड़े हीरा व्यापारी को प्रत्यर्पित करना एक कठिन काम साबित हो सकता है। भारत प्रत्यर्पण का अनुरोध कर सकता है, लेकिन निर्णय बेल्जियम सरकार के हाथ में है। चोकसी के पास प्रत्यर्पण को चुनौती देने का पूरा अधिकार है और वह अदालत में अपील कर सकता है। अगर ऐसा होता भी है तो हमारे पास तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का ताजा उदाहरण सामने है, जिसमें चाहे कितने ही साल लगे, पर आखिरकार प्रत्यर्पण तो हुआ। लिहाजा, मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण में भी काफी समय लगने का अंदेशा जताया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि 65 साल का भगोड़ा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी 2 जनवरी 2018 को भारत से भागा था। वह पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 13,850 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा वांछित है। मेहुल चोकसी का भतीजा नीरव मोदी भी धोखाधड़ी में उसके साथ शामिल था।

चोकसी ने 2014 से 2017 तक अपने सहयोगियों और अन्य पीएनबी अधिकारियों के साथ साठगांठ कर घोटाला किया था। उसने पीएनबी से धोखाधड़ी से लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग और फॉरेन लेटर्स ऑफ क्रेडिट हासिल किए। इससे पीएनबी को 6097.63 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।चोकसी पर मुंबई के मालाबार हिल स्थित गोकुल अपार्टमेंट में फ्लैट के रखरखाव का भी लगभग 63 लाख बकाया है। मालाबार हिल स्थित गोकुल अपार्टमेंट में 9वीं, 10वीं और 11वीं मंजिल पर चोकसी के तीन यूनिट हैं। सात साल से अधिक समय से रखरखाव का भुगतान नहीं किया गया है। 11वीं मंजिल की छत पर भी चोकसी ने कब्जा कर रखा है। हालांकि यह सम्पत्ति प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुर्क कर रखी है।

महीनों में सर्वश्रेष्ठ है वैशाख मास

* 12 मई तक रहेगा वैशाख * वैशाख मास में जल दान, नदी स्नान और तीर्थ दर्शन करने की है परंपरा

हिन्दी पंचांग का दूसरा महीना वैशाख 13 अप्रैल से शुरू हो गया है। ये महीना 12 मई तक रहेगा। वैशाख मास में गर्मी पूरे प्रभाव होती है। इस कारण इन दिनों में जल दान करने का महत्व है। इस महीने में अक्षय तृतीया और बुद्ध पूर्णिमा जैसे बड़े व्रत-पर्व आएंगे। वैशाख महीने में अपने घर के बाहर पक्षियों के लिए जल और अन्न की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए। इन दिनों में अधिकतर नदी-तालाब सूख जाते हैं, जिससे पक्षियों को पीने का पानी नहीं मिल पाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस महीने में सूर्य अपने पूरे प्रभाव में रहता है, इस वजह से गर्मी रहेगी। इसी वजह से वैशाख महीने में जल और छाया दान करने का महत्व काफी अधिक है। वैशाख महीना धर्म-कर्म के नजरिए से बहुत खास है। इन दिनों में किए गए जल दान का अक्षय पुण्य मिलता है।

अक्षय पुण्य यानी इस पुण्य का शुभ असर जीवन भर बना रहेगा। शास्त्रों में लिखा है कि विद्याओं में वेद श्रेष्ठ है, मंत्रों में प्रणव, वृक्षों में कल्प वृक्ष श्रेष्ठ है। गायों में कामधेनु और देवताओं में विष्णु जी श्रेष्ठ हैं। नदियों में गंगा और अस्त्र-शस्त्रों में चक्र श्रेष्ठ है। धातुओं में सोना और रत्नों में कौस्तुभ मणि श्रेष्ठ है, ठीक इसी तरह हिन्दी पंचांग के सभी 12 महीनों में वैशाख महीना श्रेष्ठ है।

यह मास धार्मिक आस्था, तप, सेवा और पर्यावरण संरक्षण की भावना से भरपूर होता है। गर्मी के इस मौसम में जल और छाया का दान जितना धार्मिक दृष्टि से फलदायक है, उतना ही मानवीय और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी आवश्यक है। इस माह में दो विशेष तिथियां रहेंगी, अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को है। यह तिथि बिना पंचांग देखे कोई भी शुभ कार्य प्रारंभ करने की उत्तम मानी जाती है। बुद्ध पूर्णिमा 12 मई को है। ये भगवान बुद्ध की जयंती के रूप में मनाई जाती है, साथ ही यह वैशाख स्नान का अंतिम दिन भी होता है। इस माह में भीषण गर्मी के कारण प्राकृतिक जल स्रोत जैसे तालाब और नदियां सूखने लगती हैं। ऐसे में पक्षियों के लिए दाने और पानी की व्यवस्था, गायों के लिए हरी घास, और जरूरतमंदों के लिए जूते-चप्पल, छाते व वस्त्रों का दान अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। यह दान न केवल धार्मिक कर्म है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की सच्ची अभिव्यक्ति भी है।

स्कंदपुराण के अनुसार

न माधवसमो मासो न कृतेन युगं समम्।

न च वेदसमं शास्त्रं न तीर्थं गङ्गया समम्।।

किस्कंद पुराण के इस श्लोक के अनुसार वैशाख के समान कोई और मास नहीं है। सत्ययुग के समान कोई युग नहीं है। वेद के समान को शास्त्र नहीं है और गंगा जी के समान कोई तीर्थ नहीं है।वैशाख मास शुक्रवार से शुरू होगा और शुक्रवार को ही खत्म होगा। मान्यता है कि इस माह में किए गए पूजा-पाठ से अक्षय पुण्य मिलता है और भगवान की कृपा से भक्त की सभी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। ये महीना वृक्षों में कल्पवृक्ष के समान और शिवजी, विष्णु को प्रसन्न करने वाला माना गया है।

पद्मपुराण, पातालखण्ड के अनुसार

यथोमा सर्वनारीणां तपतां भास्करो यथा ।
आरोग्यलाभो लाभानां द्विपदां ब्राह्मणो यथा।।

परोपकारः पुण्यानां विद्यानां निगमो यथा।मंत्राणां
प्रणवो यद्वद्ध्यानानामात्मचिंतनम् ।।

सत्यं स्वधर्मवर्तित्वं तपसां च यथा
वरम्।शौचानामर्थशौचं च दानानामभयं यथा ।।

गुणानां च यथा लोभक्षयो मुख्यो गुणः स्मृतः
।मासानां प्रवरो मासस्तथासौ माधवो मतः ।।

जैसे सम्पूर्ण स्त्रियों में पार्वती, तपने वालों में सूर्य, लाभों में आरोग्यलाभ, मनुष्यों में ब्राह्मण, पुण्यों में परोपकार, विद्याओं में वेद, मन्त्रों में प्रणव, ध्यानों में आत्मचिंतन, तपस्याओं में सत्य और स्वधर्म-पालन, शुद्धियों में आत्मशुद्धि, दानों में अभयदान तथा गुणों में लोभ का त्याग ही सबसे प्रधान माना गया है, उसी प्रकार सब मासों में वैशाख मास अत्यंत श्रेष्ठ है।

महाभारत अनुशासन पर्व अध्याय 106 के अनुसार निस्तरेदेकभक्तेन वैशाखं यो जितेन्द्रियः। नरो वा यदि वा नरी ज्ञातीनां श्रेष्ठतां व्रजेत्।। जो स्त्री अथवा पुरूष इन्द्रिय संयम पूर्वक एक समय भोजन करके वैशाख मास को पार करता है, वह सहजातीय बन्धु-बान्धवों में श्रेष्ठता को प्राप्त होता है।। दत्तं जप्तं हुतं स्नातं यद्भक्त्या मासि माधवे।तदक्षयं भवेद्भूप पुण्यं कोटिशताधिकम् ।। माधवमास में जो भक्तिपूर्वक दान,जप, हवन और स्नान आदि शुभकर्म किये जाते हैं, उनका पुण्य अक्षय तथा सौ करोड़ गुना अधिक होता है।प्रातःस्नानं च वैशाखे यज्ञदानमुपोषणम्।हविष्यं ब्रह्मचर्यं च महापातकनाशनम् ।। वैशाख मास में सवेरे का स्नान, यज्ञ, दान, उपवास, हविष्य-भक्षण तथा ब्रह्मचर्य का पालन - ये महान पातकों का नाश करने वाले हैं।

स्नान और जलदान का महत्व

स्कंद, पद्म, ब्रह्मवैवर्त पुराण और महाभारत में वैशाख महीने को बहुत खास बताया गया है। इन ग्रंथों में कहा गया है कि वैशाख मास में सूर्योदय से पहले स्नान करने, जलदान और तीर्थ में नहाने से हर तरह के दुख खत्म हो जाते हैं। वैशाख महीने में इन कामों को करने से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

भगवान विष्णु की पूजा

सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल या किसी पवित्र नदी का जल मिलाकर नहाएं। इसके बाद सूर्य को अर्घ्य दें। भगवान विष्णु की पूजा करने का संकल्प लें। पूजा किसी ब्राह्मण से करवाएंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा।भगवान विष्णु को पंचामृत से स्नान कराएं। चरणामृत ग्रहण करें। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। भगवान को फूल, धूप, नैवेद्य आदि सामग्री चढ़ाएं। दीपक जलाएं। विष्णु सहस्त्रनाम का जाप करें। व्रत की कथा सुनें। दूसरे दिन यानी द्वादशी पर ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान देकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

वैशाख मास में करे शुभ काम

सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं।भगवान विष्णु के साथ ही देवी महालक्ष्मी की पूजा भी करें।किसी मंदिर जाएं और ध्वज यानी झंडे या पानी से भरे मटके का दान करें।शिवजी के सामने दीपक जलाएं और श्रीराम नाम का जाप 108 बार करें।शिवलिंग पर जल चढ़ाएं, काले तिल चढ़ाएं।इस माह में हमें सूर्यादय से पहले उठ जाना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाकर दिन की शुरुआत करें।वैशाख में तीर्थ दर्शन करें और नदियों में स्नान करें। अगर यात्रा नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।ये गर्मी का समय है। इस महीने में पानी का दान करें। किसी सार्वजनिक स्थान पर प्याऊ लगाएं या किसी प्याऊ में मटके का दान करें। इस माह में जो व्यक्ति प्याउ लगवाता है, वह देवता, ऋषि और पितर सभी को तृप्त करता है। प्यासों के लिए पानी और धूप से बचने के लिए छाते का दान करें। जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल का भी दान करें। आप चाहें तो किसी मंदिर में पंखों का दान भी कर सकते हैं।

वैशाख मास नहीं करना चाहिए

वैशाख मास में सुबह देर तक सोने से बचना चाहिए। इन दिनों में सूर्योदय जल्दी हो जाता है, ऐसे में जल्दी उठें और उगते सूर्य को जल चढ़ाएं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए कुछ देर व्यायाम जरूर करें। उठने में देरी करेंगे तो गर्मी बढ़ जाएगी और व्यायाम करने का मन नहीं होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। गर्मी के दिनों में उचित मात्रा में पानी जरूर पिएं। खाने में ऐसी चीजें लें, जिन्हें पचाना आसान हो। जहां तक संभव हो सके ताजा खाना ही खाएं। बासी खाना खाने से बचें, क्योंकि गर्मी की वजह से खाना जल्दी खराब हो जाता है। गर्मी के दिनों में धूप में बहुत ज्यादा घूमने से बचना चाहिए। अगर धूप में जाना बहुत जरूरी हो तो छाता लेकर जा सकते हैं।

स्कंद और पद्म पुराण में लिखा है कि इस महीने में स्नान-दान करने से अश्वमेध यज्ञ करने जितना पुण्य मिलता है। इस महीने भगवान विष्णु की पूजा के अलावा अन्य देवी-देवताओं की पूजा से मिलने वाला पुण्य बढ़ जाता है। वैशाख महीने में कई तीज-त्योहार रहेंगे जिनमें व्रत-उपवास करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

वैशाख माह के व्रत-त्यौहार

16 अप्रैल	संकष्टी गणेश चतुर्थी
18 अप्रैल	गुड फ्राइडे
20 अप्रैल	ईस्टर
21 अप्रैल	कालाष्टमी
24 अप्रैल	वरुथिनी एकादशी
25 अप्रैल	प्रदोष व्रत
26 अप्रैल	मास शिवरात्रि
27 अप्रैल	वैशाख अमावस्या अमावस्या
29 अप्रैल	परशुराम जयंती
30 अप्रैल	रोहिणी व्रत , अक्षय तृतीया
01 मई	वरद चतुर्थी
03 मई	गंगा सप्तमी
05 मई	बगलामुखी जयंती , दुर्गाष्टमी व्रत
06 मई	सीता नवमी
08 मई	मोहिनी एकादशी
09 मई	प्रदोष व्रत , परशुराम द्वादशी
11 मई	नृसिंह जयंती
12 मई	चैत्र पूर्णिमा , बुद्ध पूर्णिमा

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

वरूथिनी एकादशी पर भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग

वरुथिनी एकादशी व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है, जो वैशाख मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। इस साल वरुथिनी एकादशी 24 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने का विशेष महत्व है। कहा जाता है कि इस दिन श्री हरि की पूजा करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है, तो चलिए विष्णु जी का आशीर्वाद पाने के लिए यहां इस शुभ तिथि के भोग और दान के बारे में जानते हैं।

वरुथिनी एकादशी का महत्व

वरुथिनी एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व है। इस व्रत को रखने से जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। इस व्रत को करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही यह व्रत वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि लाता है और संतान सुख प्रदान करता है।

वरूथिनी एकादशी 2025 शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 23 अप्रैल को शाम 04 बजकर 43 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 24 अप्रैल को दोपहर 02 बजकर 32 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए इस साल वरूथिनी एकादशी का व्रत 24 अप्रैल को रखा जाएगा।

भगवान विष्णु प्रिय भोग

वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पंचामृत, फल, और मिठाई का भोग लगा सकते है। भोग में तुलसी का उपयोग जरूर करें। भगवान विष्णु को केसर की खीर और धनिया की पंजीरी का भी भोग लगाया जा सकता है।

वरुथिनी एकादशी दान

वरुथिनी एकादशी के दिन दान करने का विशेष महत्व है।

इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र, और धन का दान करना चाहिए।

इस दिन आप गाय का भी दान कर सकते हैं।

इस दिन तिल से बनी वस्तुओ का दान भी शुभ फलदायी माना जाता है।

वरुथिनी एकादशी पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।

भगवान विष्णु की मूर्ति को गंगाजल से शुद्ध करें। भगवान विष्णु को पीले फूल, फल, और मिठाई अर्पित करें।

धूप, दीप, और कपूर से भगवान विष्णु की आरती करें।

वरुथिनी एकादशी की व्रत कथा का पाठ करें।

भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें।

खरमास खत्म होते ही गूंजने लगी शहनाइयां

सूर्य के राशि परिवर्तन के बाद से फिर शादियों का 14 अप्रैल को दौर शुरू हो गया है। खरमास खत्म होते ही विवाह, देव प्रतिष्ठा, नूतन गृह निर्माण, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य 14 अप्रैल के बाद शुरू हो गए हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 14 मार्च से लगे खरमास की 13 अप्रैल समाप्ति हो गई है। जिसके बाद मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाएंगे। सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ ही खरमास यानी मीन महीना खत्म हो गया है। इससे पहले 14 मार्च को सूर्य के मीन राशि में आने के बाद मीन मास चल रहा था। खरमास होने के कारण पिछले एक महीने से हर तरह के मांगलिक कामों पर रोक लगी हुई थी। लेकिन अब इनके लिए मुहूर्त रहेंगे। ज्योतिष ग्रंथों में कहा गया है कि जब सूर्य मीन राशि में रहता है तब इन दिनों में किसी भी तरह के शुभ काम नहीं करने चाहिए। इस दौरान सिर्फ जप, तप और स्नान-दान करना चाहिए।

आगामी 6 जुलाई 2025 देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ होगा। इस कारण जुलाई से अक्टूबर तक विवाह मुहूर्त नहीं रहेंगे। मुहूर्त 1 नवंबर को देव उठनी एकादशी पर रहेगा, परंतु इसके परंतु इसके बाद विवाह मुहूर्त सीधे 21 नवंबर से से शुरू होंगे। साल 2025 में गुरु 12 जून से 9 जुलाई तक 27 दिन के लिए अस्त होने वाले हैं। इसके अलावा शुक्र ग्रह 19 मार्च से 23 मार्च तक 4 दिन तक अस्त रहेंगे। इसके बाद दोबारा से 12 दिसंबर से 31 दिसंबर तक 24 दिन तक शुक्र अस्त रहेंगे। इस दौरान शुभ काम नहीं होंगे।

गृह प्रवेश विवाह और शुभ काम

खरमास यानी मीन मास खत्म हो जाने से 16 संस्कार और अन्य शुभ काम किए जा सकते हैं। शुभ मुहूर्त और शुभ दिन में अन्नप्राशन, नामकरण, चूड़ाकर्म, विद्यारंभ और अन्य शुभ काम किए जा सकते हैं। सूर्य के मेष राशि में आते ही गृह प्रवेश और विवाह के भी मुहूर्त रहेंगे। अब देवगुरु बृहस्पति भी खुद की राशि यानी मीन में आ गए हैं। जिससे हर मांगलिक कामों में गुरु का

बल और बढ़ जाएगा।

14 अप्रैल से शुरू हो गए शुभ कार्यक्रम

मेष संक्रांति सिर्फ खगोलीय घटना नहीं है। यह नए मंगल कार्यों की शुरुआत का संकेत है। जैसे ही सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं, मांगलिक कार्यों पर लगी रोक हट जाती है और विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण संस्कार जैसे आयोजनों की शुरुआत फिर से हो सकती है। आप भी लंबे समय से इंतजार कर रहे थे तो अब समय आ गया है कि आप भी इन तिथियों में अपना मांगलिक कार्य संपन्न कर सकते हैं।

मई 2025 में सबसे ज्यादा शादियां

मई माह में सबसे अधिक विवाह के मुहूर्त बनेंगे। इन माह में जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर शामिल हैं। वहीं, जून में भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाएंगे। इसके बाद नवंबर और दिसंबर में विवाह के शुभ मुहूर्त रहेंगे। इस बार गुरु ग्रह वृषभ राशि में रहेंगे और 12 फरवरी तक सूर्य मकर राशि में रहेंगे। विवाह के लिए इन ग्रहों की गणना देखी जाती है। इनका नवम पंचम योग बनेगा। यह नवम पंचम योग लाभकारी रहेगा।

विवाह के लिए अबूझ मुहूर्त

विवाह और सगाई जैसे मांगलिक कार्यों के लिए अबूझ मुहूर्त को शुभ माना जाता है। अगर किसी के विवाह की तारीख नहीं निकल पा रही है या फिर किसी कारण से शुभ मुहूर्त वाले दिन विवाह करना संभव ना हो तो अबूझ मुहूर्त में भी विवाह किया जा सकता है। धर्मग्रंथों के अनुसार अक्षय तृतीया, बसंत पंचमी और देव प्रबोधिनी एकादशी को अबूझ मुहूर्त माना गया है।

जुलाई से अक्टूबर में कोई भी शुभ मुहूर्त नहीं

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं। इस अवधि में विवाह और अन्य शुभ कार्यों पर रोक लग जाती है। वर्ष 2025 में 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी पड़ रही है, जिसके बाद भगवान विष्णु चार महीने तक विश्राम करेंगे। यह अवधि नवंबर में 1 तारीख को देवउठनी एकादशी पर समाप्त होगी। इन चार महीनों को चातुर्मास कहा जाता है, जो धार्मिक दृष्टि से विशेष होता है इस दौरान शुभ कार्यों की मनाही होती है। इस दौरान शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्य करना ज्योतिषीय नियमों के अनुसार वर्जित होता है। ऐसे में यदि आप ज्योतिष और शुभ मुहूर्त का पालन करते हैं, तो इन महीनों में विवाह या उससे संबंधित कार्य करने से बचें। यह समय पूजा-पाठ और आत्मचिंतन के लिए उपयुक्त माना जाता है। देवउठनी एकादशी के बाद से विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त पुनः आरंभ हो जाएंगे। इसलिए अपने विवाह की योजना बनाते समय इन बातों का अवश्य ध्यान रखें और शुभ समय का चयन करें ताकि आपका दांपत्य जीवन सुखी और समृद्ध हो।

विवाह का धार्मिक महत्व

सनातन धर्म दुनिया के सबसे पुराने धर्मों में से एक है, जो कई प्रकार की परंपराओं और मान्यताओं से समृद्ध है। इस परंपरा में से एक शुभ विवाह भी है, यह जीवन का सबसे खुशनुमा पल होता है। विवाह कई तरह से किए जाते हैं, प्रत्येक के अपने-अपने रीति-रिवाज और महत्व होते हैं। हिंदू धर्म में यह 16 संस्कारो मे से एक होता है और इसके बगैर कोई भी व्यक्ति ग्रहस्थाश्रम में प्रवेश नहीं कर सकता है। इसलिए हमारे शास्त्रों में विवाह को सबसे महत्वपूर्ण और कल्याणकारी माना जाता है।

वर्ष 2025 के शुभ मुहूर्त

अप्रैल: 14, 16, 18, 19, 20, 21, 22, 25, 29, 30

मई: 1, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 22, 23, 24, 28

जून: 1, 2, 4, 5, 6, 7, 8

नवंबर: 21, 22, 23, 24, 25, 26, 30

दिसंबर: 1, 4, 5, 6

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

अदिति पोहनकर ने ट्रेन में हुई छेड़छाड़ का किया खुलासा

प्रकाश झा की शानदार वेब सीरीज 'आश्रम' में पम्मी का रोल निभाकर बड़ी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अदिति पोहनकर आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। अपने बिंदास अवतार से उन्होंने तहलका मचा दिया था। अब एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि एक बार वो मुंबई की लोकल ट्रेन में छेड़छाड़ का शिकार हो गई थीं और जब पुलिस से शिकायत की तो उनका अजीब रिएक्शन दिया था।

अदिति ने साल 2014 में, फिल्म लाल बिहारी में रितेश देशमुख के साथ अपने किरदार से सभी का दिल जीत लिया था। इस रोल ने भी उनके इडंस्ट्री में रास्ते खोल दिए थे। इस फिल्म में उनके अभिनय को सराहा गया और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। लेकिन बॉबी देओल की आश्रम में नजर आने के बाद तो वह घर घर पहचानी जाने लगी थी।

बॉबी देओल की सीरीज से बनी थी स्टार

बॉबी देओल की फेमस सीरीज 'आश्रम' में बॉबी देओल ने अपने अभिनय से सारी लाइमलाइट लूट ली थी। इस सीरीज में भोपा स्वामी, बबिता और पम्मी जैसे किरदारों को भी लोगों ने खूब पसंद किया था। पम्मी पहलवान के किरदार में नजर आईं एक्ट्रेस अदिति पोहनकर ने तो अपने काम से लोगों का हैरान ही कर दिया था। सीजन 3 के पार्ट 2 में पम्मी (अदिति) और बॉबी देओल के साथ भोपा स्वामी के बीच काफी इंटेंस सीन्स फिल्माए गए थे। हाल ही में एक्ट्रेस अदिति ने खुलासा किया कि वो एक बार ट्रेन में उनके साथ छेड़छाड़ हुई थी। एक लड़के ने उनकी ब्रेस्ट पकड़ ली थी।'

टैलेंटेड एक्ट्रेस अदिति पोहनकर आज जानी मानी एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अदिति ने अपने रोल्स को लेकर काफी कुछ बताया, लेकिन साथ ही उन्होंने बताया कैसे एक बार लोकल ट्रेन में उन्हें एक स्कूल जाने वाले लड़के ने गलत तरीके से छुआ था। उसकी गंदी हरकत देखकर वह हैरान हो गई थीं। इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि वो 11वीं क्लास में थी, तो वो मुबंई लोकल ट्रेन से यात्रा करते हुए और उन्हें एक स्कूल के स्टूडेंट ने लड़के ने गलत तरीके से छुआ था। उन्होंने बताया कि एक बार वो मुंबई लोकल ट्रेन के फर्स्ट क्लास में सफर कर रही थीं, स्कूल यूनिफॉर्म वाले स्टूडेंट्स को आने की परमिशन है। लेकिन उसने अंदर आकर मेरे ब्रेस्ट पकड़ लिए।' वो मंजर मैं कभी नहीं भूलती।

पुलिस के पास पहुंचीं एक्ट्रेस

अदिति ने बताया कि इस घटना के बाद अगले स्टेशन पर उतर गईं। वो पुलिस के पास गईं। पुलिस को उन्होंने पूरी घटना बताई तो पुलिस ने उनसे कहा कि कुछ ज्यादा हुआ है तो अदिति ने जवाब दिया, ज्यादा क्या, मुझे मेंटली परेशान किया गया है। अदिति ने बताया कि जब वो महिला कॉन्स्टेबल के साथ वहां पहुंचीं तो वो लड़का वहीं खड़ा था। किसी और महिला के साथ, वैसा ही करने के लिए। मैंने पुलिस को बताया कि वो लड़का है, तो उन्होंने पूछा कि मेरे पास सबूत क्या है।

बता दें कि आश्रम एक्ट्रेस ने अपनी बात रखते हुए कहा कि मैंने उस दौरान महिला कांस्टेबल को सारी बात बताई। लेकिन उन्होंने उस लड़के से पूछा कि इनको कुछ किया क्या? तो उसने मना कर दिया कि अर मैं झूठ क्यों बोलूंगी। वो लेडी चिल्लाई। मैंने सचमुच उसका कॉलर पकड़ लिया और कहा और किसी के साथ करेगा? इनके सामने बोल। तभी उसने मुंह खोला और सारा किस्सा उसे बताया था।

आखिर हो ही गया आमिर खान की महबूबा का दीदार!

गर्लफ्रेंड का हाथ थामे चहक रहे थे अभिनेता, गौरी ने सादगी से जीता दिल

अभिनेता आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ दूसरे मकाऊ इंटरनेशनल कॉमेडी फेस्टिवल में शामिल हुए। इस इवेंट में दोनों के साथ-साथ पहुंचने के कई वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामने आईं। एक वीडियो में आमिर खान इवेंट में पहुंचे और तस्वीरें खिंचवाने से पहले गौरी की तरफ हाथ बढ़ाया, जिसे गौरी ने थाम लिया। इसके बाद दोनों ने इवेंट में मौजूद पपाराज़ी को देखकर मुस्कुराया। उनके साथ चाइनिज एक्टर शेन टेंग और मा ली भी थे।

एक तस्वीर में आमिर और गौरी, शेन टेंग और मा ली के साथ कैमरे के सामने पोज दे रहे थे। वे हंसे भी और कुछ बातचीत भी की। इस मौके पर आमिर ने काले रंग का कुर्ता और सफेद पायजामा पहना था। उन्होंने काले और सुनहरे रंग की शॉल भी लपेटी हुई थी। गौरी ने फूलों वाली साड़ी पहनी थी और चश्मा लगाया था। आमिर खान, शेन टेंग और मा ली फोरम का हिस्सा होंगे, जिसका सबजेक्ट है 'हंसी सबसे अच्छी दवा है'। वे 'कॉमेडी के सामाजिक प्रभाव और भविष्य पर क्रॉस-कल्चरल संवाद' पर चर्चा करेंगे। यह कार्यक्रम 9 अप्रैल को शुरू हुआ था। पिछले महीने आमिर ने अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी स्प्रैट के साथ अपने रिश्ते की पुष्टि की थी। उसके बाद उन्हें पहली बार मुंबई में साथ देखा गया, जब वे अपने बर्थडे की पार्टी से पहले कार में बैठे थे। आमिर पहले बिल्डिंग से बाहर निकले और पपाराज़ी को देखकर मुस्कुराए। उन्होंने गौरी का इंतज़ार किया और जल्दी से उन्हें कार तक पहुंचाया। आमिर ने अपनी गर्लफ्रेंड को एक मुलाकात के दौरान मीडिया से मिलवाया था। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि आप सभी के लिए उनसे मिलना एक अच्छा मौका होगा, इसके अलावा हमें छिपना नहीं पड़ेगा।।। वह बैंगलोर से हैं और हम एक-दूसरे को 25 सालों से जानते हैं। लेकिन हम डेढ़ साल पहले ही जुड़े थे। वह मुंबई में थीं और हम संयोग से मिले, हम संपर्क में रहे और फिर यह सब अपने आप हो गया।'

मानुषी छिल्लर का स्टाइल और एटीट्यूड दोनों ही हैं कमाल

पूर्व मिस वर्ल्ड और बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर ने एक बार फिर अपने स्टाइल और एलिगेंस से फैंस का दिल जीत लिया है। हाल ही में मानुषी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह स्ट्रैपलेस ब्लू ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। मानुषी ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, नीला पहनना, लेकिन बिल्कुल विपरीत महसूस करना यानी उन्होंने भले ही नीला रंग पहना है, लेकिन उनका मूड बिल्कुल उसके विपरीत यानी काफी पॉज़िटिव और फ्रेश है।तस्वीरों में मानुषी का कॉन्फिडेंस, उनके खुले बाल और मिनिमल मेकअप लुक फैंस को खूब प स ं द आ ा रहा है। कई फैंस ने उन्हें क्रश , गॉर्जियस और क्वीन जैसे कॉम्प्लिमेंट्स दिए। एक यूजर ने लिखा, आपका स्टाइल और एटीट्यूड दोनों ही कमाल के हैं। इस लुक में मानुषी एक छोटे से सिल्वर हैंडबैग के साथ नजर आ रही हैं, जो उनके आउटफिट को एक परफेक्ट फिनिश टच दे रहा है।वर्क फ्रंट की बात करें तो मानुषी ने अक्षय कुमार के साथ फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से बॉलीवुड में डेब्यू किया था और अब वे कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। मानुषी की ये फोटोज़ न सिर्फ़ सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं बल्कि फैशन लवर्स के लिए भी एक स्टाइल इंस्पिरेशन बन चुकी हैं।

इब्राहिम ने पलक संग डेटिंग रूमर्स पर तोड़ी चुप्पी, कहा-

वह मेरी अच्छी दोस्त हैं

सैफ अली खान बेटे इब्राहिम अली खान पिछले कुछ समय से श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी के साथ डेटिंग की अफवाहों को लेकर चर्चा में हैं। दोनों को अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता है। उनकी तस्वीरें और वीडियोज इंटरव्यू पर जमकर वायरल होते हैं। अब इब्राहिम अली खान ने पहली बार पलक के साथ अपने रिश्ते पर बात की है। उन्होंने बता दिया कि उनका पलक तिवारी के साथ क्या रिश्ता है।

फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में इब्राहिल अली खान ने बताया कि पलक तिवारी उनकी अच्छी दोस्त हैं। हालांकि, इब्राहिम ने उनके रिश्ते के बारे में और कोई जानकारी शेयर करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'वह मेरी अच्छी दोस्त हैं। हां, वह बहुत प्यारी हैं। बस इतना ही।'

साल 2022 में उड़ी थी डेटिंग की अफवाहें

इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी की डेटिंग की अफवाहें पहली बार साल 2022 में सुर्खियों में आईं। उन्हें एक साथ पैपराजी ने स्पॉट किया था। बाद में उन्हें मुंबई में एक कॉन्सर्ट में भी साथ देखा गया, जिसके बाद नेटिजेन्स को लगने लगा कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। खैर, अब इब्राहिम ने पलक तिवारी के साथ अपने रिश्ते को दोस्ती का नाम दे दिया है।

पलक ने इब्राहिम को बताया अपना दोस्त

इससे पहले सिद्धार्थ कन्नन के साथ इंटरव्यू में पलक तिवारी ने बताया था कि वह और इब्राहिम सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने साथ में स्पॉट होने पर कहा था कि, 'हम बस बाहर गए थे और हमें पैपराजी ने स्पॉट किया था बस इतना ही। असल में, हम एक ग्रुप के साथ थे। हम अकेले नहीं थे। लेकिन तस्वीरें ऐसे आईं जैसे हम अकेले थे। लोगों को यह कहानी सबसे ज्यादा पसंद आई, लेकिन बस इतना ही है। हम अच्छे दोस्त हैं। वह बहुत प्यारे हैं। बस इतना ही। हम कभी-कभी बात करते हैं।'

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप की नासमझी और बडो के प्रति गलत व्यवहार परिवारिक के माहौल को बिगाड़ सकता हैं . यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए संयमित रहने की जरुरत हैं वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है.कर्ज लेने से बचें। धार्मिक ग्रंथ का स्वाध्याय करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज काम बनता हुआ दिख रहा हैं.रुका हुआ सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा , छात्रों के लिए समय अच्छा हैं इस समय मे किया हुआ कार्य उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी , आप की जान–पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. शिवलिंग पर केशर मिश्रित दूध चढाए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप के रुके हुए काम मे परिवार का सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच–समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है.आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. दाम्पत्यजीवन सुखमय हैं स्वास्थ्य का देखभाल करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह कुछ ऐसा वाद विवाद होगा जिससे पारिवारिक सदस्यो का मन विचलित हो सकता है. आप को सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार–व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. छोटे बालक को दूध की सेवा करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप का भाग्य प्रबल हैं आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं मानसिक शांति के लिए आप को परिवार के साथ धर्म युक्त यात्रा करनी होगी ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

समय आज अनुकूल हैं आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. छात्रो का शिक्षकों के साथ करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शिवलिंग पर दूध चढाए एवं पंचाक्षर मंत्र का जप आप को कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन–जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं। कुछ नया और सकारात्मक काम आप को मान प्रतिष्ठा देगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खर्च ज्यादा होगा घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा जिससे मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है.यात्रा पर दही का प्राशन करके ही निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आय का स्त्रोत बढेगा आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. शारीरीक कष्ट बनेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा सीनियर भी काम का अधिक प्रेशर देंगे पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच–विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.बस हनुमानजी को सिन्दूर तेल चढाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज समय नक्षत्र आप के लिए अनुकूल हैं बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से मुलाकात होगी कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.भोजन पर नियंत्रण रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को परिवार के प्रति जिम्मेदारी पूर्ण रवैया अपनाना पडेगा परिवार के साथ रुखा व्यवहार करने से परेशानी मे आ सकते हैं . यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है.किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा–प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी , शिव मंत्र का जप करें ईष्ट का स्मरण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 अप्रैल 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 01:20 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 05:55 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 12:15 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:20 तक
चन्द्र राशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:24 , भद्रा दोपहर 01:18 , गण्डमूल रात्रि 05:56 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने दलित समाज को दिया लंदन वाला तोहफा

बाबा साहेब अम्बेडकर संबल योजना लांच

जयपुर,15 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा और कांग्रेस के बीच इन दिनों दलितों के साथ किए जा रहे व्यवहार को लेकर सियासी जंग चल रही है। राजस्थान के अलवर जिले के भगवान श्रीराम मंदिर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूजा करने और फिर भाजपा नेता की ओर से गंगाजल छिड़क कर शुद्धीकरण किए जाने के बाद से दलितों के साथ होने वाले भेदभाव को लेकर राजनीति हावी हो रही है। कांग्रेस ने इसे राष्ट्रीय मुद्दा बना लिया है। उधर भाजपा सरकार दलितों के सम्मान का दावा कर रही है। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दलितों के उत्थान के लिए कई विकास की योजनाएं लांच की।

दलितों के भगवान माने जाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्म से लेकर महानिर्वाण तक के पांच प्रमुख स्थानों को केंद्र सरकार तीर्थ स्थल घोषित कर चुकी है। इनमें डॉ. अंबेडकर की जन्मस्थली महू, दीक्षा भूमि नागपुर, महा–परिनिर्वाण स्थली दिल्ली, चैत्य भूमि मुंबई और शिक्षा भूमि लंदन शामिल है। राज्य सरकार दलित वर्ग के लोगों को इन तीर्थ स्थलों की यात्रा कराएगी। इन पांच स्थानों में से चार स्थान महू, नागपुर, दिल्ली और मुंबई की यात्रा शुरू की जा चुकी है। अंबेडकर जयंती के मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने यात्रियों से भरी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। अब आगामी दिनों में सरकार लंदन की यात्रा भी कराएगी।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार हर साल एक हजार दलित व्यक्तियों को तीर्थ यात्रा में आरक्षण दे रही है। इन तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए राज्य सरकार ने एक करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। चार स्थलों पर यात्रा शुरू हो चुकी है और लंदन की यात्रा के लिए फाइल वित्त विभाग को भेजी हुई है। मंत्री गहलोत ने कहा कि वित्त विभाग द्वारा इस प्रस्ताव को मंजूरी देते ही लंदन की यात्रा शुरू कर दी जाएगी। दरअसल डॉ. भीमराव अंबेडकर ने लंदन में शिक्षा ग्रहण की थी। पढ़ाई के दौरान वे जिस घर में रहे थे, उसे भारत सरकार ने खरीद लिया है। उसे पंचतीर्थ घोषित किया है।

अंबेडकर जयंती के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा साहेब ने दुनिया को ज्ञान और समानता का मार्ग दिखाया था। इसलिए उन्हें 'नॉलेज ऑफ किंग' कहा जाता है लेकिन कांग्रेस ने उनको वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वह हकदार थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कई योजनाएं भी लांच की। 50 प्रतिशत से ज्यादा दलित आबादी वाले गांवों के लिए 'बाबा साहेब अम्बेडकर संबल योजना' की घोषणा की। इसके तहत 250 करोड़ रुपए के बजट से विकास कार्य होंगे।

बाबा गंगाराम धाम श्री पंचदेव मंदिर स्वर्ण जयंती समारोह आज से

झुंझुनू,15 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 16 और 17 अप्रेल को स्वर्ण जयंती समारोह राजस्थान के झुंझुनू नगर मे स्तिथ श्री पंचदेव मंदिर में बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाएगा। इसकी तैयारियां जोरों पर चल रही है। मंदिर परिसर को रंग–बिरंगे पुष्पों से सजाने के लिए बंगाल के कुशल कारीगर आ रहे हैं। इस बार त्रिपुरा के बांस एवं बेंत से बारीकी से तैयार की गई विभिन्न कलाकृतियों से मंदिर को सजाया जा रहा है, इस के अलावा लेज़र लाइट शो तथा कोलकाता की सुप्रसिद्ध विधुत सज्जा आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

पंचदेव मंदिर स्वर्ण जयंती समारोह आयोजन समिति अध्यक्ष तथा मंदिर ट्रस्टी श्री अनिल जी मोदी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 16 अप्रेल को श्रीविग्रहों के रथ यात्रा, ध्वज यात्रा, कलश यात्रा, तथा जयपुर के लवाजमा के साथ विशाल शोभा यात्रा मंदिर परिसर से नगर परिभ्रमण के निकाली जाएगी। शोभा यात्रा के लिए नासिक (महाराष्ट्र) से प्रसिद्ध पथक ढोल बुलाया गया है, जिसमें 75 कलाकार अपने वाद्य यंत्रों से प्रस्तुति देंगे तथा केरल की विशाल देव दर्शन झाकियां भी आकर्षण का केन्द्र रहेगी। शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा जिस में कोलकाता के भजन गायक सौरभ मधुकर तथा केशव मधुकर बाबा गंगाराम जी की लीलाओं पर आधारित भव्य नृत्य नाटिका की 21 कलाकारों के साथ प्रस्तुति देंगे, तथा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तथा इंडियाज गोट टैलेंट फेम, सैंड आर्टिस्ट नीतीश भारती रेत के माध्यम से अपनी कला के हुनर दिखाएंगें तथा पारदर्शी कांच पर रेत से बाबा गंगाराम जी पर आधारित चित्रों को बनाएंगे जिनको कैमरे के माध्यम से विशाल एल.ई.डी. स्क्रीन पर दिखाया जाएगा।

17 अप्रैल की सुबह बाबा गंगाराम जी, भक्त शिरोमणि देवकीनन्दन जी, एवं माता गायत्री देवी जी का मनोकामना पूर्ति चरण पादुका अभिषेक किया जाएगा, तथा बाबा गंगाराम अमृतवाणी का सामूहिक संगीतमय पाठ होगा जिसे कोलकाता के नवीन जोशी प्रस्तुत करेंगे। शाम को कोलकाता के भजन गायक श्याम अग्रवाल अपने रासा बैंड के साथ भजनो की प्रस्तुति देंगे तथा बंगाल के सुप्रसिद्ध धुनुचि एवं ढाक नृत्य की भी प्रस्तुति होगी। मुंबई से पधार रहे विश्वविख्यात, भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा अपने चित–परिचित अंदाज में बाबा गंगाराम जी के भजनों की प्रस्तुति देंगे, तथा अंत में बनारस से पधार रहे पंडितो द्वारा भक्ति भावपूर्ण गंगा आरती की जाएगी। इस दो दिवसीय समारोह में देश विदेश से हजारों की संख्या के भक्त पधार रहे हैं जिन के रहने ठहरने की सभी प्रकार की व्यवस्था श्री पंचदेव मंदिर स्वर्ण जयंती समारोह आयोजन समिति द्वारा कराई जा रही हैं।

डिजिटल अरेस्ट केस में राजस्थान को पहली सफलता!

झुंझुनू,15 अप्रैल (एजेंसियां)। सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट मामले में एक गैंग के चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला राजस्थान के झुंझुनूं साइबर पुलिस थाने में दर्ज किया गया था। जहां पीड़ित को सीबीआई और अन्य लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों की धमकी देकर साइबर अपराधियों द्वारा पीड़ित को तीन महीने से अधिक समय तक डिजिटल रूप में हिरासत में रखा था। इस दौरान आरोपियों ने पीड़ित से 42 बार सात करोड़ 67 लाख रुपए की वसूली की थी।

सीबीआई ने बताया कि इस मामले में ऑपरेशन चक्र–5 के तहत मुंबई से दो और मुरादाबाद से दो आरोपियों को पकड़ा। इस मामले में जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर सीबीआई ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और संभल, मुंबई, जयपुर और पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में 12 ठिकानों पर छापेमारी की। इस आधार पर इस अत्यधिक संगठित अपराध गिरोह में शामिल चार व्यक्तियों की गिरफ्तारी हो सकी।

छापेमारी में बैंक खातों का विवरण, डेबिट कार्ड, चेक बुक, जमा पर्ची और डिजिटल डिवाइस समेत अन्य सामग्री बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें पांच दिनों की रिमांड पर सौंप दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि रिमांड के दौरान आरोपियों से अन्य कई मामलों की जानकारी भी मिलने की उम्मीद है।

प्रताप सिंह खाचरियावास पर ईडी के एक्शन से गुस्साए गहलोत

जयपुर,15 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास पर ईडी की कार्रवाई ने सियासी टेंपरेचर चढ़ा दिया है। ईडी की कार्रवाई से गुस्साई कांग्रेस अब बीजेपी को जमकर कोस रही है। इस बीच प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ईडी की कार्रवाई से बीजेपी की मंशा पर बड़ा सवाल उठाते हुए हमला किया। उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड मामले की याद दिलाते हुए कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड में साफ तौर पर बीजेपी की ओर से अवैध वसूली के सबूत मिले, लेकिन अभी तक ईडी ने किसी बीजेपी नेता की खिलाफ कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि बीजेपी कांग्रेस को आर्थिक रूप अक्षम बनाना चाहती है।

चिटफंड कंपनी में करोड़ों रुपए के घोटाले के मामले में गहलोत सरकार में मंत्री रह चुके प्रताप सिंह खाचरियावास का नाम सामने आया हैं। इसी के चलते उनके सिविल लाइंस स्थित निवास पर मंगलवार सुबह ईडी ने रेड डाली। इधर, पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने इस कार्रवाई को लेकर बीजेपी को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी को मिले इलेक्टोरल बॉन्ड में साफ तौर पर कंपनियों से अवैध वसूली के सबूत मिले, लेकिन ईडी ने किसी बीजेपी नेता को एक भी नोटिस नहीं दिया है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस एक जन आंदोलन की पार्टी है, इसी कार्रवाई से बीजेपी सरकार और ईडी हमारे मनोबल को नहीं तोड़ सकती है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर बरसते से हुए बीजेपी को जमकर निशाना बनाया। उन्होंने लिखा कि मोदी सरकार की एजेंसी ईडी का कांग्रेस पार्टी और नेशनल हेराल्ड की 661 करोड़ रुपए कीमत की संपत्तियों को कब्जे में लेने की कार्रवाई लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास है। नेशनल हेराल्ड केस को अब पांच साल से भी अधिक का समय हो गया है। ईडी कांग्रेस के खिलाफ गैर–कानूनी रूप से कार्रवाई कर रही है। भाजपा सरकार की मंशा है कि ऐसे प्रयासों से वह धीरे–धीरे कांग्रेस को आर्थिक रूप से अक्षम बना दे।

अम्बाला मंडी में किसानों मजदूरों के लिए अटल कैंटीन में 10 रुपए में मिलेगा भोजन

अम्बाला,15 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी की नई अनाज मंडी में किसानों और मजदूरों के लिए अटल किसान मजदूर कैंटीन की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि यह मंडी हरियाणा में जीटी रोड पर स्थित पहली मंडी है, जहां रेस्ट हाउस की सुविधा भी उपलब्ध है। इस कैंटीन में किसानों और मजदूरों को मात्र 10 रुपये में भोजन मिलेगा। अनाज मंडी में आयोजित उद्घाटन समारोह में विज ने कहा कि सरकार हर वर्ग का ध्यान रखती है। गेहूं के सीजन में किसानों, मजदूरों और अन्य लोगों को सस्ती दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए यह कैंटीन शुरू की गई है। अन्य मंडियों में भी ऐसी कैंटीनें स्थापित की जाएंगी। मार्केटिंग कमेटी अम्बाला छावनी, कैंटीन संचालक महिला स्वयं सहायता समूह को 15 रुपये प्रति थाली की सब्सिडी देगी।

विज ने बताया कि नई अनाज मंडी उनका पहला प्रोजेक्ट था। पहले यह मंडी सदर बाजार में थी, जहां किसानों और व्यापारियों को काफी परेशानी होती थी। जीटी रोड पर मंडी स्थानांतरित करने से किसानों को रेस्ट हाउस सहित कई सुविधाएं मिली हैं। अब रेस्ट हाउस के हॉल में ही अटल कैंटीन शुरू की गई है। मार्केटिंग बोर्ड ने स्थायी कैंटीन के लिए जगह चिन्हित कर ली है, जहां 7 लाख रुपये की लागत से जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा।स्वयं सहायता समूह की ममता शर्मा ने बताया कि कैंटीन में खतौली गांव की चार महिलाएं भोजन तैयार करेंगी, जो आजीविका मिशन के तहत काम करती हैं। इन महिलाओं ने इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट यमुनानगर से डिप्लोमा भी किया है। कार्यक्रम में अनाज मंडी आढती एसोसिएशन के प्रधान अजय गर्ग, पूर्व चेयरमैन बलविंदर सिंह शाहपुर, एसडीएम विनेश कुमार और अन्य अधिकारियों ने मंत्री विज का स्वागत किया।

आमने–सामने की टक्कर में 4 लोगों की मौत

कोटा,15 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में आज सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। कार ने मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मारी। दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार पति–पत्नी, बेटा और साले की बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। कार में सवार एक महिला घायल हुई। जिसे कोटा रैफर किया। यह जानकारी सुल्तानपुर थाना प्रभारी सत्यनारायण मालव ने दी। उन्होंने कहा कि मोटरसाइकिल पर सवार रहे 30 साल का बीरा और लियाकत उसकी पत्नी सितारा उम्र 28 साल, गोद में रहे 8 महीने का बेटा लईक और लियाकत के साले की बेटी 17 साल की जोया यह सभी इटावा गैंता से कोटा जिले के भौंरा गांव को जा रहे थे। मोटरसाइकिल में सवार सभी लोग गमी से लौट रहे थे, और सभी मारे गए।

सम्मान नहीं, समर्पण है अंबेडकर के प्रति भाजपा का नजरिया : आर्य

चंडीगढ़,15 अप्रैल (एजेंसियां)। संविधान निर्माता, भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर 'सम्मान अभियान' के तहत मंगलवार को रोहतक स्थित भाजपा कार्यालय मंगल कमल में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भाजपा एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा मौजूद रहे। मुख्य अतिथि लाल सिंह आर्य ने बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत होने वाले कार्यक्रमों को साझा किया। वहीं राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने डॉ. अंबेडकर के जीवन को समर्पण, संघर्ष और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा ने ही सही मायने में बाबा साहेब का सम्मान किया है।

एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के छह नेशनल कार्यक्रम हैं जिसके तहत बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जयंती देश भर मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के अलावा भारत का कोई भी ऐसा राजनीतिक दल नहीं है जिसके राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों में अंबेडकर जी की जयंती मनाई जाती हो। इसका मतलब साफ है कि भारतीय जनता पार्टी के लिए बाबा साहेब अंबेडकर विश्वास का केंद्र है इवेंट नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा जैसे श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती, पार्टी का स्थापना दिवस बूथों पर मनाती है उसी प्रकार से बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती मनाई जाती है।

हरियाणा सरकार की अफसरशाही पर कार्रवाई

जूनियर अधिकारियों को नहीं मिलेगा ऊंचे पदों का प्रभार

चंडीगढ़15 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने अफसरशाही के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए निर्देश जारी किए हैं कि अब जूनियर अधिकारियों को वरिष्ठ स्तर का प्रभार नहीं दिया जाएगा। ऐसे अधिकारियों को उनके सेवाकाल के अनुसार प्रमोट करके ही नई जिम्मेदारी दी जाएगी। हरियाणा में अभी तक मुख्यालय पर तैनात अधिकारियों को जिलों में अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाते रहे हैं। ज्यादातर आईएएस अधिकारियों को एक से अधिक प्रभार भी दिए गए हैं। यही नहीं, कई बार तो कम वेतन वाले अधिकारियों को वरिष्ठ और अधिक वेतन वाले पदों का प्रभार दिया गया है।

सरकार का मानना है कि इस चलते वित्तीय व्यवस्था गड़बड़ा जाती है। वित्त विभाग की ओर से सरकार की इस पॉलिसी पर आपत्ति दर्ज करवाई गई थी। वित्त विभाग की सिफारिशों के बाद अब सरकार ने इस नीति में बदलाव कर दिया है। राज्य भर के विभागाध्यक्षों, विभागों और जिलों में कार्यरत नोडल अधिकारियों को भेजे पत्र में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने उनसे कहा है कि वे कम वेतनमान पर काम कर रहे अधिकारियों को उच्च वेतनमान वाले पद का अतिरिक्त प्रभार न सौंपें। यहां तक कि अधिकारियों को उनके गृह जिले में अतिरिक्त प्रभार नहीं दिया जाएगा।

जूनियर अधिकारियों के लिए प्रमोशन के रास्ते खुलेंगेइस निर्णय से जूनियर अधिकारियों के लिए पदोन्नति के रास्ते खुलेंगे। साथ ही सरकार के ये कदम उनके द्वारा उठाए जा रहे गैरजिम्मेदाराना निर्देशों पर लगाम लगाने में काफी मददगार साबित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी सुविधाओं के दुरुपयोग को रोकना और प्रशासन में पारदर्शिता लाना है। बता दें कि वर्तमान में, मुख्यालय और जिला स्तर पर दोहरे प्रभार वाले ऐसे सैकड़ों अधिकारी और कर्मचारी सरकारी आवास सहित दोहरे लाभ का आनंद ले रहे हैं। कई अधिकारी पदोन्नति और मुख्यालय में पोस्टिंग के बावजूद जिला स्तर पर अच्छी पोस्टिंग बनाए रखते हैं। कई अधिकारी जिला स्तर पर तैनात होने के बावजूद चंडीगढ़ या पंचकूला में अपनी पोस्टिंग बनाए रखते हैं, ताकि मुख्यालय में आधिकारिक आवास जैसे लाभों का आनंद उठा सकें। ये अधिकारी दोहरी पोस्टिंग से जुड़े अन्य लाभों का भी आनंद लेते हैं। अब सरकार के आदेशों के बाद अधिकारियों की इस मनमर्जी पर रोक लगेगी।

पीएम आवास योजना के नाम पर हो रही उगाही

कार्यपालक पदाधिकारी और सरकारी शिक्षक पर आरोप

पटना (एजेंसियां)। नालंदा के अस्थावां नगर पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर कार्यपालक पदाधिकारी पर अवैध पैसे की उगाही का आरोप लग रहा है। इसके खिलाफ अस्थावां नगर पंचायत के मुख्य पार्षद और उप मुख्य पार्षद ने मोर्चा खोल रखा है।

उप मुख्य पार्षद अजित कुमार पासवान ने बताया कि पीएम आवास योजना के नाम पर अवैध रूप से पैसे की उगाही कार्यपालक पदाधिकारी के सह पर किया जा रहा है। ऐसे-ऐसे लोगों का लिस्ट में नाम आया है। जो लाखों और करोड़ों रुपये संपत्ति के मालिक हैं। इतना ही नहीं अकेले वार्ड नंबर आठ में 248 लोगों का आवेदन आया है। अब तक अस्थावां नगर पंचायत में वित्तीय वर्ष 25-26 के लिए बजट पर चर्चा भी नहीं हुई है। कार्यपालक पदाधिकारी सिर्फ और सिर्फ पीएम आवास योजना के कार्यों में ही लगे हुए हैं, जिसके कारण नगर पंचायत से जुड़े अन्य कार्य बिल्कुल ही ठप पड़ा हुआ है।

मुख्य पार्षद प्रतिनिधि विजय शंकर प्रसाद ने बताया कि सरकारी स्कूल धोबी विगहा के शिक्षक सुमन कुमार उर्फ बबलू के द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी पीएम आवास योजना के नाम पर करोड़ों रुपये की उगाही कर रहे हैं। सुमन कुमार एक सरकारी शिक्षक हैं। बावजूद वह अपने शैक्षणिक कार्यों से दूर रहकर दिनभर नगर पंचायत कार्यालय में स्थित कार्यपालक अधिकारी के ऑफिस में बैठे रहते हैं। उन्हीं के द्वारा अलग-अलग वार्ड से फॉर्म लाकर कार्यपालक पदाधिकारी के ऑफिस में जमा किया जाता है। अब तक 1365 आवेदन अस्थावां नगर पंचायत में आए हैं। यह जिले के सभी 15 नगर निकायों में सबसे अधिक है। ऐसे-ऐसे लोगों से आवेदन लिए गए हैं, जिनका पक्का मकान है और वह भारत सरकार को टैक्स भी अदा करते हैं। नगर पंचायत के नागरिकों से ऐसी शिकायत मिल रही है कि पीएम आवास योजना दिलाने के नाम पर जिनका पक्का मकान है। उनसे आवास योजना के आधे पैसे, जबकी जिनका कच्चा मकान है उनसे 50-50 हजार रुपये लिए जा रहे हैं।

मैं जिले के वरीय अधिकारियों से यह मांग करता हूं कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो और कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा किए जा रहे गलत कार्यों को उजागर करते हुए उनपर विभागीय कार्रवाई की जाए और इस कृत में साथ देने वाले लोगों को जेल भेजा जाए।

मुख्य पार्षद प्रतिनिधि ने कहा कि वह निजी खर्चे पर नगर पंचायत के क्षेत्र में माइकिंग के जरिए क्षेत्र के लोगों को जागरुक कर रहे हैं। पीएम आवास योजना एवं अन्य कार्यों के लिए पैसे मांगे जाने पर चार मोबाइल नंबर दिए गए हैं। उन पर लोगों को शिकायत करने की अपील की जा रही है। ताकि वह ऐसे किसी भी झांसे में न फंसे जिससे उनका आर्थिक नुकसान हो।

अस्थावां नगर पंचायत के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी अवनीश कुमार ने पैसे उगाही के मामले में बताया कि यहाँ राजनीति हो रही है। जो भी आरोप लगाए जा रहे हैं उसकी जांच की जाएगी। हालांकि इस पूरे प्रकरण में सरकारी शिक्षक सुमन कुमार उर्फ बबलू का क्या रोल है। इस पर उन्होंने जांच की बात कह कर फोन काट दिया।

महागठबंधन में कलह चरम पर है, एनडीए एक लक्ष्य के साथ बढ़ रहा आगे : ललन सिंह

पटना (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को मधुबनी आ रहे हैं। उनके कार्यक्रम को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता तैयारी में जुट गए हैं। इसी को लेकर एनडीए के घटक दलों की बैठक मंगलवार को समस्तीपुर में हुई। इसमें एनडीए के सभी प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं शामिल हुए। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने पत्रकारों से बातचीत की। महागठबंधन पर निशाना साधते हुए ललन सिंह ने कहा कि वहां अंतर्कलह चरम पर है। एक-दूसरे पर लाठियां चलाई जा रही है। जबकि एनडीए पूरी तरह एकजुट है और एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। वहीं जनता दल यूनाईटेड के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि बिहार में एनडीए का नेतृत्व फिर से सीएम नीतीश कुमार ही करेंगे। लोकसभा चुनाव और उपचुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब एनडीए

आगामी विधानसभा चुनाव में और भी बेहतरीन परिणाम देगा। संजय झा ने कहा कि एनडीए अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज करेगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, रामनाथ ठाकुर, बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी, मंत्री नितिन नवीन, समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी, भाजपा विधायक राजेश कुमार, वीरेंद्र पासवान, एमएलसी डॉ. तरुण चौधरी समेत सभी नेताओं ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में मधुबनी पहुंचें और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएं।

रेलवे पुलिस ने ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत हार्ट अटैक आए यात्री की बचाई जान

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर प्लेटफॉर्म ड्यूटी में तैनात प्रधान आरक्षी सुशील कुमार के द्वारा डीओ ड्यूटी में तैनात उप निरीक्षक सुष्मिता कुमारी को सूचना दिया गया कि प्लेटफॉर्म संख्या-2 पर समय लगभग बाघ एक्सप्रेस पर आगमन पर एस वन कोच के एक यात्री द्वारा बताया गया है कि एक व्यक्ति को हार्ट अटैक आया है। सूचना पर वहां जाने पर देखे कि एक व्यक्ति पड़ा हुआ है और उसमें कुछ रिस्पॉन्स नहीं दे रहा है, जिसे प्लेटफॉर्म पर उतार कर रखा गया है।

उसके बाद रेलवे पुलिस के द्वारा सीपीआर दी गई। इसकी सूचना मिलने पर डॉक्टर साथ स्टॉफ मौके पर आए एवं प्राथमिक इलाज किए, जिसके उपरांत उनके द्वारा पीड़ित को सदर हॉस्पिटल में इलाज के लिए भेज दिए। मरीज को स्ट्रैचर पर लेटाकर सदर अस्पताल लेकर भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा इलाज किया गया।

इस दौरान रेल पुलिस के स्टॉफ द्वारा मरीज की तलाशी ली गई तो उसके पास से मोबाइल मिला, जिसमें मौजूद उनके चाचा के लड़के से बात हुआ, जिनके द्वारा यात्री का नाम सोनू प्रसाद उम्र 40 वर्ष गुरुगांव (कोलकाता) का है। बीमार व्यक्ति के चाचा के लड़के आ रहे हैं। इस प्रकार उक्त प्रधान आरक्षी के सूझबूझ और तत्परता से व्यक्ति की जान को बचाया गया है।

पूरे मामले में आरपीएफ के निरीक्षक सह थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि चलती ट्रेन में एक यात्री को हार्ट अटैक आया था। कोच से उन्हें बाहर निकाला गया है और रेल पुलिस द्वारा सीपीआर दी गई है, जिसके बाद रेल पुलिस के द्वारा इस मामले में आगे की कार्रवाई के लिए सदर अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। यात्री कोलकाता का रहने वाले है।

अब गर्मियों में नहीं करना होगा पेयजल संकट का सामना

पशुओं के लिए कुल 261 पशु प्याऊ का निर्माण

पटना (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान संभावित जलसंकट से निपटने की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) द्वारा इस संबंध में व्यापक कार्य योजना तैयार की गई है। मंत्री नीरज कुमार सिंह के मुताबिक, चापाकलों की मरम्मति एवं रखरखाव के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिन पंचायतों में भू-जल स्तर नीचे चला गया है, वहां राइजर पाइप बढ़ाकर चापाकलों को क्रियाशील बनाए रखने की व्यवस्था की जा रही है।

मंत्री नीरज सिंह ने बताया कि मौजूदा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल 1520 नए चापाकलों के निर्माण की अग्रिम स्वीकृति दी जा चुकी है। साथ ही, चापाकलों के मरम्मति के लिए निर्धारित

लक्ष्य के अनुरूप राज्यभर में कुल 1,20,749 चापाकलों की मरम्मति का कार्य शुरू कर दिया गया है। सभी चापाकलों की मरम्मति की रिपोर्ट ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज की जा रही है और जिओ टैग्ड फोटोग्राफ एवं सामाजिक प्रमाणिकरण भी प्राप्त किये जा रहे हैं।

गर्मी में पेयजलापूर्ति की चुनौती से निपटने के लिए लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह ने अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए हैं। सर्वप्रथम अकार्यरत चापाकलों की तत्काल मरम्मति कराने एवं जल संकटग्रस्त क्षेत्रों में 'हर घर नल का जल' संरचनाओं के अतिरिक्त टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति कराने का उन्होंने निर्देश दिया है। सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों और महादलित टोलों में चापाकलों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जा रहा है। साथ ही भूजल स्तर में सम्भावित गिरावट को देखते हुए पंचायत स्तर पर जल स्रोतों की स्थिति का दैनिक आधार पर आकलन किया जा रहा है।

जिन क्षेत्रों में भूजल का स्तर अत्यधिक नीचे चले जाने से जलापूर्ति योजनाएं प्रभावित होती हैं, वहां टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जल संकटग्रस्त पंचायतों को प्राथमिकता के आधार पर जल वितरण का रूट चार्ट तैयार किया गया है, ताकि किसी भी गांव या टोले में पेयजल की कमी न हो। पूरी व्यवस्था की जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष के माध्यम से निगरानी भी की जा रही है। इसके साथ ही विभाग के स्तर से जल गुणवत्ता को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत उन जलस्रोतों को लाल रंग से चिह्नित किया जा रहा है, जिनमें आर्सेनिक, फ्लोराइड या आयरन की मात्रा मान्य सीमा से अधिक पाई गई है।

साथ ही, 'हर घर नल का जल' योजना के तहत स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को जोड़ने का काम भी तेज कर दिया गया है। इसके अलावा गर्मी के मौसम में पशुओं के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की विभाग द्वारा पहल की गई है। राज्य में कुल 261 कैटल ट्रफ (पशु प्याऊ) का निर्माण किया गया है और इनकी क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के लिए इसका भौतिक सत्यापन भी किया जा रहा है। विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने गर्मी के मौसम में राज्य के सुखाग्रस्त हिस्सों में सम्भावित भूजल स्तर में आने वाली गिरावट के कारण उत्पन्न पेयजल की समस्या से निपटने की तैयारियों पर पिछले दिनों सभी क्षेत्रीय कार्यपालक अभियंताओं के साथ बैठक भी की है।

साइबर कैफे संचालक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में मोतीपुर थाना क्षेत्र के मोतीपुर प्रखंड कार्यालय के पास में कमरे से संदिग्ध परिस्थितियों में साइबर कैफे संचालक का बेड पर शव मिला है।

परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक की पहचान संजय कुमार उम्र 37 वर्ष जिला पूर्वी चंपारण के तुरकौलिया थाना क्षेत्र के निवासी के रूप में किया गया है। मृतक के गले पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं।

यह घटना मोतीपुर थाना क्षेत्र के ब्लॉक परिसर के पास की बताई गई है। जहां स्थित साइबर कैफे संचालक संजय कुमार उर्फ मुन्ना का संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कमरे में शव बरामद होने की जानकारी के बाद आसपास इलाके में सनसनी फैल गई। इस घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची डीएसपी वेस्ट सुचित्रा कुमारी ने मामले में जांच शुरू कर दी है। मृतक के गले पर गहरे जख्म के निशान पाए गए हैं। मृतक के गले पर सुसाइड के भी निशान पाए गए हैं। हालांकि, मृतक के परिजनों ने एक साजिश के तहत हत्या कर दिए जाने की आशंका भी जताई है।

पुलिस मृतक के घर एवं प्रखंड मुख्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगाला जा रहा है।घटना को लेकर मृतक के साला राकेश कुमार ने हत्या कर देने की आशंका जताया है। उन्होंने बताया कि संजय कुमार का किसी से कोई विवाद नहीं था अपने अच्छे और मृदुभाषी व्यवहार के कारण सब लोग में लोकप्रिय थे और यहां पर अच्छा काम कर रहे थे। मोतीपुर में बीते पंद्रह साल से अधिक समय से साइबर कैफे को चला रहे थे। हमें आशंका है कि उनके काम से यहां के कुछ लोग में नागवार गुजर रहा था, जिसके कारण उनकी हत्या कर दी गई है।

पूरे मामले को लेकर में डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने बताया कि एक कैफे संचालक की संदिग्ध शव बरामद किया गया है। प्रथम दृष्टया मामला सुसाइड का लग रहा है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। पुलिस घटना की हर बिंदु पर अनुसंधान पर काम कर रही है।मृतक पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र का रहने वाला है। परिजन का बयान लिया जा रहा है, आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई किया जाएगा।

बिहार के नवाचारी शिक्षकों का सम्मान

किशनगंज के पांच शिक्षकों को मिला पुरस्कार

पूर्णिया (एजेंसियां)। टीचर्स ऑफ बिहार (टीओबी) ने अपनी स्थापना के छह वर्ष पूरे होने पर वार्षिकोत्सव मनाया। एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जहां किशनगंज जिले के पांच शिक्षकों को सम्मानित किया गया है।

गौरतलब हो कि कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव और एससीईआरटी के निदेशक सज्जन आर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। टीओबी के संस्थापक शिवकुमार और टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने दीप प्रज्वलित कर

कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर डॉ. एस सिद्धार्थ ने गद्य गुंजन पद्य पंकज और शिक्षकों के विचार पत्र अभिमत का विमोचन किया। किशनगंज जिले से पांच नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इनमें डिस्ट्रिक मेंटर कुमारी निधि, ब्लॉक मेंटर कुमारी प्रिया, इन्हेसार राही, राजेश कुमार और मुकेश कुमार शामिल हैं।

विशेष रूप से कुमारी निधि को राज्यस्तरीय मेला में भी पुरस्कार मिला है। ये सभी शिक्षक नवाचारी तरीकों से कक्षा को रोचक बनाते हैं। इनके प्रयासों से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया सरल और सहज हो रही है। शिक्षकों के सम्मान से पूरे जिले में खुशी का माहौल है। जिले भर से इन पांच शिक्षकों को बधाइयां मिल रही है।

नीतीश ही होंगे बिहार चुनाव में एनडीए का चेहरा! जदयू ने किया साफ

पटना (एजेंसियां)। जदयू ने मंगलवार को साफ कर दिया कि आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की तरफ से मुख्यमंत्री पद का चेहरा नीतीश कुमार ही होंगे। यह बयान उस समय आया, जब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक दिन पहले कह दिया था कि बिहार के उप मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता सम्राट चौधरी चुनाव में जीत दिलाएंगे।

विपक्ष ने सैनी के इस बयान को लेकर बीजेपी पर हमला बोल दिया और कहा कि बीजेपी अपने सहयोगियों की अनदेखी कर रही है। वहीं जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने सैनी के बयान को ज्यादा तवज्जो न देते हुए कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर एनडीए में कोई विवाद नहीं है। सैनी ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि बीजेपी की जीत का सिलसिला जारी रहेगा और बिहार में यह जीत सम्राट चौधरी की अगुवाई में मिलेगी।

प्रसाद ने साफ कहा, 'बिहार विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा

और वहीं एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। चुनाव के बाद जो सरकार बनेगी, उसमें नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे और 2030 तक का पूरा कार्यकाल पूरा करेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पहले इस बात को स्पष्ट कर चुके हैं। साथ ही विपक्षी खछअझअ गठबंधन पर तंज कसते हुए बोले कि जैसे बाकी राज्यों में यह गठबंधन बिखर गया है, वैसे ही बिहार में भी इसका हाल बुरा होगा।

राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि भले ही आरजेडी ने तेजस्वी यादव को अपना मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया हो, लेकिन कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने हाल में कहा था कि विपक्षी गठबंधन बिहार में अपने नेता का नाम चुनाव के बाद तय करेगा।

उन्होंने दावा किया कि तेजस्वी यादव जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मिलने गए थे, तो उन्हें वहां से खाली हाथ लौटना पड़ा। प्रसाद ने भरोसा जताया कि आने वाले चुनाव में एनडीए को बिहार में अब तक की सबसे बड़ी जीत मिलेगी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com